आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
16.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.37
सूर्यास्त 06.12

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 07:09 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 1 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 96, पृष्ठ 16+4 ▪ मूल्य 6 रुपये

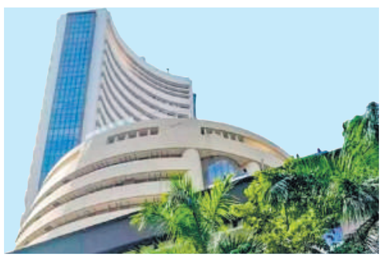

एनटीपीसी पर लगाया 10.86 लाख रुपये का जुर्माना - 14

डीमैट अकाउंट खोलना क्यों जरूरी, किन बातों का रखें ध्यान - 14

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन बोले- भारत के विकास में स्नातकों की भूमिका अहम - 15

जो जीतेगा, खेलेगा सेमीफाइनल वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का मुकाबला आज - 16

महायुद्ध

ईरान-इजराइल जंग, झुलसा पश्चिम एशिया

अमेरिकी सहयोग से हुए हमलों के जवाब में ईरान ने सात देशों में अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना

इस्तेमाल हुए 200 फाइटर जेट, तेहरान से तेल अवीब तक अंगारे और धुआं, ईरान में 200 से ज्यादा की मौत

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसियां

इजराइल ने अमेरिका के सहयोग से शनिवार सुबह ईरान की राजधानी तेहरान सहित कई बड़े शहरों में हवाई हमले किये। हमलों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई के आवास के भी तबाह होने की खबरें हैं। हमलों के जवाब में ईरान ने शनिवार को भीषण पलटवार करते हुए सात देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को एक साथ निशाना बनाया। तेहरान से लेकर तेल अवीव तक, आसमान मिसाइलों की रोशनी से दहक रहा है और जमीन पर चारों ओर तबाही का धुआं है। देर रात नेतन्याहू ने दावा किया कि ऐसे कई संकेत मिल रहे हैं कि खामनेई की मौत हो गयी है। उन्होंने कहा कि खामनेई का परिसर पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि यह ऑपरेशन तब तक जारी रहेगा जब तक लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता। इजराइल ने अपने खिलाफ खतरों को समाप्त करने के लिए ईरान पर एहतियाती हमला किया है।

ईरान ने जवाबी हमले इजराइल के अलावा बहरीन, यूएई, इराक, कुवैत और कतर में बने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए हैं। इजराइल के हमलों में ईरान में करीब 60 छात्राओं की मौत हो गयी। इजराइल ने हमले के लिए 200 फाइटर जेट का इस्तेमाल किया। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ईरान के रक्षा मंत्री आमिर नासिरजादेह और ईरान के प्रमुख रक्षा बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमाडंर मोहम्मद पाकपोर की इन हमलों की मौत हो गयी। ईरानी मीडिया में इन खबरों का खंडन करते हुए कहा कि ख़ामेनेई को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। ईरानी मीडिया के अनुसार हमले में 200 से ज्यादा लोग मारे गये हैं और 700 से ज्यादा घायल हैं। 20 वॉलीबाल खिलाड़ियों की भी मौत हुई है। राजधानी में कई जगहों पर धमाकों की आवाज सुनी गयी और कुछ हिस्सों में धुआं उठता देखा गया। समाचार एजेंसी फार्स के मुताबिक, यूनिवर्सिटी स्ट्रीट और जुमहूरी इलाके के आसपास मिसाइलें गिरीं। फार्स ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद बाघेर कलीबाफ, न्याय प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनी एजेई, और आर्मी कमांडर-इन-चीफ अब्दोलरहीम मौसवी हतामी ज़िंदा और ठीक हैं। एजेंसी ने बताया कि कतर में तैनात और बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए इस्तेमाल होने वाली खास टेक्नोलॉजी से लैस 5,000 किलोमीटर की रेंज वाला अमेरिकी एफपी-132 रडार नष्ट हो गया है। हमलों के जवाब में ईरान ने वैसी ही प्रतिक्रिया दी, जैसी वह कई महीनों से देने की धमकी दे रहा था। सबसे पहले उसने इजराइल को निशाना बनाते हुए मिसाइलों और ड्रोन दागे। इसके बाद उसने बहरीन, कुवैत और कतर में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए।

ईरान के तेहरान में शनिवार को हुए विस्फोट के बाद आसमान में धुआं उठता देख लोग। ● एजेंसी

अपने भाग्य की बागडोर अपने हाथ में ले ईरान की जनता : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी जनता से अपने भाग्य की बागडोर अपने हाथ में लेने और 1979 से देश पर शासन कर रहे इस्लामी नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह करने का आह्वान किया। ट्रंप ने 'बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू होने की घोषणा करते हुए एक वीडियो के माध्यम से कहा कि जब हम अपना काम पूरा कर लेंगे, तो अपनी सरकार पर कब्ज़ा कर लेना। वह तुम्हारी होगी जिसकी बागडोर तुम अपने हाथ में ले सकोगे। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी इस व्यापक लक्ष्य को दोहराया। उन्होंने कहा कि हमारा संयुक्त अभियान बहादुर ईरानी लोगों के लिए ऐसी परिस्थितियां पैदा करेगा, जिससे वे अपने भविष्य का फैसला खुद अपने हाथों में ले सकें।

ईरानी हमलों के बाद यूएई ने जारी किया रेड अलर्ट, रक्षा कर्मियों को हाई अलर्ट पर रखा

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा है कि उसने ईरानी हवाई हमलों का तेज़ी से तथा उच्च दक्षता के मुकाबला किया है और ईरानी हमले में अब तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने सशस्त्र बलों को भी हाई अलर्ट पर रखा है। यूएई की सेना के मुताबिक मार गिरायी गयी मिसाइलों का मलबा अबू धाबी के अलग-अलग इलाकों में गिरा, जिसमें सादियात आइलैंड, खलीफा सिटी, बानी यास, मोहम्मद बिन जायद सिटी और अल फलाह शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि प्रभावित जगहों पर कोई घायल नहीं हुआ। हमलों की आलोचना करते हुए यूएई के रक्षा मंत्रालय ने हमलों को देश की संप्रभुता और अंतर्राष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया। यूएई ने कहा कि वह अपने इलाके और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी ज़रूरी रक्षात्मक कदम उठाने का पूरा अधिकार रखता है।

भारत का सभी पक्षों से पश्चिम एशिया में तनाव कम करने का आह्वान

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिका और इजराइल द्वारा किये गए संयुक्त सैन्य हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनावपूर्ण स्थिति के बीच भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने और तनाव को बढ़ने से रोकने का शनिवार को आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और उनके इजराइली समकक्ष गिदोन सार के साथ फोन पर बातचीत की। जयशंकर ने अराघची को ईरान और क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रम पर भारत की गहरी चिंता से अवगत कराया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में स्थित उसके मिशन भारतीय नागरिकों के संपर्क में हैं और उन्होंने उचित परामर्श जारी करते हुए उनसे सतर्क रहने और स्थानीय सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा है। ऐसी जानकारी है कि भारत फिलहाल ईरान, इजराइल या पश्चिम एशिया के किसी अन्य देश से भारतीय नागरिकों को निकालने पर तत्काल विचार नहीं कर रहा है। बयान के अनुसार, भारत हमेशा से पश्चिम एशिया के मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान का पक्षधर रहा है। इजराइल दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता भारत के सुरक्षा हितों से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

प्रयागराज एसटीपी को बिल्ड इंडिया अवॉर्ड

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश के देखरेख और नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) के तकनीकी और वित्तीय सहयोग से संचालित प्रयागराज सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) परियोजना को प्रतिष्ठित बिल्ड इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 24 फरवरी को द अशोका होटल में आयोजित समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से प्रदान किया गया। 326 एमएलडी स्थापित क्षमता वाला प्रयागराज एसटीपी 81 नालों के सीवेज का उपचार कर गंगा और यमुना में अशोधित प्रवाह को रोक रहा है। यह परियोजना हाइब्रिड एन्युइटी आधारित पीपीपी मॉडल पर प्रयागराज वाटर लिमिटेड के माध्यम से क्रियान्वित हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) का सहयोग रहा।

शक्ति भवन के 56 कर्मी बने समीक्षा अधिकारी

अमृत विचार, लखनऊ : होली से पहले शक्ति भवन में शनिवार को खुशी का माहौल देखा गया। विद्युत कारपोरेशन में कार्यरत 56 कर्मचारियों को प्रमोशन करके समीक्षा अधिकारी बना दिया गया है। प्रदेश मुख्यालय कर्मचारी संघ के महामंत्री आशीष तिवारी ने बताया कि शक्ति भवन मुख्यालय में 54 सहायक समीक्षा अधिकारियों की प्रोन्नति समीक्षा अधिकारी के पद पर और दो समीक्षा अधिकरियों की प्रोन्नति अनुभाग अधिकारी के पद पर हुई है। प्रबंधन ने कारपोरेशन मुख्यालय के इतिहास में पहली बार एक साथ इतने कार्मिकों को प्रोन्नति दी है। संघ के अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष आशीष गोयल एवं प्रबन्ध निदेशक पंकज कुमार से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंप कर धन्यवाद दिया।

चेयरमैन और विद्युत कर्मचारी नेता 5 मार्च को होंगे आमने-सामने

अमृत विचार, लखनऊ : पावर कारपोरेशन के निजीकरण करने के प्रयास और कर्मचारियों को कथित तौर पर दलाल कहने के आरोप में कर्मचारियों का गुस्सा चरम पर है। इस मुद्दे पर 5 मार्च को पावर कारपोरेशन के चेयरमैन आशीष गोयल और राज्य विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारी आमने-सामने बैठकर कोई रास्ता निकालेंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार को समिति के पदाधिकारी पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष से वार्ता के लिए शक्ति भवन पहुंचे, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। अब उन्होंने 5 मार्च को बातचीत करने का समय दिया है।

योगी के सिंगापुर-जापान दौरे में 1.5 लाख करोड़ के एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने चार दिवसीय विदेश यात्रा में उप्र. का भविष्य गढ़ने को हर क्षण का किया उपयोग

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हालिया सिंगापुर और जापान दौरा केवल औपचारिक विदेश यात्रा नहीं, बल्कि निवेश और विकास के स्पष्ट एजेंडे के साथ किया गया अभियान रहा। चार दिवसीय दौरे में मुख्यमंत्री ने उद्यमियों, औद्योगिक समूहों और भारतीय प्रवासियों से लगातार मुलाकात कर उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को प्रस्तुत किया। सरकार के अनुसार इस दौरे के दौरान करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये के एमओयू और लगभग ढाई लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी।

समयांतर की चुनौतियों और लंबी हवाई यात्राओं के बावजूद मुख्यमंत्री योगी का कार्यक्रम लगातार व्यस्त रहा। सिंगापुर पहुंचने के कुछ घंटों के भीतर ही उन्होंने भारतीय राजनयिक अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों से बैठकें शुरू कर दीं। दो दिनों तक औद्योगिक इकाइयों के भ्रमण, निवेशकों से संवाद और रोड शो जैसे कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद वह टोक्यो के लिए रवाना हुए। इस दौरान कोई औपचारिक कार्यक्रम नहीं, किसी दर्शनीय स्थल का भ्रमण नहीं, बस मिनट टू मिनट बैठकें, लगातार बैठकों, औद्योगिक दौरों और प्रतिनिधिमंडलों से संवाद के बीच मुख्यमंत्री ने समय का अधिकतम उपयोग किया। अधिकारियों के अनुसार दौरे में औपचारिक कार्यक्रमों की बजाय निवेश-केंद्रित बैठकों पर फोकस रखा गया।

सरकार का दावा है कि इन प्रस्तावित निवेशों से प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और औद्योगिक आधार मजबूत होगा। निवेशकों ने एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, डिफेंस कॉरिडोर, बेहतर कानून-व्यवस्था और सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली को सकारात्मक संकेतक बताया।

निवेश बढ़ाने का एजेंडा स्पष्ट

जापान में भी उन्होंने प्रमुख औद्योगिक कंपनियों के प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की। टोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद बैठकें शुरू हो गईं। वहां भी दो दिन तक निवेश आकर्षित करने पर केंद्रित कार्यक्रम चले। अधिकारियों का कहना है कि हर बैठक का एजेंडा स्पष्ट था और प्राथमिकता उत्तर प्रदेश में मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, डिफेंस और टेक्नोलॉजी सेक्टर में निवेश बढ़ाने पर रही।

उद्योगों को मिलेगी नई गति

प्रदेश सरकार इस दौरे को उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मान रही है। यदि प्रस्तावित निवेश धरातल पर उतरते हैं तो पूर्वांचल से बुंदेलखंड तक औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिल सकती है। सरकार का मानना है कि यह दौरा वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की बदलती छवि और निवेश-अनुकूल वातावरण का संकेत है।

यूपी में आतंक के लिए कोई जगह नहीं : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूट्यूबर पर हमले को लेकर दिए सख्त कार्रवाई के आदेश

अमृत विचार: गाजियाबाद के यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के आदेश देते हुए कहा कि यूपी में आतंक की कोई जगह नहीं है। पुलिस ने एआईएमआईएम के नेता समेत सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। उधर घायल यूट्यूबर की हालत गंभीर बनी हुई है।

यूट्यूबर सलीम पर शुक्रवार की सुबह आधा दर्जन लोगों ने हमला कर दिया था। बताया जाता है कि यूट्यूबर सलीम ने कथित तौर पर मुस्लिम धर्म छोड़ दिया है। इसी की रंजिश में उस पर हमला किया गया। उधर पुलिस ने एआईएमआईएम नेता अजगर, अशरफ, शाहरुख, सोनू तथा भाटी बिल्डर समेत सात के खिलाफ मुकदमा कायम किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दस विशेष टीमें गठित की गई हैं।

बसपा विधायक के यहां छापेमारी के बाद आयकर की टीम वापस

98 करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स चोरी का खुलासा होने की आशंका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जेवर, नकदी और दस्तावेजों की सूची बनाकर कराई रिसीव
- स्ट्रांग रूम में जमा कराए गए सीज दस्तावेज व जेवर-नकदी

अमृत विचार: बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ समेत अन्य ठिकानों पर चल रहे आयकर के छापे तीन दिन बाद समाप्त हो गए। शुक्रवार की आधी रात के बाद करीब ढाई बजे टीमें चली गईं। दावा है कि करीब 98 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी गई। छापे के दौरान सीज किया जेवर, नकदी और अन्य दस्तावेजों की एक लिस्ट बनाकर विधायक के परिजनों को एक कापी सौंपी और रिसीविंग भी ली गई। उसके बाद आयकर विभाग की टीम ने सभी सीज सामान को विभाग के लाकर में सुरक्षित रख दिया। अब नोटिस देकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बुधवार को बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित गोमतीनगर के आवास और छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन व साईराम इंटरप्राइजेज आफिस के साथ ही बलिया, कौशांबी और सोनभद्र समेत कई स्थानों पर आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी की थी। जांच में पाया कि कंपनियों के नाम पर खनन और निर्माण के ठेकों से करोड़ों की बेनामी संपत्ति एकत्र की गई। आयकर विभाग की टीमों ने कार्रवाई के दौरान बरामद नकदी, जेवर, बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज, खर्चे की पर्चियां, डायरियां और हाथ से लिखे हिसाब-किताब के साथ इलेक्ट्रानिक दस्तावेजों की एक लिस्ट बनाकर सीज कर दिया गया। अब टीमें बरामद दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाएगी। हालांकि आयकर विभाग की ओर से कार्रवाई का कोई भी अधिकृत ब्यौरा नहीं दिया है। उधर विधायक के एक नजदीकी ने बताया कि आयकर विभाग की कार्रवाई में कुछ खास नहीं मिला है।

बाधाएं और कठिनाइयां जीवन का हिस्सा : युकेश

आयकर विभाग की कार्रवाई समाप्त होने के बाद बसपा विधायक के बेटे प्रिंस युकेश सिंह ने एक्स पर लगातार दो पोस्ट किए। एक पोस्ट में लिखा कि बाधाएं और कठिनाइयां जीवन का हिस्सा होती हैं। इन्कम टैक्स के अधिकारियों की जांच प्रक्रिया थी, जो अब खत्म हो चुकी है। इस परिस्थिति में जो लोग हमारे परिवार का संबल बने। हमारा हौसला बढ़ाया, उसके लिए हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हैं। वहीं दूसरे पोस्ट विधायक के बेटे ने महाभारत को दो लाइन लिखीं है। कहा- मेरे रथ की रस्सी कस कर पकड़ना माधव, ये मेरे संघर्षों का आखिरी युद्ध होने वाला है।

विधायक के करीबियों की बढ़ी बैचेनी

आयकर विभाग की टीम चली गई है और अभी फाइनल असेसमेंट की कार्रवाई होनी है। फिर भी बसपा विधायक के निकट के लोग जो कि खनन और निर्माण कार्य के ठेकों में शामिल रहे, उनके चेहरों पर खासी बैचेनी देखी गई। शुक्रवार को दोपहर में कई लोग विपुल खंड स्थित छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन के आफिस के बाहर देखे गए। उनमें आयकर कार्रवाई के दौरान क्या हुआ, उसे जानने की जिज्ञासा थी।

लखनऊ स्थित केजीएमयू के कन्वेंशन सेंटर में एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम का शुभारंभ करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू बालिकाओं को लगेगा निःशुल्क टीका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केजीएमयू के सभागार में प्रधानमंत्री के टीकाकरण शुभारंभ कार्यक्रम का हुआ सीधा प्रसारण

अमृत विचार : देश में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अजमेर (राजस्थान) से कार्यक्रम की शुरुआत की, जबकि उत्तर प्रदेश में राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने केजीएमयू के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में किया।

कार्यक्रम के दौरान 15 बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाकर प्रदेश में अभियान की विधिवत शुरुआत की गई। इस मौके पर राज्य मंत्री चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मयंकेश्वर शरण सिंह, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष, केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानन्द सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी सभागार में देखा गया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों और महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की बढ़ती चिंता को देखते हुए यह ऐतिहासिक पहल की गई है। उन्होंने इसे बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर बताया और कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र बालिका तक यह जीवनरक्षक टीका पहुंचाना है।

अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि इस अभियान से भविष्य में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के मामलों में उल्लेखनीय कमी आएगी और मातृ-स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार होगा। साथ ही स्पष्ट किया कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित, प्रभावी और सरकार की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

14 -15 वर्ष की बालिकाओं को लगेगा टीका

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अगले एक वर्ष में प्रदेश की लगभग 24 लाख 39 हजार 210 बालिकाओं को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिन्होंने 14 वर्ष की आयु पूरी कर ली है और 15 वर्ष से कम हैं। शुरुआती तीन महीनों में टीका जिला अस्पतालों और ब्लॉक स्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध रहेगा, बाद में इसे नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

पीजीआई में जल्द शुरू होगा कॉर्निया प्रत्यारोपण, प्रदेश में बढ़ेंगे सरकारी आई बैंक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कॉर्निया प्रत्यारोपण सेवाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। संजय गांधी स्नातकोत्तरआयुर्विज्ञान संस्थान (एसजी पीजीआई) के नेत्र रोग विभाग में इसी वर्ष कॉर्निया प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू की जाएगी। संस्थान प्रशासन ने इसकी तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं।

चिकित्सा शिक्षा के अपर मुख्य सचिव अमित घोष ने शनिवार को संस्थान में आयोजित संगोष्ठी में बताया कि अगले दो वर्षों में प्रदेश में सरकारी आई बैंक और कॉर्निया प्रत्यारोपण केंद्रों की संख्या 11 से बढ़ाकर 21 की जाएगी। प्रत्यारोपण प्रक्रिया को गति देने के लिए शासन स्तर पर टास्क फोर्स गठित की जाएगी, जिसमें शासन के अधिकारी, स्टेट अंग और टिशु ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) व नेत्र रोग विशेषज्ञ शामिल होंगे।

दो चरणों में खुलेंगे 10 नए केंद्र : सोटो के प्रदेश संयुक्त निदेशक एवं एसजी पीजीआई के एमएस डॉ. राजेश हर्षवर्धन ने बताया कि दो वर्षों में दो चरणों में पांच-पांच नए आई बैंक और कॉर्निया प्रत्यारोपण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में निजी क्षेत्र में लगभग 75 केंद्रों पर आई बैंक और कॉर्निया प्रत्यारोपण की सुविधा संचालित हो रही है। समारोह में अमित घोष ने डॉ. हर्षवर्धन की किताब फ्रॉम होप टू हीलिंगः ए प्रैक्टिकल गाइड टू ट्रांसप्लांट सिस्टम इन इंडिया का विमोचन किया। इस मौके पर पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमान, नोटो के निदेशक डॉ. अनिल कुमार, डॉ. शालिनी मोहन, डॉ. एसपी सिंह, डॉ. अल्का गुप्ता, डॉ. शेफाली मजूमदार, डॉ. अभिषेक चंद्रा ने अहम जानकारी साझा की।

रेड सैंड बोआ व पैंगोलिन की खाल के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पकड़े गए अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह के सदस्य। अमृत विचार

अमृत विचार: एसटीएफ और वन विभाग की संयुक्त टीम ने मिर्जापुर में अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शनिवार को अदलहाट थाना क्षेत्र स्थित नारायणपुर शनिदेव मंदिर के पास छापेमारी कर टीम ने एक रेड सैंड बोआ सर्प और करीब दो किलोग्राम पैंगोलिन की खाल बरामद की। बरामद खाल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तार आरोपियों में वाराणसी के उमर फारूक, कोलकाता के अजहरूद्दीन अहमद और मिर्जापुर के राम प्रकाश पाठक शामिल हैं। इनके पास से केमिकल व इंजेक्शन भी बरामद किए गए। एसटीएफ के अनुसार गिरोह पूर्वी उत्तर प्रदेश में सक्रिय था और दुर्लभ वन्य जीवों की तस्करी करता था। वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो से मिली सूचना पर कार्रवाई की गई।

पूछताछ में सामने आया कि रेड सैंड बोआ और पैंगोलिन की खाल का उपयोग कथित तौर पर शक्तिवर्धक दवाओं व कॉस्मेटिक उत्पादों में किया जाता है। वन विभाग ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

खादी प्रदर्शनी में 54 लाख से अधिक की बिक्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उप्र. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित "लघु खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी" का शनिवार को समापन हो गया। बोर्ड मुख्यालय परिसर में 20 से 28 फरवरी तक चली इस प्रदर्शनी में 46 स्टॉल लगाए गए, जिनमें खादी वस्त्र, हर्बल गुलाल, शहद, पापड़-बड़ी, नमकीन, आंवला उत्पाद, रेशम व सिल्क साड़ियां तथा हस्तशिल्प वस्त्रों की अच्छी बिक्री हुई।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान के निर्देशन में आयोजित प्रदर्शनी में इस वर्ष 54.23 लाख रुपये की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष के 50.17 लाख रुपये से अधिक है। समापन समारोह में प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उद्यमियों को सम्मानित किया। प्रथम पुरस्कार ग्रामोदय संस्थान, सीतापुर को, द्वितीय श्रुति शुक्ला (लखनऊ) और तृतीय द्राक्षा फैशन (लखनऊ) को प्रदान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराना और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है। होली के अवसर पर बड़ी संख्या में खरीदार पहुंचे, जिससे कारीगरों और उद्यमियों को बड़ा मंच मिला।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उद्यमियों को सम्मानित करते प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र कुमार।

होली पर अवैध शराब पर कड़ी नजर रखने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने होली पर्व के मद्देनजर प्रदेश में कानून-व्यवस्था और आबकारी व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि किसी भी जिले में अवैध या जहरीली शराब के सेवन से कोई दुर्घटना नहीं होनी चाहिए।

मुख्य सचिव ने शनिवार को संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता बरतने, अंतरराज्यीय सीमाओं पर सघन चेकिंग अभियान चलाने और अवैध शराब के उत्पादन व बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शराब की दुकानों, ढाबों और अन्य संभावित स्थानों का औचक निरीक्षण किया जाए तथा अधिक दर पर बिक्री की शिकायत न मिले। भांग की अधिकृत दुकानों पर गांजा बिक्री रोकने के भी निर्देश दिए गए।

एसपी गोयल ने अधिकारियों से कहा कि त्योहार के दौरान दुकानों को अनावश्यक रूप से लंबे समय तक बंद न रखा जाए, क्योंकि इससे अवैध बिक्री को बढ़ावा मिल सकता है। स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार ही बंदी का निर्णय लिया जाए, ताकि व्यवस्था संतुलित बनी रहे।

अलीगढ़ में कॉलेज के गेट के बाहर छात्र की गोली मारकर हत्या

अलीगढ़, एजेंसी

- गोलीबारी के दौरान एक अन्य छात्र हुआ घायल

जिले में गांधी पार्क थाना क्षेत्र स्थित वार्ष्णेय डिग्री कॉलेज के गेट के बाहर शनिवार को अज्ञात हमलावरों ने एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी, उसका एक साथी घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, मोटरसाइकिल पर सवार असलहे से लैस हमलावरों ने कॉलेज के बाहर भीड़भाड़ वाले इलाके में छात्र पर गोलीबारी की और मौके से फरार हो गए। गोलीबारी के दौरान मृतक के साथ मौजूद एक अन्य छात्र भी घायल हो गया, जिसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। चिकित्सकों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) कमलेश कुमार ने बताया कि मृतक छात्र की पहचान अंशु ठाकुर (20) के रूप में हुई है। घायल छात्र पृथ्वीराज चौहान को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने अंशु को मृत घोषित कर दिया। घायल छात्र पृथ्वीराज ने बताया कि वे होली मिलन कार्यक्रम में भाग लेने के बाद कॉलेज परिसर से बाहर आ रहे थे, तभी कॉलेज गेट के पास ओवरब्रिज की ओर से आए हमलावर ने उन पर गोली चला दी। पुलिस के मुताबिक, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर हमलावर की पहचान कॉलेज के ही एक अन्य छात्र धीरज ठाकुर के रूप में की गई है।

बताया जा रहा है कि मृतक और आरोपी के बीच पुरानी रंजिश थी। घायल छात्र ने आरोप लगाया कि धीरज जूनियर छात्रों की रैगिंग करता था और इस मुद्दे पर अंशु ने उसका विरोध किया था, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन कर व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

मथुरा पुलिस ने जब्त की साढ़े तीन करोड़ की संपत्ति

मथुरा, एजेंसी। प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत गोवर्धन थाना पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपये मूल्य की अवैध संपत्ति कुर्क की। थाना गोवर्धन क्षेत्र के जुल्हेंदी गांव में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने चार आरोपियों रमाकांत दीक्षित, रामवीर दीक्षित, देवेंद्र दीक्षित और कमल द्वारा आपराधिक गतिविधियों से अर्जित चल-अचल संपत्ति को जब्त किया। मामले की जांच उपरांत मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह (जिलाधिकारी, मथुरा) ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्की के आदेश जारी किए।

महिलाओं को प्रशिक्षण देकर लघु उद्योगों को दें बढ़ावा

राज्यपाल ने इंडिया इंटरनेशनल एग्रो ट्रेड फेयर में किसानों को किया सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ग्रामीण महिलाएं उद्यमिता एवं स्वयं सहायता समूह कृषि विकास की महत्वपूर्ण धुरी बनते जा रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत कृषि बजट, उर्वरक सब्सिडी, कृषि अनुसंधान जैसे प्रावधान कृषि को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं। एग्रोटेक प्रदेश की कृषि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में पुल का कार्य करेगा।

राज्यपाल शनिवार को गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल एग्रो ट्रेड फेयर-ग्लोबल एग्रोटेक-2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि कृषि के नवयुग की प्रस्तावना है। इण्डियन चैम्बर ऑफ फूड एण्ड एग्रीकल्चर के साथ ही राज्य सरकार एवं सभी सहयोगी संस्थानों की इस दूरदर्शी पहल के लिए बहुत साधुवाद है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए किसान को सम्मानित करतीं राज्यपाल। अमृत विचार

उन्होंने कहा कि एग्रोटेक तकनीक एवं परंपरा, अनुसंधान एवं अनुभव तथा नीति एवं प्रकृति के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। बीज से बाजार तक और किसान से उपभोक्ता तक कृषि को समग्र मूल्य श्रृंखला के रूप में देखने का यह एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को भी सम्मानित किया।

14 वर्ष की आयु की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी टीकाकरण की राष्ट्रीय पहल का शुभारंभ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजस्थान के अजमेर से किया गया है। उसका प्रसारण कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने देखा।

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
16.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.37
सूर्यास्त 06.12

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 07:09 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 1 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 96, पृष्ठ 16+4 ■ मूल्य 6 रुपये

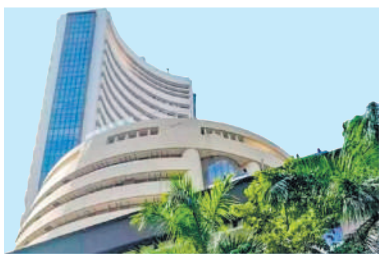
एनटीपीसी पर लगाया 10.86 लाख रुपये का जुर्माना - 14

डीमैट अकाउंट खोलना क्यों जरूरी, किन बातों का रखें ध्यान - 14

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन बोले- भारत के विकास में स्नातकों की भूमिका अहम - 15

जो जीतेगा, खेलेगा सेमीफाइनल वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का मुकाबला आज - 16

पश्चिम एशिया तनाव से एयर ट्रैफिक ठप, उड़ानें निलंबित, यूरोप-अमेरिका का सफर हुआ मुश्किल

एयर इंडिया ने रविवार के लिए यूरोप, अमेरिका और कनाडा की 28 प्रमुख उड़ानों को किया रद्द

नई दिल्ली/दुबई, एजेंसियां

पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच छिड़े भीषण सैन्य संघर्ष ने वैश्विक विमानन क्षेत्र को गहरे संकट में डाल दिया है। सुरक्षा जोखिमों और कई देशों के हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण भारतीय विमानन कंपनियों ने अपनी सेवाओं में आपातकालीन बदलाव किए हैं। एयर इंडिया ने रविवार, 1 मार्च 2026 को यूरोप, अमेरिका और कनाडा के लिए निर्धारित अपनी 28 प्रमुख उड़ानों को रद्द करने का बड़ा फैसला लिया है।

ईरानी हवाई क्षेत्र से एयर इंडिया का यू-टर्न : शनिवार को दिल्ली से तेल अवीव (इजराइल) के लिए रवाना हुई एयर इंडिया की फ्लाइट AI 139 को ईरानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से ठीक पहले सुरक्षा कारणों से बीच रास्ते से ही वापस दिल्ली बुला लिया गया। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में लगातार बदलती स्थिति और यात्रियों व चालक दल की सुरक्षा के मद्देनजर उस क्षेत्र की सभी उड़ानें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई हैं।

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टर्मिनल के बाहर इंतजार कर रहे यात्री। ● एजेंसी

दुबई एयरपोर्ट पर फंसीं पीवी सिंधू ऑल इंग्लैंड ओपन पर संशय

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू शनिवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गईं। सिंधू अगले मंगलवार से शुरू होने वाले प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए लंदन जा रही थीं, लेकिन मध्य पूर्व में अचानक बढ़े सैन्य तनाव के कारण उड़ान संचालन पूरी तरह निलंबित कर दिया गया।

सोशल मीडिया पर साझा किया वीडियो

सिंधू ने इंस्टाग्राम पर दुबई हवाई अड्डे का एक वीडियो साझा किया, जिसमें भारी भीड़ और अफरा-तफरी का माहौल दिख रहा है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, ₹अगली सूचना तक सभी उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। सिंधू के साथ उनके कोच और सहयोगी स्टाफ भी मौजूद हैं।

डीजीसीए का अलर्ट और यात्रियों को सलाह

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सभी भारतीय ऑपरेटरों को 'हाई अलर्ट' पर रहने और केवल सुरक्षित कॉरिडोर का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। विमानन कंपनियां प्रभावित यात्रियों को पूर्ण रिफंड या बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के री-शेड्यूलिंग का विकल्प दे रही हैं। यात्रियों को सलाह दी है कि वे एयरपोर्ट निकलने से पहले आधिकारिक फ्लाइट स्टेटस पोर्टल पर अपडेट जरूर चेक कर लें।

रविवार को रद्द रहने वाली प्रमुख उड़ानें

- **लंदन :** दिल्ली-मुंबई से हीथ्रो और अमृतसर से गैटविक सेवाएं। ● **अमेरिका/कनाडा :** न्यूयॉर्क, नेवार्क, शिकागो और टोरंटो के लिए दिल्ली व मुंबई से चलने वाली उड़ानें।
- **यूरोप :** दिल्ली और मुंबई से फ्रैंकफर्ट तथा दिल्ली से पेरिस की सेवाएं।

(इन शहरों से भारत आने वाली वापसी की उड़ानें भी रद्द रहेंगी।)

इंडिगो की उड़ानें थमीं, वैकल्पिक मार्गों की चुनौती : देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने भी पश्चिम एशिया के तनावग्रस्त क्षेत्रों की अपनी सभी उड़ानें रोक दी हैं। ईरान, इराक और इजरायल के हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण खाड़ी देशों और यूरोप जाने वाली उड़ानों को अब लंबे वैकल्पिक रास्तों से भेजा जा रहा है। इस मार्ग परिवर्तन की वजह से उड़ान का समय 2 से 4 घंटे तक बढ़ गया है, जिससे परिचालन लागत में भी भारी वृद्धि हुई है।

6 देशों में भारतीयों को सावधान रहने की सलाह, निकासी शुरू

नई दिल्ली, अमृत विचार ब्यूरो/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल के बीच छिड़े भीषण सैन्य संघर्ष ने लाखों भारतीयों की सुरक्षा पर संकट खड़ा कर दिया है। भारत सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ईरान, इजराइल, जॉर्डन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और फलस्तीन में रह रहे अपने नागरिकों के लिए अत्यधिक सावधानी बरतने की एडवाइजरी जारी की है।

ईरान और इजराइल में कड़ी सतर्कता के निर्देश : तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक आवाजाही से बचें और 'जहाँ तक संभव हो, घरों के अंदर ही रहें'। दूतावास ने स्पष्ट किया है कि नागरिक स्थानीय खबरों पर पैनी नजर रखें और दूतावास के अगले निर्देशों का इंतजार करें। वहीं, इजराइल में मौजूद भारतीयों को भी हर समय सतर्क रहने और तुरंत भारतीय दूतावास के पोर्टल पर पंजीकरण कराने की सलाह दी गई है।

निकासी अभियान : जॉर्डन और मिस्र बनेंगे रेस्क्यू रूट : युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए भारत सरकार ने बड़े स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। ईरान में फंसे नागरिकों को जॉर्डन और मिस्र के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा है। इजरायल में भी हवाई क्षेत्र बंद होने की स्थिति में सड़क मार्ग और वैकल्पिक बंदरगाहों के जरिए भारतीयों की निकासी की योजना बनाई गई है।

भारतीय नौसेना हाई अलर्ट पर : सूत्रों के अनुसार, भारत सरकार ने अरब सागर और ओमान की खाड़ी में तैनात अपने युद्धपोतों को 'हाई अलर्ट' पर रखा है। यदि हवाई मार्ग पूरी तरह बंद होते हैं, तो जलमार्ग के जरिए भारतीयों को निकालने के लिए नौसेना का उपयोग किया जा सकता है।

महायुद्ध का अलर्ट

- ईरान-इजराइल में फंसे भारतीयों को जॉर्डन-मिरुके रास्ते निकालने की तैयारी, दूतावास ने कहा- 'घरों के अंदर रहें'

कहां कितने भारतीय

देश	भारतीय नागरिकों की अनुमानित संख्या
संयुक्त अरब अमीरात (UAE)	36 लाख से 40 लाख
कतर	8.35 लाख
इजराइल	26,000 से 41,000
जॉर्डन	16,500 से 21,000
ईरान	4,000 से 10,000
फलस्तीन	20 से 30

हिब्रू विश्वविद्यालय बंद

इजरायल के प्रसिद्ध यरूशलम हिब्रू विश्वविद्यालय ने बिगड़ते हालात के मद्देनजर एक सप्ताह के लिए सभी शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को रद्द कर दिया है। विश्वविद्यालय में लगभग 170-180 भारतीय छात्र हैं, जिनमें से अधिकांश शोधकर्ता (Researchers) हैं। इन छात्रों की सुरक्षा को लेकर दूतावास सीधे संपर्क में है और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट होने के निर्देश दिए गए हैं।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, फागुन का सम्मोहन रंग-गंध का पर्व होली व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

मार्च- मई के बीच रह सकता लू का कहर

नई दिल्ली। इस साल मार्च से मई महीने के बीच देश के अधिकांश हिस्सों में लू से प्रभावित दिनों की संख्या सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। इन क्षेत्रों में पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दक्षिणी और पूर्वी महाराष्ट्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तरी कर्नाटक और उत्तरी तमिलनाडु के कुछ हिस्से शामिल हैं। आईएमडी के अनुसार मार्च-अप्रैल-मई के दौरान सामान्य से अधिक दिनों तक लू के प्रकोप की आशंका आवश्यक सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा कर सकती है।

होली पर 1.86 करोड़ उज्ज्वला परिवारों को मिला तोहफा

- लोकभवन में सिलिंडर रीफिल को 1,500 करोड़ की धनराशि की गई वितरित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : होली से पहले प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी राहत दी है। शनिवार को लोकभवन में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी के रूप में उन्होंने 1500 करोड़ रुपये जारी किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 10 लाभार्थी महिलाओं को प्रतीकात्मक चेक भी सौंपे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उक्त क्रम में ही होली और दीपावली पर पात्र परिवारों को एक-एक मुफ्त सिलेंडर रिफिल की सुविधा दी जा रही है। योगी ने बताया कि उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश के 1.86 करोड़ लाभार्थियों को प्रत्येक रिफिल पर 335 रुपये की सब्सिडी उनके खाते में भेजी जाती है।

300 रुपये में मिलने लगा एचपीवी वैक्सीन : स्वास्थ्य क्षेत्र में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किए जाने का भी उल्लेख किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस वैक्सीन की कीमत पहले लगभग 2100 रुपये थी, उसे कम करते हुए 300 रुपये तक लाया गया है। इसे निःशुल्क करने की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने यह भी बताया कि महिलाओं को मजबूत आर्थिक आधार देने को 'लखपति दीदी' और शी-मार्ट (सेल्फ हेल्प आंत्रोप्रेन्योर मार्ट) जैसी पहल को आगे बढ़ाया जा रहा है। महिला उद्यमी समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है।

कैंटोनमेंट अस्पतालों में भी आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज

लखनऊ। जल्द ही आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को प्रदेश के सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में भी इलाज की सुविधा उपलब्ध होगी। वर्तमान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रयागराज कैंटोनमेंट अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारकों का नि:शुल्क इलाज दिया जा रहा है। अब शेष 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों से स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज) एमओयू साइन करेगी। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने शनिवार को बताया कि जनवरी 2026 से प्रयागराज में कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, मेडिकल एवं सर्जिकल ऑन्कोलॉजी सहित गंभीर बीमारियों का इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। मरीजों को मुफ्त ओपीडी अप्वाइंटमेंट, जांच और गंभीर रोगियों के लिए नि:शुल्क पिक एंड ड्रॉप सुविधा भी दी जा रही है। एमओयू के बाद लखनऊ, कानपुर, मेरठ, बरेली, वाराणसी, अयोध्या, शाहजहांपुर, मथुरा, आगरा, फतेहपुर, झांसी और बबीना के कैंटोनमेंट अस्पतालों में भी आयुष्मान कार्ड धारकों का उपचार सुनिश्चित होगा।

आंध्रः पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट 21 की मौत

- काकीनाडा में दर्दनाक हादसा; 8 घायल, मलबे में तब्दील हुई यूनिट

वेटलापलेम (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में शनिवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में भीषण विस्फोट होने से कम से कम 21 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना में आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राज्य के मंत्री कंडुला दुर्गेश ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद इस त्रासदी की पुष्टि की। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विस्फोट के समय इकाई के भीतर लगभग 30 लोग मौजूद थे। मंत्री ने कहा, "अभी तक 21 शव बरामद किए जा चुके हैं। आठ घायलों का इलाज चल रहा है। यह राज्य के इतिहास के सबसे बड़े और भीषण विस्फोटों में से एक है।

धमाके से दहला इलाका : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि पूरी निर्माण इकाई मलबे के ढेर में तब्दील हो गई और इसकी गूँज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई। आसपास के घरों की खिड़कियों के कांच भी टूट गए।

कांग्रेस अब मुस्लिम लीग-माओवादी गठबंधन, देश को कर रही बदनाम: मोदी

- कहा - यह पार्टी अब भारतीयता से दूर होकर पूरी तरह विभाजनकारी विचारधारा के प्रभाव में आ चुकी है

जयपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान कांग्रेस की युवा शाखा के कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन को लेकर शनिवार को विपक्षी दल पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस अब 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' (आईएनसी) नहीं रही बल्कि एमएमसी यानी मुस्लिम लीग-माओवादी कांग्रेस बन गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दुनिया भर के मेहमानों के सामने देश को बदनाम करने की कोशिश की है। राजस्थान में अजमेर के कायड़ विश्राम स्थल पर एक जनसभा में मोदी ने कहा कि मुस्लिम लीग भारत से नफरत करती थी, इसलिए उसने देश को बांट दिया और आज कांग्रेस भी वही कर रही है।

मोदी ने कहा कि इतिहास गवाह है कि मुस्लिम लीग भारत से नफरत करती थी और इसलिए मुस्लिम लीग ने देश को बांट दिया और आज कांग्रेस भी वही कर रही है। उन्होंने कहा कि माओवादी भी भारत की समृद्धि, हमारे संविधान और हमारे सफल लोकतंत्र से नफरत करते हैं। ये घात लगाकर हमला करते हैं। कांग्रेस भी घात लगाकर देश को बदनाम करने के लिए कहीं भी घुस जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के ऐसे कुकर्मों को देश कभी माफ नहीं करेगा।" मोदी ने कहा कि देश को बदनाम करना, देश की सेनाओं को कमजोर करना... ये कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। उन्होंने कहा, "यही कांग्रेस है जिसने हमारी सेना के जवानों को हथियारों व वर्दी तक के लिए तरसा के रखा था। मोदी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती साख का हवाला देते हुए कहा कि आज जब पूरी दुनिया भारत की डिजिटल क्रांति और आर्थिक प्रगति की प्रशंसा करती है, तो हर हिंदुस्तानी गर्व महसूस करता है। लेकिन कांग्रेस को यह गौरव बर्दाश्त नहीं होता। वह वैश्विक मंचों पर जाकर देश की छवि खराब करने और भारत को नीचा दिखाने की कोशिश करती है।

अजमेर में 14 वर्षीय लड़कियों के लिए राष्ट्रव्यापी ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान के शुभारंभ के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण की शुरुआत

जयपुर। प्रधानमंत्री मोदी ने 'सर्वाइकल कैंसर' के विरुद्ध राष्ट्रीय 'ह्यूमन पैपिलोमावायरस' (एचपीवी) टीकाकरण अभियान की शुरुआत राजस्थान के अजमेर से की। उन्होंने इस अभियान को देश की नारीशक्ति को सशक्त करने की दिशा में अहम कदम करार दिया। नौ से 14 वर्ष की पांच बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाए जाने के बाद मोदी ने उनसे संवाद भी किया।

15 हजार करोड़ की जीएसटी चोरी का आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बलदेव उर्फ बल्ली

- फर्जीवाड़ा कर 3500 फर्म का रजिस्ट्रेशन कराया, सरकार को लगाई चपत

अमृत विचार: करोड़ों रुपये के जीएसटी चोरी के आरोपी बलदेव उर्फ बल्ली को एसटीएफ ने हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उस पर 50 हजार का इनाम था।

आरोपी को नोएडा के सेक्टर-20 थाने में दाखिल किया गया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने फर्जी पैन व दस्तावेजों के आधार पर 3500 फर्म का रजिस्ट्रेशन कराया था। करीब 15 हजार करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी कर सरकार को आर्थिक चपत लगाई। आरोपी के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। एसटीएफ एएसपी राज कुमार मिश्रा व डिप्टी एसपी नोवेंदु कुमार की टीम ने हरियाणा के हिसार स्थित डोगरान मोहल्ले में शुक्रवार को छापेमारी कर आरोपी बलदेव उर्फ बल्ली को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने वर्ष 2012 में पंजाब यूनिवर्सिटी से एमबीए किया था। पहले उसने हिसार में मेडिकल स्टोर खोला, लेकिन लाभ न होने पर उसे बंद कर दिया। वर्ष 2014 से वह पुरानी गाड़ियों की खरीद-फरोख्त का काम करने लगा। इसी दौरान उसकी पहचान दिल्ली निवासी अर्चित गोयल से हुई थी।

कोर्ट में पेशी के बाद बलदेव को भेजा जेल

एसटीएफ के मुताबिक एक मामले में एक पत्रकार के पैन कार्ड पर फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी किए जाने की शिकायत पर नोएडा के सेक्टर-20 थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। जिसमें गिरोह के कई सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार किया गया। गिरोह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी की गई है। पुलिस ने बलदेव उर्फ बल्ली को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

भविष्य की पटरी

नीले धुएं से आजादी, अब पानी छोड़ते हुए दौड़ेगी 'देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन'

हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल सफल, जल्द मिलेगा ग्रीन सिग्नल

- भारत बना दुनिया का पांचवां ऐसा देश जिसके पास है अपनी क्लीन-फ्यूल रेल तकनीक

नई दिल्ली/जींद, अमृत विचार

भारतीय रेलवे ने आज विज्ञान के एक सुंदर सपने को हकीकत की पटरी पर उतार दिया। हरियाणा के जींद स्टेशन पर जब देश की पहली 'हाइड्रोजन ट्रेन' ने अपनी पहली सीटी बजाई, तो वह केवल एक सफर की शुरुआत नहीं थी, बल्कि डीजल के धुएं से पर्यावरण को मिलने वाली मुक्ति का ऐलान भी था।

यह ट्रेन दुनिया की सबसे उन्नत हरित तकनीकों में से एक, 'हाइड्रोजन फ्यूल सेल' से लैस है। ट्रायल के बाद रेल मंत्रालय ने कहा कि आज का दिन भारतीय इंजीनियरिंग के लिए गर्व का क्षण है। हम न केवल तकनीक को अपना रहे हैं, बल्कि नेट ज़ीरो' कार्बन उत्सर्जन की वैश्विक लड़ाई का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

सस्ते सफर का वादा

तकनीक हाई-टेक है, लेकिन आम आदमी की जेब का ख्याल रखा गया है। जींद-सोनीपत रूट पर किराया 5 रुपये से 25 रुपये के बीच रखने का प्रस्ताव है, जो इसे बस और ऑटो से भी सस्ता बनाता है।

कैसे काम करती है यह 'जादुई' ट्रेन?

- **ईंधन :** ट्रेन की छत पर लगे विशेष टैंकों में कंप्रेस्ड हाइड्रोजन गैस भरी जाती है।
- **प्रक्रिया :** फ्यूल सेल के अंदर हाइड्रोजन और हवा की ऑक्सीजन के बीच रासायनिक अभिक्रिया होती है।
- **आउटपुट :** इस प्रक्रिया से बिजली पैदा होती है जो बैटरी को चार्ज करती है और पहियों को घुमाती है।
- **वेस्ट :** वेस्ट के नाम पर सिर्फ पानी की बूंदें टपकती हैं।

डीजल की गड़गड़ाहट नहीं, मेट्रो जैसा सुकून

इस ट्रेन की सबसे चौंकाने वाली बात इसकी शांति है। न तो इंजन का शोर है और न ही डीजल जलने की गंध। बिजली पैदा करने के लिए जब हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का मिलन होता है, तो बाय-प्रोडक्ट के रूप में केवल शुद्ध पानी (HO) और भाप निकलती है। आज के ट्रायल के दौरान ट्रेन की छतों से धुआं नहीं, बल्कि सफेद भाप के बादल निकलते देखे गए, जो भविष्य की 'क्लीन ग्रीन रेलवे' की तस्वीर पेश कर रहे थे।

क्यों है यह खास?

यह ट्रेन एक बार टैंक भरने पर 140 किमी/घंटा की रफ्तार से लगभग 1000 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकती है। इसे चलाने का खर्च डीजल के मुकाबले भले ही अभी अधिक हो, लेकिन पर्यावरण को होने वाले फायदे अनमोल हैं।

ट्रायल के बाद ग्लोबल क्लब में भारत की एंट्री

अब तक केवल जर्मनी, चीन, स्वीडन और जापान के पास ही यह तकनीक व्यावसायिक स्तर पर थी। भारत इस 'एलीट क्लब' में शामिल होने वाला पांचवां देश बन गया है। जींद में विशेष रूप से स्थापित 'हाइड्रोजन फिलिंग स्टेशन' अब देश के अन्य हिस्सों के लिए एक मॉडल के रूप में काम करेगा।

न्यूज ब्रीफ

हादसे में टूटे पैर को काटा, 15 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज कराई

आंवला, अमृत विचार : तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से घायल युवक का पैर काटना पड़ा है। मामले की रिपोर्ट 15 दिन बाद दर्ज कराई गई है। ग्राम खनगांव श्याम निवासी सचिन सिंह की 13 फरवरी बाइक से आंवला आते समय बरेली निवासी गुरजीत यादव की बाइक से टक्कर हो गई थी। हादसे में सचिन घायल हो गये। परिजन उन्हें सीएचसी ले गए। हालत गंभीर होने पर उन्हें बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार उनके पैर में फ्रैक्चर है। जिसे काट कर अलग किया गया हैं। पैर कटने के कारण इतने दिन टक्कर मारने वाले से संपर्क नहीं किया गया। अब 15 दिन बाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किसानों ने सीखे उत्तम खेती के गुर

भोजीपुरा, अमृत विचार : राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत कृषि प्रसार केन्द्र बिलवा में चल रहे किसान मेले का शनिवार को समापन कर दिया गया। किसानों ने कृषि ज्ञान केन्द्र आईवीआरआई से आए वैज्ञानिकों से उत्तम खेती के संबंध तौर तरीके सीखे। कृषि प्रसार एवं प्रर्दशन केंद्र बिलवा पर किसानों को उन्नत खेती करने के लिए वैज्ञानिकों ने तौर तरीके बताए।

प्रधानों के कार्य की सराहना की

बहेड़ी, अमृत विचार : ब्लॉक संसाधन केंद्र बहेड़ी पर ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ बीजेपी के नगर अध्यक्ष राहुल गुप्ता ने किया उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग में ग्राम प्रधानों के ज़रिए कराए जा रहे विद्यालय कायाकल्प कार्यक्रम के अन्तर्गत 19 पैरामीटर को पूर्ण कराने में दिये जा रहे सहयोग की सराहना की। एआरपी मिथुन राय, एवं राजेश कुमारी यादव ने योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में शिक्षक संघ के अध्यक्ष केदार सिंह विवेक त्रिवेदी, हरीश कुमार, अफजाल अहमद, भारत वीर, प्रेम शंकर, मनोज कुमार प्रिया विष्ट, रूचि तिवारी कांति देवी आदि रहे।

शेरगढ़ में बच्चों में दिखा होली का उत्साह। • अमृत विचार

भदपुरा में बच्चों ने शिक्षकों संग खेली होली। • अमृत विचार

सरस्वती शिशु मंदिर भोजीपुरा में शिक्षक और छात्राओं ने होली खेली। • अमृत विचार

स्कूलों में होली की मची धूम, बच्चों ने लगाया एक-दूसरे को रंग

विद्यालयों में अवकाश से पहले बच्चों ने मचाया धमाल, स्कूलों में दोपहर तक हुई पढ़ाई फिर परिसर में खूब उड़ाया गुलाल, शिक्षकों ने भी बधाई दी

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : होली पर्व की छुट्टी से पहले स्कूलों में उत्साह और उमंग का माहौल नजर आया। बच्चों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर खुशियां बांटीं और प्रेम व सौहार्द का संदेश दिया। परिसर में हंसी-ठिठोली के बीच शिक्षकों की देखरेख में सुरक्षित और प्राकृतिक रंगों से त्योहार मनाया गया।

फतेहगंज पूर्वी, शनिवार से विद्यालय में होली का अवकाश घोषित कर दिया गया। दोपहर बाद से विद्यालयों में स्कूली बच्चों एवं अध्यापकों ने कार्यक्रम प्रस्तुत कर जमकर होली खेली। बच्चों ने जहां एक दूसरे को रंग लगाया वहीं अध्यापकों ने बच्चों को होली के बारे में विस्तार से बताया। कामरान खान, सुनील शुक्ला, राहुल सिंह, शिवम अग्रवाल, क्षितिज चौहान, भूप सिंह, अरुण तोमर, मनोज मिश्रा, कन्यावती, आदि अध्यापकों ने विद्यालयों में पहुंचकर अध्यापकों एवं बच्चों को गुझियां खिलाईं।

भुता में परिषदीय व निजी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने अध्यापकों के साथ रंग खेल कर होली महोत्सव बड़ी ही धूमधाम व हर्ष उल्लास के साथ बनाया। सिमरा बहोर नगला की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका सरिता गंगवार ने बच्चों को भक्त प्रहलाद व होलिका मईया की कथा सुना कर।

भदपुरा, शनिवार को रामा विद्या मंदिर, सरस्वती विद्या मंदिर, नकटी नारायण पुर प्राथमिक विद्यालय बहीर जागीर, सिठौरा, भदपुरा और डडिया सफदर अली स्कूल में होली का आयोजन किया गया। छात्रों ने शिक्षकों के साथ मिलकर इस पर्व का भरपूर आनंद लिया। बच्चों ने होली से चार दिन पूर्व ही जमकर गुलाल उड़ाकर अपने दोस्तों को रंगों से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर मुनेंद्र पाल, दिनेश पांडेय, मुनेंद्र कश्यप, अरविंद कुमार और ब्रज किशोर आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

शेरगढ़ : क्षेत्र के प्राथमिक उच्च प्राथमिक माध्यमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में बच्चों ने एक दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। कस्बे के युवा मंडल विद्यालय, कन्हैयालाल बाल निकेतन सरस्वती शिशु मंदिर, प्राथमिक विद्यालय ब्योंधा बैरमनगर, नगरिया कलां, नगरिया सोबरनी, समेत क्षेत्र के स्कूलों में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर डा. कल्याण राय श्रीवास्तव, लईक अहमद, रामासरे शुक्ला, शिव ओम सिंह, पिंकी कुमारी, सौरभ गंगवार, शिखा गंगवार, अलका गंगवार, सोनी देवल, मोनिका देवल,, विमल सक्सेना आदि ने बच्चों को होली की शुभकामनाएं दीं।

भोजीपुरा : सरस्वती शिशु मंदिर में छात्र-छात्राओं ने जमकर होली खेली। अपने सहपाठियों को जमकर गुलाल लगाया। इससे पूर्व प्रधानाचार्य लाल बहादुर गंगवार ने होली मनाने की परंपरा पर भक्त प्रहलाद की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि सनातन धर्म के प्रत्येक पर्व में एकता व भाईचारा व सौहार्द का संदेश दिया जाता है। होली के पर्व में भी यही संदेश दिया है इसके साथ ही कक्षा 8 के विद्यार्थियों का विदाई समारोह हुआ। कार्यक्रम में सुरेश चंद्र आर्य, सोमपाल गंगवार, दीपक सक्सेना, अनीता, कीर्ति, रामवीर, हरीश, करन सिंह, जेबालाल आदि अध्यापक अध्यापिकाएं उपस्थित थीं।

बहेड़ी में बच्चों ने अपने-अपने स्कूलों में खूब रंग खेला। शिक्षकों ने भी बच्चों को गुलाल लगाया।

दिव्य कृपाल स्कूल में शिक्षकों और बच्चों ने एक-दूसरे को लगाया गुलाल

मीरगंज, अमृत विचार : दिव्य कृपाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आज शनिवार को होली का कार्यक्रम मनाया गया। प्रधानाचार्य रमेश चंद्र गंगवार ने हिरण कश्यप, होलिका व भक्त प्रहलाद की कहानी सुनाई। भैया बहनों ने तिलक कर एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी और आपस में होली खेले। संत मंगलपुरी इंटर कॉलेज में टीचर्स एवं बच्चों एवं टीचर्स ने एक दूसरे को रंग लगाया। फिर बच्चों ने टीचर्स के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। कॉलेज के उप प्रबंधक बाबा अरविंद गिरी, प्रधानाचार्य सोनू गुप्ता, उप प्रधानाचार्य सुभाष गंगवार, ललित सक्सेना, अम्बा प्रसाद, सुनील सिंह, वीर सिंह आदि उपस्थित रहें।

देवरनियां कंपोजिट विद्यालय में रंगों संग झूमे छात्र

देवरनियां, अमृत विचार : कम्पोजिट विद्यालय अभयपुर में शनिवार को होली का त्योहार हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं ने प्रधानाध्यापक और शिक्षकों के साथ होली मनाई और एक दूसरे को गुलाल लगाया। इस दौरान विनोद कुमार वर्मा, पूनम बाला, सौरभ गंगवार, निशु, शिखा, अयोध्या प्रसाद, आयुषी राज भारती समेत अन्य लोग मौजूद रहे

स्कूलों में छात्र-छात्राओं ने उड़ाया गुलाल

क्योलड़िया, अमृत विचार : होली से पूर्व आज स्कूलों में स्कूली छात्र–छात्राओं ने जमकर गुलाल उड़ाया। शिक्षकों ने छात्र–छात्राओं से गुलाल से होली खेलने की अपील की एवं केमिकल वाले रंगों से बचने की सलाह दी। इसके बाद छात्र छात्राओं ने जमकर होली खेली और अपने गुरुजनों के रंग लगाकर उनसे आशीर्वाद लिया। स्कूलों में छात्र–छात्राओं ने खूब गुलाल उड़ाया। इस दौरान मुकेश कुमार, महेश कुमार, तिलक राम, सत्यभामा कुमारी, रजनी, प्रवेश कुमारी, मो फुरकान समेत सभी छात्र–छात्राएं मौजूद रहे

अटाकायस्थान कंपोजिट विद्यालय में बच्चों ने उत्साह से एक दूसरे को रंग लगाया।

वकीलों ने खेली होली, चला रंग -उड़ा गुलाल

बहेड़ी। अमृत विचार : रंग–गुलाल, हंसी–मजाक और फुल मस्ती। वकीलों के होली मिलन कार्यक्रम में शनिवार को यह सब कुछ था। आपस में सौहार्द और मेल–मोहब्बत से भरे इस रंगारंग प्रोग्राम में सिविल जज (जूनियर डिवीज़न) अरुण कुमार पाण्डेय बतौर मुख्य अतिथि शामिल रहे। वकीलों ने उनका रंग–गुलाल से स्वागत किया। इस मौके पर बहेड़ी बार के अध्यक्ष रामेन्द्र सिंह राठी, महासचिव दीप चंद्र पाण्डेय, कोषाध्यक्ष रविंदर सिंह व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह ने सभी अधिवक्ताओं का स्वागत किया, और सभी ने रंग लगाकर एक दूसरे का स्वागत किया।

कोचिंग जा रही छात्रा पर पलटी पिकअप, मौत

मानपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम लालूनगला में शनिवार की सुबह घर से साइकिल द्वारा कोचिंग जा रही छात्रा पर पीछे से तेज गति से आ रहा पिकअप अनियंत्रित होकर छात्रा के ऊपर पलट गया। छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम लालू नगला निवासी मुस्कान (16) घर से साइकिल द्वारा कोचिंग पढ़ने के लिए ग्राम बंजरिया स्थित एक स्कूल जा रही थी। रास्ते में पीछे से तेज गति से आ रहा पिकअप अनियंत्रित होकर छात्रा के ऊपर पलट गया जिससे छात्रा की मौके पर ही मृत्यु हो गई। छात्रा के पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। मृतक छात्रा के परिवार में अब एक बड़ा भाई व मां हैं जिनका रो रो कर बुरा हाल है। हादसे के बाद चालक पिकअप छोड़कर फरार हो गया। ग्रामीणों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी।

आरोप: यूपी बड़ौदा बैंक में 1 लाख की ठगी

मऊचन्दपुर, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के ग्राम किटोना निवासी अमर सिंह ने बताया कि उन्होंने छह वर्ष पहले आंवला स्थित बड़ौदा यूपी बैंक शाखा से केसीसी लोन लिया था। वे समय पर ऋण अदा नहीं कर पाए, किसान के अनुसार 21 फरवरी को दो व्यक्ति घर पहुंचे और खुद को बैंककर्मी बताया कहा कि यदि वे एक लाख रुपये जमा कर दें तो उनका केसीसी खाता बंद हो जाएगा। अमर सिंह ने ब्याज पर एक लाख रुपये लेकर पासबुक के साथ रुपये दोनों को दे दिए।

जब वे 26 फरवरी बैंक मैनेजर से मिले। मैनेजर ने बताया कि उनके खाते में कोई रकम जमा नहीं हुई और न ही खाता बंद हुआ है। पैसे वापस मांगने पर आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। बैंक कर्मचारियों से पूछताछ में पता चला कि दोनों आरोपी दलाली का काम करते हैं। पीड़ित ने एसडीएम से कार्रवाई की मांग की है। एसडीएम विदुषी सिंह ने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

एसएसपी ने लाल फाटक चौकी का किया उद्घाटन

संवाददाता, कैंट

अमृत विचार : एसएसपी अनुराग आर्य ने थाना कैंट क्षेत्र में नवनिर्मित लालफाटक पुलिस चौकी का शनिवार को फीता काटकर तथा नारियल फोड़ कर शिलान्यास किया। इंस्पेंक्टर कैंट राजेश कुमार ने उन्हें उप निरीक्षक कार्यालय, विश्रामगृह, बैरक, सीसीटी कक्ष तथा शौचालय आदि का निरीक्षण कराया।

इससे पहले सीओ सिटी प्रथम आशुतोष शिवम ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधित हवन पूजन संपन्न कराया। एसएसपी ने बताया, कि यह देहात तथा शहरी मिश्रित इलाका है। यह चौकी विशेष रूप से एक्सीडेंट बाहुल्य (दुर्घटना संभावित) क्षेत्र में जनता को त्वरित एवं प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित की गई है। पुलिस कर्मियों के लिए बेहतर सुविधाएं युक्त एवं स्थानीय निवासियों को निकटतम स्तर पर पुलिस सहायता उपलब्ध कराने की सुविधा के लिए स्थापित किया गया है।

एसएसपी ने कहा कि लालफाटक चौकी का उद्घाटन बरेली पुलिस की जन-केंद्रित सोच और सडक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह चौकी न केवल दुर्घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगी, बल्कि क्षेत्रवासियों में पुलिस के प्रति विश्वास को और मजबूत करेगी। यहां पुलिस चौकी स्थापित होने से अपराधों पर अंकुश लगेगा। इस दौरान एसपी सिटी मानुष पारीक, सोनाली मिश्रा सीओ लाइन, एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान, एसपी उत्तरी मुकेश मिश्रा, सीओ फरीदपुर संदीप कुमार, अग्निशमन अधिकारी मनु शर्मा, डॉ वैभव जायसवाल, पूर्व विधायक राजेश कुमार मिश्रा, ठाकुर कौशल सिंह, इमरान खान उर्फ काशिफ, डॉ विवेक कुमार, ठाकुर हरीश रावत, अजय पटेल, रितेश पटेल, मुरारी पटेल, ऋषि पाल पटेल, शोभित शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

लालफाटक चौकी का फीता काटकर उद्घाटन करते एसएसपी अनुराग आर्य।

- **चौकी न केवल दुर्घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगी**

शराब के साथ पकड़ा

भोजीपुरा, अमृत विचार : मुखबिर की सूचना पर पुलिस कंचनपुर गांव में शनिवार को अमित के घर छापा मारा और उसे शराब बनाते पकड़ा। मौके पर 10 लीटर कच्ची शराब व लहन मिला है।

न्यूज डायरी

अग्रवाल समाज की महिलाओं ने मनाई होली

फरीदपुर, अमृत विचार : नगर की अग्रवाल समाज की महिलाओं द्वारा नरियावल स्थित एक रिजॉर्ट में होली के त्यौहार को एक साथ मनाया। एक दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। इसका आयोजन अग्रवाल समाज की नेहा अग्रवाल जूही अग्रवाल एवं सौम्या अग्रवाल द्वारा सभी महिलाओं को एक साथ लेकर किया गया होली के गानों पर खूब नाचे एक दूसरे को रंग लगाया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज की तमाम महिलाएं मौजूद रही।

मॉडल पंचायत के लिए जीपीडीपी पर प्रशिक्षण संपन्न

आंवला, अमृत विचार : उपनिदेशक पंचायत महेंद्र सिंह के निर्देशन में विकासखंड सभागार रामनगर में ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) को लेकर प्लानिंग फैसिलिटेशन टीम का एक दिवसीय बैच प्रशिक्षण संपन्न हुआ। शुभारंभ एडीओ पंचायत विष्णु दत्त शर्मा ने किया। राज्य प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह तोमर एवं रीना सिंह ने फिल्म प्रदर्शन, समूह चर्चा व सहभागिता गतिविधियों के माध्यम से मॉडल पंचायत, सतत विकास लक्ष्य और जीपीडीपी के पांचों चरणों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण में ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य व सहायक भी रहे। एडीओ विष्णु दत्त शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

चीनी मिल में आईटीआई छात्रों ने किया भ्रमण

मीरगंज, अमृत विचार : शनिवार को धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स चीनी मिल में आईटीआई के छात्रों का एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण कराया गया।

भ्रमण के दौरान मिल के एचआर हेड अरविंद गंगवार ने छात्रों को गन्ने से चीनी उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया, आधुनिक मशीनरी के संचालन तथा गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्पादन प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक, ऑटोमेशन और पर्यावरण हितैषी उपायों का विशेष ध्यान रखा जाता है। ट्रस्टी जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह भ्रमण छात्रों के लिए सीखने और उद्योग से सीधे जुड़ने का सुनहरा अवसर है। प्रधानाचार्य शरद सक्सेना ने कहा कि इस विजिट से छात्रों की तकनीकी दक्षता, विश्लेषण क्षमता तथा समस्या–समाधान की समझ में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस अवसर पर संजय सिंह, सचिन कुमार, सुरेंद्र पाल ने भी छात्रों को उद्योग में उपयोग होने वाली नई तकनीकों, उत्पादन क्षमता बढ़ाने के उपायों और कार्य दक्षता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

होलिका दहन स्थल पर जलभराव चठिया फैजू में ग्रामीणों में आक्रोश

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार: चठिया फैजू गांव में गंदे पानी से हुए जलभराव की समस्या पर ध्यान नहीं देने का असर अब होली पर्व पर पड़ रहा है। गंदे पानी का यह जलभराव अब होलिका दहन स्थल तक पहुंच गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि नालियों का गंदा पानी सड़कों से लेकर घरों के आसपास तक भरा रहता है, जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि जल निकासी हुए नाला निर्माण को कुछ लोगों द्वारा उस बंद कर दिया गया है इससे जलनिकासी बाधित हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि होली पर्व पर लोग आखत (पूजन सामग्री) कैसे चढ़ाएंगे। गांव में होली पूजन पर भी ध्यान नहीं दिये जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने त्योहार मनाने के लिए अफसरों से तत्काल व्यवस्था कराने की मांग की है।

अमृत विचार
Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएफएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जाँच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो.9457833777

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

NOTICE
I Have disinherited my son Avneesh Kumar from all of my movable and immovable property due to his misconduct i will have no further involvement with him .He will be responsible for his own actions. **Kandhai lal s/o Chandan lal, Village padri kishanpur Banda. Disitic Shahjahanpur**

खोया पाया
सूचित हो कि, बहेड़ी उप निबंधक कार्यालय खास मे दिनांकित 23.01.2021 को शशि गुप्ता के नाम एक दानपत्र रजिस्टर्ड हुआ था, जिसकी वही संख्या 01, जिल्द संख्या 5758, पृष्ठ स.-85 से 118, क्रमांक संख्या 865/21, वर्ग मीटर 98.7454 के दानपत्र का पेज संख्या 115 की मूल प्रति वास्तव में कहीं खो गई है। **शशि गुप्ता पत्नी रमेश चंद्र गुप्ता निवासी मोहल्ला रामलीला तहसील बहेड़ी, बरेली**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1220750181 व इण्टरमीडिएट वर्ष 2024 अनुक्रमांक 2245655369 का प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। **आकांक्षा पुत्री श्री लीलाधर निवासी ग्राम चंदपुर चुवकिया तहसील बहेड़ी जिला बरेली।**

परिचय सम्मेलन
श्री अग्रवाल सभा कल्याण सोसायटी (रजि.) बरेली द्वारा आयोजित अग्रवाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन दिनांक 17-18 मार्च 2026 शीघ्र पंजीयन करायें। सम्पर्क :- 9897181723, 9412466473, 9927047430, 9412048528, 9927833351, 9927324855

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू कलह में युवक ने फांसी लगाकर जान दी

बहेड़ी,अमृत विचार : गांव बांकौली में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक घरेलू कलह के चलते डिप्रेशन में चल रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के मुताबिक गांव बांकौली के कल्लू राठौर का पुत्र राजकुमार(33) घरेलू कलह के चलते काफी दिन से परेशान था। शुक्रवार को वह कमरे में गया, लेकिन शनिवार की सुबह जब देर तक वह बाहर नहीं आया, तो घर वाले अंदर गए। अंदर का मंज़र देख सबकी चीख निकल गई। राजकुमार फंदे से लटका हुआ था। घर वालों ने उसे नीचे उतारा, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाला गिरफ्तार

बहेड़ी, अमृत विचार : शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गांव मिर्ज़ापुर रंजीत के युवक हाशिम पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाए जाने का आरोप लगाया था। युवती का आरोप था कि शादी को कहने पर युवक ने इंकार कर दिया, और जान से मारने की धमकी दी।पुलिस ने लोधीपुर चौराहा पर आरोपी हाशिम को गिरफ्तार कर लिया।

सात किलो अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

मीरगंज, अमृत विचार : एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स टीम ने शुक्रवार की रात एक सक्रिय तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 7 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की है। व्यक्ति ने अपना नाम देव सिंह निवासी ग्राम बड़ागांव, थाना सिरौली बताया। उसकी तलाशी लेने पर अफीम बरामद हुई। उसके पास से 7 किलोग्राम अफीम , 2,310 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

घर में घुसकर जेवर व नकदी चोरी, दो नामजद

आंवला, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला गंज कुरैशियान में घर में घुसकर जेवर और नकदी चोरी करने का मामला सामने आया है। पीड़िता रेखा देवी पत्नी नेत्र लाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 31 जनवरी 2026 की सुबह वह पड़ोस के मंदिर गई थीं। आरोप है कि इसी दौरान अंशु गुप्ता निवासी मौहल्ला पुरैना ढाल गंज कुरैशियान और वैभव निवासी मौहल्ला प्रगति नगर घर में घुस आए। दोनों सोने-चांदी के आभूषण और करीब 25 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। विरोध करने पर धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

पोषाहार की जानकारी के नाम पर ठगी, खाते से उड़ाए 5 हजार

हाफिजगंज, अमृत विचार : पोषाहार मिलने की जानकारी लेने के बहाने साइबर ठगों ने एक गर्भवती का मोबाइल हैक कर उसके खाते से पांच हजार रुपये निकाल लिए। पीड़िता के पति ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव भटपुरा जागीर निवासी वीरेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शनिवार सुबह उसकी पत्नी के मोबाइल पर कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को आंगनबाड़ी से जुड़ा बताते हुए पोषाहार मिलने की पुष्टि करने की बात कही इसके बाद वीरेश के मोबाइल नंबर पर एक लिंक भेजा गया। जैसे ही उसने लिंक पर क्लिक किया, मोबाइल हैक हो गया और कुछ ही देर में उसके बैंक खाते से पांच हजार रुपये निकल गए। रकम कटने का मैसेज आने पर उसे ठगी का पता चला।

छात्रों ने बनाए मॉडल, देखने वालों ने प्रतिभा को सराहा

स्कूल-कॉलेजों में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर छात्रों ने लगाई मॉडलों की प्रदर्शनी

बहेड़ी में कंपोजिट डिग्री कालेज में विज्ञान माडलों को देखते निदेशक । ● अमृत विचार

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : कम्पोजिट डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल के के तिवारी ने कहा कि छात्रों में क्षमताएं बेशुमार हैं। उन्हें अपने हुनर को पूरे मन और सकारात्मक सोच के साथ प्रदर्शित करना चाहिए।

वह सिंधौरा के मिशन ग्लोबल एकेडमी में आयोजित साइंस एग्जिबीशन में बोल रहे थे। उन्होंनेछात्रों के बनाए विज्ञान के मॉडलों की सराहना की। संरक्षक आर के सक्सेना ने कहा कि विज्ञान का इस्तेमाल करते वक्त हमें समाज और पर्यावरण का विशेष ध्यान रखना चाहिए।विज्ञान का इस्तेमाल मानव की भलाई में होना चाहिए।

विज्ञान दिवस के मौके पर आयोजित इस प्रदर्शनी में बच्चों ने चंद्रयान की लांचिंग और डिजास्टर मैनेजमेंट और स्मार्ट सिटी जैसे थीम पर मॉडल बनाए। छात्रा मीनाक्षी और अनुष्का ने विज्ञान प्रदर्शनी पर अपनी बात रखी, तो वहीं काव्या ने विज्ञान के महत्व पर अपनी रचना पेश की।

प्रबंधक जितेन सक्सेना ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ हरेंद्र पाल, डॉ. अनंत प्रकाश गंगवार, अमित देवल, प्रधानाचार्य बीके कश्यप, उप प्रधानाचार्य मोबिन मालिक,रामेंद्र पाठक, विपिन सिंह, सत्यपाल ,सिदरा खान, राफिया मुख्तार, गीता कश्यप ,संजय सक्सेना, शाजिया नाज़,अनम, सूरजपाल, काजल गंगवार,लता गंगवार ,नेहा, रुचि आदि रहे।

कुंवरपुर बंजरिया में छात्र-छात्राओं ने लगाई विज्ञान प्रदर्शनी, रिठौरा : पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुंवरपुर बंजरिया में शनिवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर छात्र-छात्राओं ने विशेष विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई। मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रवक्ता डाइट मनोज कुमार, विशिष्ट अतिथि देवेंद्र कुमार जिला विज्ञान समन्वयक रहे। मुख्य अतिथि ने कहा आज का युग वैज्ञानिक युग है, विकसित भारत में विज्ञान का विशेष योगदान रहेगा। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं के विभिन्न मॉडलों को प्रस्तुत किया गया। इसमें मौलिक शोध

आंवला में विज्ञान दिवस पर प्रयोगशाला का उद्घाटन करते प्रबंधक । ● अमृत विचार

विज्ञान दिवस पर प्रयोगशाला का किया उद्घाटन

आंवला, अमृत विचार : सरस्वती विद्या मंदिर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नवीन विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन विद्यालय प्रबंधक राकेश कुमार सक्सेना, कोषाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल एवं प्रधानाचार्य गवेन्द्र सिंह चौहान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विज्ञान दिवस पर भाषण प्रस्तुत कर बताया कि यह दिवस महान वैज्ञानिक सी. वी. रमन की स्मृति में मनाया जाता है। प्रधानाचार्य ने कहा कि नई प्रयोगशाला विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अनुसंधान भावना विकसित करेगी।

मदर्स स्कूल की छात्राओं ने बनाए मॉडल

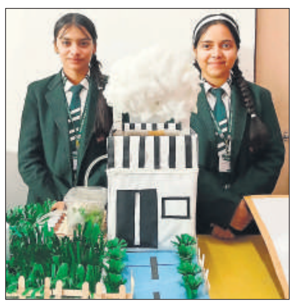
मदर्स स्कूल के बच्चों ने बनाए मॉडल।

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : मदर्स पब्लिक स्कूल में साइंस डे पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन नगर पालिका चेयरमैन रश्मि जायसवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रदर्शनी में छात्रों ने सौर ऊर्जा,जल संरक्षण,स्मार्ट सिटी, रोबोटिक्स और ज्वालामुखी जैसे विषयों पर आकर्षक और क्रियाशील मॉडल बनाए।स्टूडेंट्स ने आत्मविश्वास के साथ प्रभावशाली तरीके से अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया।इस मौके पर टीचर्स -पेरेंट्स एसोसिशन के डॉक्टर अब्दुल वसीम, फय्याज़ अहमद और यूनिस अंसारी को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर डॉक्टर मानसी यादव ने स्टूडेंट्स के प्रयासों की सराहना करते हुए उनको निरंतर प्रगति के लिए प्रेरित किया। चेयरमैन राजेश यादव ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की, जबकि प्रिंसिपल नगमा खां ने सभी आगन्तुकों का स्वागत किया।

विज्ञान प्रतियोगिता में इकरा समूह रहा अव्वल किया गया सम्मानित

देवरनियां : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर शनिवार को रिछा के देहली पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने तरह-तरह के बनाए मॉडल पेश किए। इसमें छात्रा इकरा समूह द्वारा कक्षा छह में हृदय का मॉडल को प्रथम स्थान मिला, जबकि छात्र सुबहान और तौसीब को दूसरा और ट्रैफिक लाइट पर छात्र पंकज और यलम द्वारा बनाए मॉडल को तीसरा स्थान मिला। समारोह के मुख्य अतिथि नगर पंचायत रिछा के चेयरमैन पति तनवीर अहमद काला बच्चा और रिछा राइस मिलर्स ओनर्स के अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ ने सभी विजय छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रबंधक मोहम्मद शारिक सभासद इकरार अहमद, प्रधानाचार्य सत्यपाल शर्मा, निदेशक आर सी मौर्य, उप प्रधानाचार्य खतीब अहमद समेत तमाम शिक्षक और अभिभावक मौजूद रहे।

को प्रथम स्थान मिला। छात्रा पीहू सिंह,अनम बी,इनाया, सोफिया, कामिनी,इरम, दिव्यांशी को उनके उत्कृष्ट माडलों के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य डॉ विनय कुमार, एआरपी सौरभ शुक्ला, मधुरेश दीक्षित,, राममोहन तिवारी, नम्रता, एकता खन्ना, गुंजन सिंह, क्रांति, विवेक प्रियदर्शी, डॉ जयेंद्र पाल सिंह, आदि मौजूद रहे। संचालन शिवानी मनोचा ने किया।

श्मशान भूमि का रास्ता बंद, शव रखकर प्रदर्शन

संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार : थाना इज्जतनगर के गांव मुंडिया अहमदनगर में शनिवार को भोलेराम यादव (75) का निधन हो गया। शव को श्मशान भूमि ले जाने वाले चकमार्गों पर एक निजी कालेज एवं एक मार्केट स्वामी ने कब्जा कर बंद कर दिया है। अभी तक ग्रामीण शवों को शमशान के लिए एक निजी खेत से होकर निकलते थे। लेकिन उसके विरोध के चलते शनिवार को स्थिति बिगड़ गई। आखिर शमशान भूमि तक कैसे पहुंचें,गुस्साए ग्रामीणों ने शव बरेली -पीलीभीत हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया। जिसके चलते लंबा जाम लग गया।

राहगीरों की सूचना पर इज्जतनगर थानाध्यक्ष विजेंद्र सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंचे उन्होंने ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाया और उसी खेत से निकलवाकर शमशान भूमि पहुंचे जहां विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया गया। ज्ञात रहे भारतीय किसान यूनियन चढूनी के जिलाध्यक्ष केशव सिंह सोलंकी के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय में नौ जनवरी को ज्ञापन देकर शमशान भूमि के चकमार्गों को कब्जामुक्त करवाने के लिए ज्ञापन सौंप चुके हैं। लेकिन प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

रास्ता जाम करते ग्रामीण।

श्याम ध्वज लेकर निशान यात्रा में उमड़े भक्त

नवाबगंज में श्याम यात्रा निकालते भक्त। ● अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार: कस्बे में श्री खाटूश्याम महाराज की निशान यात्रा श्रद्धा और उल्लास के बीच निकाली गई। जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ती गई, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं की भीड़ और उत्साह बढ़ता चला गया।

श्याम मित्र मंडल के संयोजन में यात्रा का शुभारंभ विद्युत उपकेंद्र के निकट से हुआ। हाथों में निशान और मुख पर जयकारे लिए भक्त मुख्य मार्ग, बिजौरिया, खारजा मार्ग और बाईपास से होते हुए पीलीभीत हाईवे स्थित श्री श्याम बिहारी मंदिर पहुंचे, जहां पूजा-अर्चना के साथ यात्रा का समापन किया गया।

मार्ग में विभिन्न स्थानों पर लोगों ने रंग-गुलाल उड़ाकर और पुष्प अर्पित कर स्वागत किया। कई जगह आरती उतारी गई भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। कार्यक्रम में डॉ. ए के गंगवार, दीपक गुप्ता, संजीव वर्मा, शिवा गुप्ता, विनय कोहली, कपिल शर्मा, शोभित गुप्ता, पवन मेहरोत्रा,रितेश श्रीवास्तव ,अंकुर राठौर, नितिन वर्मा, आयुष गुप्ता, सोनू गुप्ता, ध्रुव गुप्ता, राहुल सक्सेना, वरुण गुप्ता, अजय गंगवार, देवेश देवल, मुकेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

रूहानी हवा बता कर ठगी की घर पहुंच कर की छेड़छाड़

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : मरीज पर मौलवी ने भूत बाधा बताकर उसके परिजनों से ठगी कर ली , मरीज को फायदा न होने पर उसके परिजनों द्वारा रूपये वापस मांगने पर मौलवी ने घर में घुसकर एक साथी के साथ महिला से छेड़छाड़ किनविरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी पीड़ित महिला ने कोतवाली पहुंचकर मौलवी और एक अन्य के खिलाफ लिखित तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। फरीदपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी बेटी की तबीयत खराब रहती थी जिसे उसने डॉक्टर को दिखाया लेकिन दवा का फायदा ना होने पर उसे लोगों ने ऊपरी चक्कर बताया तभी परिजनों ने बेटी को थाना कैंट के गांव नबीनगर के एक मौलाना को दिखाया तो मौलाना ने बेटी पर रूहानी हवा बता कर उस को ठीक करने के 15 हजार रुपए खर्चा भी कर ले लिए और ठीक करने की भी गारंटी ले ली । काफी समय बीत जाने के बाद जब मरीज को फायदा नहीं हुआ तो परिजनों ने अपने पैसे मौलाना से वापस मांगे मौलाना ने अपने के साथी के साथ घर आकर पैसे वापस करने की बात कही पीड़ित मरीज को लेकर घर आ गए। शनिवार की दोपहर 3:00 बजे पीड़ित अपने घर में लेटी हुई थी की तभी मौलाना अपने एक अन्य साथी के साथ उसके घर आ धमका और उसे बुरी नीयत जमीन पर पटक कर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास करने लगा पीड़िता ने आरोपी से छुड़ाने के लिए संघर्ष किया जिससे वह घायल हो गई पीड़ित ने मौलवी और उसके साथी के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की माग़ की है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तालाब में जहरीले पानी से मरीं मछलियां

देवरनियां, अमृत विचार: ब्लाक दमखोदा गांव कुंडरा में नहर का पानी तालाब में पहुंचने पर तालाब में पाली जा रही मछलियां मर गई। तालाब में मछलियां पालन कर रहे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बहादुरगंज स्थित मिल द्वारा जहरीला पानी नहर में छोड़ा जा रहा है जिसके कारण नहर का पानी जहरीला हो गया है जो गुरुवार को उसके तालाब में पहुंच गया जिससे उसमें पल नहीं मछलियां मर गई। पीड़ित ने उप जिलाधिकारी से शिकायत की है।

गांव कुंद्रा के रहने वाले रिंकू पुत्र अमरपाल ने बताया कि मत्स्य पालन के लिए आवंटित तालाब में वह मछली पालन कर रहे हैं।

वर्कर पर तमंचा तानकर अगवा करने का प्रयास

संवाददाता,हाफिजगंज

अमृत विचार: बरेली-सितारगंज हाईवे पर चल रहे मिट्टी पटान कार्य को लेकर दो कंपनियों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि एक कंपनी से जुड़े वर्कर को कथित तौर पर घेरकर तमंचा तान दिया गया और कार में खींचकर ले जाने की कोशिश की गई। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है।

थाना क्षेत्र के गांव अहमदाबाद निवासी दुष्यंत गंगवार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सिग्मा मैन पावर जनरल ऑर्डर सप्लायर कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कार्यरत है, जो हाईवे पर मिट्टी पटान का काम कर रही है। शुक्रवार को उसके मोबाइल पर कॉल आई, जिसमें गांव फैजुल्लापुर में मिट्टी उपलब्ध होने की बात कहकर उसे बातचीत के लिए बुलाया गया।आरोप है कि वह मौके पर पहुंचने के लिए जा रहा था, तभी रास्ते में कार सवार आरोपियों ने उसे घेर लिया और सीने पर तमंचा तानकर जबरन कार में बैठाने का प्रयास किया। उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग एकत्र हो गए। भीड़ जुटती देख आरोपी धमकी देते हुए मौके से भाग निकले।

भारत-अमेरिका में साझेदारी निर्णायक

कार्यालय संवाददाता, बरेली,

● **बरेली कॉलेज के रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित**

अमृत विचार: बरेली कॉलेज के रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग की ओर से शनिवार को वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत-अमेरिका सहयोग : रणनीति से आर्थिक संघर्ष तक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स के सहयोग से आयोजित हुई। परिषद के प्रतिनिधि अमन कुमार ने भारत की समकालीन विदेश नीति, वैश्विक कूटनीति में बढ़ती सक्रियता तथा परिषद की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में बोलते अतिथि।

मुख्य अतिथि एसडी मुनि ने दोनों देशों के सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों के बदलते आयामों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वैश्विक शक्ति संतुलन में भारत-अमेरिका साझेदारी निर्णायक भूमिका निभा रही है, किंतु आर्थिक प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक चुनौतियां भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। जेके त्रिपाठी ने भविष्य की संभावनाओं पर विचार व्यक्त किए। डॉ. संदीप त्रिपाठी ने इंडो-पैसिफिक रणनीति, आर्थिक संघर्ष तथा वैक्सीन मैत्रीऔर ऑपरेशन दोस्त जैसे मानवीय प्रयासों का उल्लेख किया। तकनीकी सत्रों में देशभर के शोधार्थियों ने रक्षा सहयोग, जी-20 अध्यक्षता, ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक दक्षिण के साथ भारत की सहभागिता तथा आर्थिक परस्पर निर्भरता जैसे विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए।

वकील पर धारदार हथियार से हमला

कैंट, अमृत विचार : दबंग दंपति ने घर में घुसकर धारदार हथियार से वकील पर हमला कर दिया। हमले में वकील गंभीर घायल हो गया। बचाने आई उसकी पत्नी को भीपीटा । पीड़ित ने कैंट थाने में दंपति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

KRISHNA TELECOM
D-12 Butler Plaza Bareilly
All brand of mobile Phone's are available here
Second hand mobile and new phone's financing facility are also available
All Type of orignal Mobile Accessories are Available
CONTACT US:- 9897671193, 7983035388

ट्रिम्फालिया में रेड हाउस की टीम विजेता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शनिवार को ट्रिम्फालिया (खेलकूद गतिविधियां 2026) के पांच दिवसीय कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आरएमसीएच के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तसलीम खान, आरसीएन की प्रधानाचार्य डॉ. प्रियंका ए मसीह, उप प्रधानाचार्य डॉ अनीता पी और प्रोफेसर वेल्लादुरई नारायनन ने किया।

पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान दौड़, क्रिकेट, खो-खो बेडमिंटन, वालीबॉल, कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस, नृत्य, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, मॉडल प्रतियोगिता, रस्सा-कशी आदि प्रतियोगिताएं कराई गईं। जिसमें छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षकों ने भी भाग लिया। समापन के दौरान छात्र-छात्राओं ने लोकनृत्य एवं नाटक प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि तसलीम खान, आरएमसीएच की नर्सिंग अधीक्षक पूनम आजाद, डॉ प्रियंका ए मसीह, डॉ. अनीता पी व प्रो. वेल्लादुरई नारायनन ने विजेताओं एवं उपविजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। ट्रिम्फालिया में विजेता टीम रेड हाउस रही। टीम की इंचार्ज डॉ एस लिन्थोईगाम्बी देवी एवं कप्तान सिंधू राठौर (बीएससी नर्सिंग, अंतिम वर्ष) के नेतृत्व में ट्राफी प्रदान की गई। संचालन आरसीएन असिस्टेंट प्रो. अंजली भान, पीजी नर्सिंग ट्यूटर भावना ने किया। असिस्टेंट प्रो. प्रियलता देवी, पीजी नर्सिंग ट्यूटर प्रतिभा चरन, पीजी नर्सिंग ट्यूटर करिश्मा गोस्वामी व यूजी नर्सिंग ट्यूटर (आरसीएन) कीर्ति आदि शिक्षकों का सहयोग रहा। असिस्टेंट प्रो. अंजली भान ने आभार जताया।

कार्यक्रम के समापन पर मौजूद विद्यार्थी व शिक्षक। ● अमृत विचार

● **रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग में पांच दिवसीय समारोह का समापन**

मुख्य मार्गों व सामुदायिक स्थलों को किया साफ

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई की ओर से शनिवार को ग्राम सिमरा अजूबा बेगम में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। मुख्य मार्ग, उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर और सामुदायिक स्थलों की सफाई की गई। जिसमें लगभग 100 छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने भागीदारी निभाई।

स्वयंसेवकों ने प्लास्टिक कचरे एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्रित कर उनके निस्तारण की व्यवस्था की। ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं व्यक्तिगत स्वच्छ आदतों के महत्व के बारे में बताया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रशांत कुमार शर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। बीआईयू कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्रधानाचार्य डॉ. पुष्पेन्द्र कन्नौजिया ने कहा कि स्वच्छता ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के अभियान समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बीआईयू की एनएसएस इकाई ने सिमरा अजूबा बेगम में चलाया स्वच्छता अभियान।

ऑडियो मैसेज में 'तलाक' बोलकर रिश्ता तोड़ा, दर्ज कराई रिपोर्ट

नवाबगंज, अमृत विचार: कस्बे में रहने वाली एक विवाहिता को उसके पति ने मोबाइल पर वॉयस मैसेज भेजकर तीन बार 'तलाक' कह दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ला नई बस्ती पश्चिमी की रहने वाली हिना का निकाह 2 फरवरी 2024 को भुता निवासी मोहम्मद हारिस के साथ हुआ था। महिला का आरोप है कि शादी के समय पर्याप्त दहेज दिए जाने के बावजूद ससुराल पक्ष की मांगें खत्म नहीं हुईं। आरोप है कि उसके जेवरात और दहेज का सामान ससुरालियों ने अपने पास रख लिया और दोबारा उसे घर से निकाल दिया। तब से वह मायके में रह रही है। 23 जनवरी को उसके मोबाइल पर पति का वॉयस मैसेज आया, जिसमें उसने तीन बार 'तलाक' शब्द बोलकर वैवाहिक संबंध समाप्त करने की बात कही। इस घटना के बाद से वह मानसिक तनाव में है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

SRMS
Shri Ram Murti Smarak
Institute of Medical Sciences, Bareilly
Approved by NMC & Ministry of Health & Family Welfare, GOI
A 1200 beds NABH accredited, Super Specialty, Tertiary Care & Trauma Hospital with state-of-art infrastructure & critical care facilities
REQUIRES TECHNICIANS / STAFF
Lab. Technician (5 Posts)
B.Sc./Diploma in MLT with 3 yrs. experience
Optometrist (2 Posts)
B.Sc./Dip. in Optometry with 10 yrs. exp. in Eye OT
MRI Technician (for Unnao hospital) (1 Post)
B.Sc./BRIT in MRI with 3 yrs. experience at GE MRI machine
Cath Lab Technician (2 Posts)
B.Sc./Dip. in Cath Lab. / Dip. inCardiology technician with 5 yrs. exp.
Marketing Executive (5 Posts)
MBA Marketing, 5 yrs. experience in hospital / Pharma
Dietician (1 Post)
M.Sc. in Food & Nutrition with 3 yrs. experience
Office Clerk (6 Posts)
Graduate with Computer knowledge & 2 yr. experience
Apply within 07 days.
For details & online application visit:
https://myportal.srms.ac.in/career
OR email : career@srmsims.ac.in
HIGHER START FOR DESERVING CANDIDATES
City Office: N-3, Rampur Garden, Bareilly
Ph. : 0581-2582031-33; Mob.: 9412290127

न्यूज ब्रीफ

बलिया में दो युवकों के पास से एक करोड़ 75 लाख की नकदी बरामद

चंदौली, एजेंसी : जिले में पं. दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने जांच के दौरान अकाल तख्त एक्सप्रेस ट्रेन में सवार दो युवकों के पास से एक करोड़ 75 लाख रुपये की नकदी बरामद करने का दावा किया है। जीआरपी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जीआरपी के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) कुंवर प्रभात सिंह ने बताया कि पंजाब से पश्चिम बंगाल के हावड़ा जाने वाली अकाल तख्त एक्सप्रेस ट्रेन देर रात 2:41 बजे प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंची, उसमें जांच के दौरान ट्रेन के एक कोच में सीट पर दो युवक सवार मिले। सीओ के अनुसार पकड़े गए युवकों की पहचान रितेश (38) व प्रिग्नेश (40) के रूप में हुई है। दोनों लखनऊ के निवासी व एक ही परिवार के हैं। हालांकि, उन्हें इसके कागजात प्रस्तुत करने को कहा गया है। कागजात नहीं प्रस्तुत करने पर आयकर विभाग बरामद नकदी को जब्त कर लेगा।

वाराणसी हवाई अड्डे पर स्विस नागरिक के पास मिला सैटेलाइट फोन

वाराणसी, एजेंसी : वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को सीआईएसएफ कर्मियों ने सिक्योरिटी होल्ड एरिया में एक विदेशी यात्री के बैग से प्रतिबंधित सैटेलाइट फोन बरामद किया। इसकी सूचना तुरंत एयरपोर्ट प्रशासन और सीआईएसएफ की ओर से पुलिस को दी गई। विदेशी नागरिक की पहचान स्विट्जरलैंड निवासी आंद्रे सायरिल न्यूवेंसवांडर (34) के रूप में हुई है। फूलपुर पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे सीआईएसएफ ने सिक्योरिटी होल्ड एरिया में आंद्रे सायरिल न्यूवेंसवांडर (निवासी: लुशान, स्विट्जरलैंड) के बैग से यह प्रतिबंधित सैटेलाइट फोन बरामद किया। लगभग 13:30 बजे उन्हें स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पूछताछ में पता चला कि आंद्रे सायरिल अपनी महिला मित्र सेलेन हैंगमैन (स्विट्जरलैंड निवासी) के साथ एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई 696 से मुंबई जाने वाले थे।

रामपुर की फैक्ट्रियों में आयकर का सर्वे तीसरे दिन जारी

रामपुर, अमृत विचार : आयकर विभाग दिल्ली की टीम को थाना गंज क्षेत्र के बगी औद्योगिक क्षेत्र स्थित एमएन इंडस्ट्री के नाम की दोनों प्लाईवुड फैक्ट्रियों में डेरा डाले हुए करीब 60 घंटे बीत चुकी हैं। ऐसे में अब बड़ी कार्रवाई की आहट हो रही है, टीम को सर्वे में खामी का अंदेशा है। ऐसे में रामपुर शहर में ये बड़ी चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि फैक्ट्री में आने-जाने पर पूर्ण पाबंदी है, ऐसे में कार्रवाई को लेकर आयकर टीम का आधिकारिक बयान का इंतजार है। दोनों फैक्ट्री मुरादाबाद के पूर्व सांसद और सपा नेता एचटी हसन के समधी नईम खां उर्फ बब्लू और उनके पार्टनर मुनन खां की हैं।

महिला दिवस से पहले स्कूलों में शौचालय होंगे पूरी तरह क्रियाशील

लखनऊ, अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) से पहले राज्य सरकार ने बालिकाओं की गरिमा, सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उन्नाव, कानपुर नगर, रायबरेली, अयोध्या, रामपुर सहित 42 जिलों के सभी सरकारी विद्यालयों में बने शौचालयों को पूरी तरह क्रियाशील बनाने की समय-सीमा तय कर दी गई है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने शनिवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि 8 मार्च तक सभी विद्यालयों के शौचालय उपयोग योग्य स्थिति में हों। उन्होंने कहा कि केवल निर्माण कार्य पूरा होना पर्याप्त नहीं है।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आर.एस.पी. पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।
क्रम सं.-1, ई-प्रापण निविदा संख्याः NER-GKP-RSP-2026-04, कार्य का नामः उत्तर-पूर्वी रेलवे के लखनऊ डिवीजन के गोंडा- गोरखपुर खंड में टिनिच-गौर स्टेशनों के बीच किलोमीटर 590/9-591/0 पर बंद एल-एक्सिंग संख्या 214/सी और टिनिच- बभनान स्टेशनों के बीच किलोमीटर 595/8-9 पर एल.एच.एस. की शीटिंग, एप्रोच आदि का प्रावधान। अनुमानित निविदा मूल्यः ₹ 1,89,00,222.88 बयाना राशि (रू.) ₹ 2,44,500.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू) 0.00, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 4 महीने।
बिड प्रारम्भ करने की तिथिः- दिनांक 06.03.2026, उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथिः- दिनांक 20.03.2026, 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथिः- दिनांक 20.03.2026, 15.00 बजे। निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।
अधिशासी अभियन्ता/निर्माण/आर.एस.पी
मुजाधि/डब्लू-488 गोरखपुर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

बांके बिहारी के भक्त घर बैठे कर सकेंगे उनके दर्शन

मथुरा, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय द्वारा ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के कुशल प्रबंधन के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अगुवाई में गठित की गई उच्चाधिकारी प्राप्त प्रबंधन समिति सरलता एवं सुगमता से श्रद्धालुओं को ठाकुर जी के दर्शन कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। समिति द्वारा पिछली बैठकों में लिए गए निर्णयों के अनुसार तय की गई एजेंसी द्वारा 27 फरवरी से ठाकुर जी के दर्शनों का सीधा प्रसारण शुरू कर दिया गया है।

श्रद्धालुओं ने शुक्रवार को न केवल सुबह व शाम की ठाकुरजी की राजभोग व शयनभोग आरती आदि विभिन्न सेवाओं के ऑनलाइन दर्शन किए, बल्कि अपराह्न एक बजे से रंगभरनी एकादशी पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित रंगीली होली का सीधा प्रसारण भी देखा। समिति की ओर से बताया गया है कि श्रद्धालु दुनिया के किसी भी शहर में बैठकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर जाकर घर बैठे अथवा यात्रा करते समय भी, जब वे चाहें, समयानुसार दर्शन कर सकते हैं। समिति के अध्यक्ष एवं उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अशोक कुमार ने बताया कि ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में भीड़ लगातार बढ़ रही है। इसलिए श्रद्धालु भी धक्का-मुक्की से बचना चाहते हैं।

काशी में यह परंपरा अनादि काल से भव्य रूप से मनायी जाती रही है

मणिकर्णिका घाट पर चिता की भस्म से खेली गई होली

वाराणसी, एजेंसी

वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर रंगभरी एकादशी के दूसरे दिन शनिवार को चिता की भस्म से होली खेली गई। कार्यक्रम के आयोजक गुलशन कपूर ने बताया कि सुबह से ही लोग चिता की भस्म से खेली जाने वाली दुनिया की दुर्लभ होली की तैयारी में जुटे हुए थे। जहां दुख व अपनों से बिछड़ने का संताप देखा जाता था, वहां आज के दिन शहनाई की मंगल ध्वनि बजती रही।

हर कोई अपने-अपने लिए उपयुक्त स्थान खोज कर इस दिव्य व अलौकिक दृश्य को अपनी अंतरात्मा में उतार कर शिवोहम होने को अधीर हुए जा रहे थे। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व में काशी का मणिकर्णिका घाट ही एक ऐसा महा मसान है जहां दुःख नहीं उत्सव होते हैं।

शनिवार को वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर चिता की भस्म से होली खेलते लोग।

ये वो मंगल स्थान है, जहां लोग देह त्यागने आते हैं फिर भी जिनके किस्मत में होता है वहीं यहां देह त्याग पाता हैं। गुलशन कपूर ने बताया कि मणिकर्णका घाट पर नव निर्माण कार्य के कारण अस्त-व्यस्त व्यवस्था के कारण शिव भक्तों को ललिता एवं सिंधिया घाट पर भारी पुलिस बल एवं अवरोधकों को पार कर मणिकर्णिका घाट जाने से रोका गया, जिससे उनको काफी निराशा हुई। हालांकि जो कुछ इंतजार कर पाए, उन्हें दो बजे के बाद बाबा महाश्मशान नाथ जी को भस्म अर्पित करने का सौभाग्य मिला। कपूर ने कहा कि ऐसी मान्यता है कि बाबा दोपहर में मध्याह्न स्नान करने मणिकर्णिका तीर्थ पर आते हैं। तत्पश्चात सभी तीर्थ स्नान करके यहां से पुन्य लेकर अपने स्थान जाते हैं और उनके वहां स्नान करने वालों को वह पुन्य बांटते हैं। बाबा स्नान के बाद अपने प्रिय गणों के साथ मणिकर्णिका घाट पर आकर चिता की भस्म से होली खेलते हैं।

यह परंपरा अनादि काल से यहां भव्य रूप से मनायी जाती रही हैं। गुलशन कपूर ने बताया कि पिछले 26 वर्षों से इस परंपरा को भव्य रूप देकर दुनिया के कोने-कोने तक जन सहयोग से पहुंचा पा रहा हैं। गुलशन कपूर ने इस कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि काशी में यह मान्यता है कि रंगभरी एकादशी के दिन बाबा विश्वनाथ माता पार्वती का गौना (विदाई) करा कर अपने धाम काशी लाते हैं जिसे उत्सव के रूप में काशीवाशी मनाते हैं और इसे रंगों के त्योहार होली की शुरुआत माना जाता है।

इस आयोजन में गुलशन कपूर ने बाबा महाश्मशान नाथ और माता मशान काली (शिव शक्ति) का मध्याह्न आरती कर बाबा को जया, विजया, मिष्ठान व सोमरस का भोग लगाया। बाबा व माता को चिता की भस्म व गुलाल चढ़ाया, माता मशान काली को लाल गुलाल चढ़ा कर होली प्रारंभ की गयी।

500 करोड़ की जीएसटी चोरी, चार गिरफ्तार

20 राज्यों की 1221 फर्मों में किया हेरफेर, सीतापुर एसओजी टीम ने अंतरराज्यीय शातिरों को पकड़ा

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : 20 राज्यों में 1221 फर्मों के सहारे लगभग 500 करोड़ की जीएसटी चोरी में निरुद्ध चार अंतरराज्यीय शातिरों को सीतापुर पुलिस ने दबोचा। एसओजी टीम ने आरोपियों के कब्जे से दो लाख से अधिक नकदी, हीरों की अंगूठियां, गहने, कार, मोबाइल, सिम आदि बरामद किये है।

अपर पुलिस अधीक्षक आईपीएस विनायक गोपाल भोसले के मुताबिक, डीजीपी के निर्देश पर प्रदेश में गठित एसआईटी टीम ने अलग-अलग जनपदों में कुल 118 मुकदमें दर्ज किए। सीतापुर शहर और उसके आसपास फर्जी कंपनी बनाकर लाखों के वारेन्यारे हुए। इसको लेकर में कोतवाली नगर और देहात में केस दर्ज हुआ। आईजी रेंज लखनऊ किरन एस. के निर्देश पर एसपी अंकुर अग्रवाल ने जांच की जिम्मेदारी एसओजी टीम को सौंपी। टीम इंचार्ज इंस्पेक्टर सतेंद्र विक्रम सिंह ने सर्विलांस और मुखबिर की मदद से पड़ताल की तो पता चला कि जीएसटी चोरी करने वाले गिरोह का नेटवर्क उप्र सहित 20 राज्यों में है और इन लोगों ने 1221 फर्मों के सहारे 500 करोड़ से अधिक जीएसटी चोरी की। सटीक सूचना पर आगरा जनपद के थाना सैंया के चौकी दारगी स्थित मोहल्ला सैंया निवासी गैंग सरगना सोना उर्फ आशीष, थाना सम्साबाद के बड़ा गांव इगलासपुर निवासी कुलदीप सिंह, थाना शाहगंज के नंगला कड़ेरू नरीपुरा निवासी विवेक कुमार और उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा जनपद स्थित थाना रामनगर के भरतपुरी निवासी सूरज रावत को गिरफ्तार किया। इनके पास से दो लाख से अधिक की नकदी, हीरों की दो अंगूठिया, सोने की चेन, कार, मोबाइल, सिम आदि बरामद किया गया। गैंग सरगना सोना की प्रेमिका अल्मोड़ा की अंजली आदि का पकड़ा जाना बाकी है।

मुरादाबाद में भी खुलासा, गैंग का सरगना आगरा से गिरफ्तार

मुरादाबाद, मुरादाबाद में करीब 200 करोड़ रुपये से अधिक की फर्जी बिलिंग के जरिए जीएसटी चोरी के एक बड़े घोटाले का पुलिस ने शनिवार को खुलासा किया। पुलिस अधीक्षक (अपराध) सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि साइबर सेल और एसआईटी ने गिरोह के सरगना पुनीत को आगरा के सदर बाजार क्षेत्र से गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से 11 मोबाइल फोन, 12 एटीएम कार्ड, 29 चेकबुक, दो आधार कार्ड, दो पैन कार्ड, एक पासपोर्ट की छायाप्रति, आठ सिम कार्ड, 32 किरायानामा, पांच मुहर, दो इंकपैड, एक लैपटॉप, एक पीसी, दो बिल्टी बुक तथा 1220 रुपये बरामद किए गए हैं। एसपी क्राइम ने बताया कि मामले में राज्य कर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा, रेंज-बी मुरादाबाद के प्रधान सहायक आदित्य प्रताप सिंह की तहरीर पर थाना सिविल लाइंस में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि आरोपी पुनीत पुत्र बिशम्बर सिंह, निवासी नई आबादी ताल फिरोज खान, मधु नगर थाना सदर बाजार आगरा, फर्जी फर्मों के जरिए बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी कर रहा था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 2019 में दिल्ली में कपड़े की दुकान पर काम करने के दौरान उसकी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई, जिसने उसकी पत्नी के नाम से जीएसटी फर्म बनवाई। बाद में उसने जीएसटी पोर्टल का यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त कर फर्जी बिल अपलोड करना शुरू कर दिया। बिना माल की आपूर्ति किए केवल पोर्टल पर बिल अपलोड कर इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त किया जाता था। आरोपी पुनीत ने बताया कि विभिन्न फर्जी फर्मों के माध्यम से खातों में रकम ट्रांसफर कर उसे घुमाया जाता था और कमीशन काटकर नकद राशि संबंधित लोगों को उपलब्ध कराई जाती थी। जांच में पता चला है कि मेसर्स आरके. इंटरनेशनल के खाते में लगभग 88 करोड़ रुपये, मेसर्स मैग्ना एंटरप्राइजेज के खाते में करीब 57 करोड़ रुपये तथा सुश्री वान्या एंटरप्राइजेज के खाते में लगभग 122 करोड़ रुपये की बिल ट्रेडिंग की गई।

इन राज्यों में की गई है जीएसटी चोरी : तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उप्र सहित अन्य जनपदों में एक हजार से अधिक जीएसटी की फर्जी फर्में बनाकर आईटीसी की चोरी की गई है।

15 हजार रिश्वत लेता संग्रह अमीन आवास से गिरफ्तार

संवाददाता, शाहबाद (रामपुर)

अमृत विचार : अमृत विचारः एंटी करप्शन टीम की मुरादाबाद यूनिट ने शाहबाद तहसील में तैनात संग्रह अमीन को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई। टीम आरोपी को पकड़कर शाहबाद थाने ले आई।

शाहबाद तहसील के जाहिदपुर गांव निवासी हसमुद्दीन ने एंटी करप्शन में शिकायत की थी कि संग्रह अमीन ने शस्त्र नवीनीकरण के लिए नो ड्यूज प्रमाण पत्र पर रिपोर्ट लगाने के एवज में 15 हजार रुपये रिश्वत मांगी।

शिकायत के बाद निरीक्षक कृष्ण अवतार के नेतृत्व में टीम शाहबाद तहसील पहुंची और जाल बिछा दिया। हसमुद्दीन ने संग्रह अमीन प्रेम शंकर तिवारी के सरकारी आवास पर उसे जैसे ही 15 हजार रुपये दिए, टीम ने दबोच लिया। अचानक हुई

रिश्वत लेने के आरोप प्रेम शंकर तिवारी को ले जाती एंटी करप्शन टीम।

- **शस्त्र नवीनीकरण के लिए नो ड्यूज प्रमाण पत्र पर रिपोर्ट लगाने के नाम पर मांगे रुपये**

कार्रवाई से आरोपी के होश उड़ गए। गिरफ्तार कर ले जाते समय एंटी करप्शन टीम और अमीन के बेटे के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। टीम आरोपी को शाहबाद थाने लाई, जहां कानूनी कार्यवाही पूरी की गई।

अधिकारियों के अनुसार आरोपी को शनिवार को शाहबाद थाने में ही रखा जाएगा। बाद में न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की तैयारी की जाएगी।

लोनी में यूट्यूबर पर अज्ञात हमलावरों ने हमला किया, सात पर रिपोर्ट दर्ज

गाजियाबाद, एजेंसी

गाजियाबाद के लोनी इलाके में मोटरसाइकिल पर सवार हेलमेट पहने दो हमलावरों ने 50 वर्षीय यूट्यूबर पर चाकू से कई बार वार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह यूट्यूबर अपने यूट्यूब चैनल पर एक विशेष धर्म को लेकर कथित विवादास्पद वीडियो के कारण विवादों में आया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लिया और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने बताया कि सलीम अहमद उर्फ सलीम वास्तिक पर अली गार्डन स्थित उनके कार्यालय में सुबह की नमाज अदा करने के कुछ ही समय बाद हमला किया गया।

उसने बताया कि हमलावरों को परिसर के पास घूमते देखा गया था। पुलिस ने बताया कि हमलावर कार्यालय में घुस गए और सलीम

सलीम अहमद उर्फ सलीम वास्तिक।

अहमद पर धारदार हथियारों से हमला कर मौके से भाग गए। उसने बताया कि इस हमले में अहमद की गर्दन, पेट और कान पर गंभीर चोटें आई हैं। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) लोनी, सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि हंगामे के बाद स्थानीय लोग एकत्र हो गए और उन्होंने पुलिस को इस घटना के बारे में सूचित किया। यूट्यूबर को लोनी के एक अस्पताल में पहुंचाया गया। गौतम ने कहा कि

- **मुख्यमंत्री ने मामले का संज्ञान लेकर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए**

सलीम अहमद की गंभीर हालत के कारण बाद में उन्हें दिल्ली के गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

अहमद सलीम वास्तिक नाम से एक यूट्यूब चैनल चलाते हैं। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मुस्लिम समुदाय के भीतर कुछ प्रथाओं की कथित रूप से आलोचना करने वाले उनके वीडियो को लेकर उन्हें निशाना बनाया गया होगा। पुलिस ने कहा कि पीड़ित के बेटे उस्मान ने सात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। एसीपी ने कहा कि हमलावरों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए इलाके से सीसीटीवी फुटेज हासिल करने के प्रयास जारी हैं।

पोते को स्कूल छोड़ने गई थी दादी, दादा ने लगा ली फांसी

हल्द्वानी, अमृत विचार : दादी अपने पोतों को स्कूल छोड़ने गईं और पीछे से दादा ने फांसी लगा ली। दादी घर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था।

पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा तो शव फंदे से लटकता पाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। सनवाल कालोनी कुसुमखेड़ा निवासी तुला गिरी गोस्वामी (67वर्ष) पुत्र बिशन गिरी गोस्वामी यहां अपनी पत्नी देवकी देवी, पोतों और दूसरे नंबर के बेटे गणेश के साथ रहते थे। उनका बड़ा बेटा किशन देहरादून और छोटा बेटा योगेश दिल्ली में नौकरी करता है। गणेश के मुताबिक, शनिवार की सुबह 7 बजे मां देवकी पोतों को छोड़ने स्कूल गईं थीं। इसी बीच तुला गिरी ने कमरा बंद कर फांसी लगी। उन्होंने पंखे के कुंडे से दुपट्टा कस कर फांसी लगाई।

गोदाम में लगी आग, भीतर सो रहे ग्रामीण की मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः शटरिंग के गोदाम में लगी आग में परिसर में सो रहे ग्रामीण की मौत हो गई। गोदाम का गेट बंद होने से धुआं भरने और ग्रामीण के गहरी नींद में होने के चलते दम घुटने से मौत होने की आशंका जताई गई है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस और दमकल टीम ने मौका मुआयना कर जानकारी की।

ओमकार।

जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम कनाकोर के रहने वाले कृष्ण कुमार का शटरिंग का काम है। उनके घर के बाहरी हिस्से में गोदाम बना है, जिसमें शटरिंग का सामान भरा है। बताते हैं कि शुक्रवार रात इस गोदाम में उनके भाई 55 वर्षीय ओमकार पुत्र चंद्रसेन सोए थे। इस दौरान गोदाम में अचानक आग लग गई। इसके बाद धुआं भरता रहा। ओमकार गहरी नींद में सोए थे। उधर, गोदाम का गेट भी बंद था। इस बीच दम घुटने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

शनिवार सुबह गोदाम से धुआं और आग की लपटें निकल रही थी। यह देख आसपास के लोग जमा हो गए। परिवार के सदस्य भी पहुंच गए। इसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। कुछ ही देर में मौके पर पुलिस व दमकल टीम पहुंच गई। गोदाम का गेट बंद होने के चलते कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। फिर टीम ने शटर काटकर रास्ता बनाया। भीतर धुएं का गुबार भरा था। दमकल टीम ने आग पर काबू किया। जब भीतर देखा तो ओमकार मृत हालत में मिले। पुलिस ने शव को बाहर निकाला।

ट्यूबवेल पर करंट से सात साल की बच्ची की मौत

संवाददाता, चंदौसी/संभल अमृत विचारः थाना बनियाठेर क्षेत्र में ट्यूबवेल के पास खेल रही सात वर्षीय बच्ची की करंट लगने से मौत हो गई। इस्माइल कॉलोनी कस्बा चंदौसी निवासी शाहिद की सात वर्षीय बेटी नाजमीन शनिवार दोपहर करीब दो बजे घर से लगभग ढाई सौ मीटर दूर शकील के खेत पर लगे ट्यूबवेल के पास खेल रही थी।

इसी दौरान वह पानी पीने के लिए ट्यूबवेल के पास गई, तभी अचानक करंट की चपेट में आ गई। करंट लगते ही बच्ची झुलसकर वहीं गिर पड़ी। परिजन मौके पर पहुंचे और बच्कोची चंदौसी के एक निजी अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया। बच्ची कक्षा एक की छात्रा थी और चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर की थी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

छात्राओं से अश्लील हरकत का आरोपी शिक्षक निलंबित

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः कोतवाली चंदनचौकी क्षेत्र में एक विद्यालय में छात्राओं से छेड़छाड़ और अश्लील वीडियो दिखाने के मामले में आरोपी शिक्षक को बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने निलंबित कर दिया है। प्रकरण की जांच के लिए दो सदस्यीय टीम गठित की है। उधर, पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपी शिक्षक की तलाश तेज कर दी है।

विद्यालय की छात्राओं का आरोप था कि शिक्षक सुनील कुमार सिंह अक्सर उन्हें ग़लत तरीके से स्पर्श करता था और विरोध करने पर डराता-धमकाता था। पढ़ाई के बहाने उन्हें अपने पास बुलाता था और फिर अपने मोबाइल फोन पर अश्लील वीडियो दिखाकर मानसिक रूप से

- **गठित दो सदस्यीय संयुक्त जांच टीम ने छात्राओं के दर्ज किए बयान**

प्रताड़ित करता था। इस घटना के बाद आक्रोशित अभिभावकों ने कोतवाली चंदनचौकी पुलिस को तहरीर दी थी। पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की थी। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि मामले की जांच बीईओ पलिया रमन सिंह से कराई गई। रमन सिंह ने विद्यालय पहुंचकर पीड़ित छात्राओं के बयान दर्ज किए थे। प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही मिलने पर शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है। मामले में विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। साथ ही निष्पक्ष जांच के लिए दो सदस्यीय टीम गठित की गई है। टीम में शामिल बीईओ धौरहरा आशीष कुमार पांडेय और जिला समन्वयक माला श्रीवास्तव को जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

होली की धूम

प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था हरि शरणम जन द्वारा विशाल श्री कृष्ण होली महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया

खड़ी, बैठकी और बृज की होली का रंगारंग संगम, झूमे होल्यार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कुमाऊं की प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था हरि शरणम जन द्वारा विशाल श्री कृष्ण होली महोत्सव का भव्य आयोजन शाकुंतलम बैंक्वेट, रामपुर रोड में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महोत्सव का शुभारंभ किया।

इस भक्तिमय एवं सांस्कृतिक आयोजन में कुमाऊं अंचल की पारंपरिक खड़ी होली एवं बैठकी होली की समृद्ध परंपरा का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में श्री रामलीला कमेटी (महिला मण्डल) लोहाघाट तथा श्री रामलीला कमेटी, बिशंग (पुरुष मण्डल) चम्पावत द्वारा खड़ी होली की विशेष प्रस्तुतियां दी गईं। इसके अतिरिक्त नगर एवं क्षेत्र के प्रतिष्ठित बैठकी होली मण्डल श्री राधिका होली ग्रुप, सुर साधना मण्डल, सारथी सहयोग समिति

रामपुर रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में हरि शरणम जन द्वारा आयोजित श्री कृष्ण होली महोत्सव कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देती महिलाएं। • अमृत विचार

मण्डल, प्रगति होली मण्डल, जय इष्ट मण्डल, जय माँ काली मण्डल, एक नई सोच नई उमंग मण्डल, मधुवन महिला होली मण्डल, गौरी माहेश्वर मण्डल, पर्वतीय सांस्कृतिक कला मंच मण्डल, सत्यनारायण क्षेत्र मण्डल, सुभाष नगर मण्डल और हरि शरणम जन की महिलाओं द्वारा अपनी पारंपरिक एवं भक्तिरस से परिपूर्ण होली प्रस्तुतियों द्वारा उपस्थित जनसमूह को आनंदित किया। कार्यक्रम में ब्रज शैली की विशेष प्रस्तुति विवेक शर्मा द्वारा दी गईं। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए श्री ठाकुर जी के सान्निध्य में फूलों की होली का दिव्य आयोजन भी किया गया। संस्था प्रमुख स्वामी राम गोविंद दास भाईजी ने अपने सम्बोधन में समस्त श्रद्धालुओं एवं होली प्रेमियों से सभी प्रकार के नशे से दूर रहने का आग्रह भी किया।

पोर-पोर कंपाती शरद ऋतु धीरे-धीरे सूर्य की उष्णता से तिरोहित होने लगती है। मंद-मंद बहती हुई हवा में ऊर्जा भरी खुनकी तैरने लगती है। बहुत हौले-हौले वातावरण में एक सुरूर छाने लगता है। उतराने लगता है सुरीला नशा और मन में उठने लगतीं हैं अनकही तरंगें। हृदय की धड़कनें तेज होने लगती हैं और उसमें प्रवाहित होने लगती है कोई मोहक धुन। इस धुन में बजने लगती है नई ऋतु। आंखें वातावरण के अदृश्य सम्मोहन में सुर्ख होती चली जाती हैं। सूर्य की किरणों में रंगों के स्फुलिंग उड़ने लगते हैं। पवन-परों पर खुशबू ही खुशबू नाचने लगती हैं। पेड़ों पर खिलखिला उठती है मंजरियां। जिन पेड़ों पर मंजर नहीं आते उनके भी निकल आते हैं हरित-ललित ललछौंहें कोमल-कोमल पत्ते। चित्र-विचित्र बहुरंगे पंखों को नि :शब्द फड़फड़ाती आने लगती हैं खूबसूरत-खूबसूरत तितलियां। गुंजार करने लगती हैं मधुमक्खियां। कोयल की कूक कलेजे में हूक उठाने लगती है। धरती निहाल होती है और मिट्टी भी महक उठती है। चहकती हुई दिशाएं गाने लगती हैं वसंत राग और चतुर्दिक उठने लगता है मादक शोर कि होली आई, होली आई!

डॉ.संजय पंकज
वरिष्ठ साहित्यकार

फागुन का सम्मोहन रंग-गंध का पर्व होली

ऋतु परिवर्तन में इठलाती प्रकृति

रंग-रस-गंध प्रकृति का सहज तथा स्वाभाविक रूप और उल्लास है। बहुरंग, बहुरस और बहुगंध लेकर ऋतु परिवर्तन में प्रकृति जब इठलाती आती है, तो चारों ओर मादकता छा जाती है। प्रकृति के इस नवल बांकपन और उत्सवधर्मी ऐश्वर्य पर मनुष्य क्या, जीव जगत भी मुग्ध हो जाता है। क्रीड़ारत पशु-पक्षियों का समूह किलकारियां भरने लगता है। छोटे-बड़े समस्त पौधों और वृक्षों पर नए-नए पल्लव दल निकल आते हैं। विकसित पुष्प-लताओं में कलियां चटकने लगती हैं, फूल खिलखिलाने लगते हैं। मन में अनगिन इच्छाएं पनपती हुईं आकार लेने के लिए विह्वल हो जाती हैं। रगों में फागुन हिलोरे मारने लगता है, तेज होती हुई धड़कनों में मीठी कसक की झंकृति उठने लगती हैं, पलकों पर मधुआया मौसम बैठ जाता है। दृष्टि के विस्तार में 'नवगति, नवलय, ताल, छंद नव' की स्थिति ही गोचर होने लगती है। मन नाचने को उद्धत, कंठ गाने को बेचैन और नयन प्रकृति को निहारने के लिए आतुर हो उठते हैं।

वसंत अपने आने का संकेत पूरा-पूरा दे देता है। ऋतु बदल जाती है। प्रकृति की विभुता भरी विराट संस्कृति अपनी विविधताओं को केंद्रित करके एकरस कर देती है। यह समरस एकरस शिवत्व से संपन्न होता है। प्रकृति कल्याणप्रद परमात्म तत्व को पूर्ण चैतन्य करके कण-कण में बिखेर देती है। धरती धन्य हो जाती है। दिशाएं उत्फुल्लता से भर जाती हैं। पीले-पीले छोटे-छोटे फूलों से लदी सरसों फलियों से भारी होने लगती हैं। वसंत रंग भर देता है, गंध उड़ेल देता है, रस से पूरित कर देता है। रंग-रस-गंध का मौसम गीत-संगीत-कविता में लहराने लगता है। वसंत के अग्रदूत कवि महाप्राण निराला - सखि वसंत आया/ भरा हर्ष वन के मन

नवोत्कर्ष छाया/ गाते-गाते ढोल, डंफ, झाल, मंजीरा पर गाने लगते हैं - नयनों के डोरे लाल / गुलाल भरी खेली होली।

तो होली आई, होली आई की बोली दिग्दिगंत में गूंजने लगी। हंसी-ठिठोली शुरू हो गई। मंजरियों में रस, स्वर में मिठास, नैनों में मादकता, पैरों में थिरकन और उंगलियों में मधुऋतु की लहरें हिलोर मारने लगीं। कंठ सुरीले हुए, लय में खुले और गीत के शिखर पुरुष आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री की पंक्तियां मुखर हो अंतरिक्ष में प्रक्षेपित हो उठीं-

रंग-तरंगों पर लहराती आती मलय बयार/ फाग-राग सुनसुन गुमसुम मदमाती मलय बयार।

सामाजिक समरसता का पर्व

होली भाईचारा और सामाजिक समरसता का आत्मीय पर्व है। सामाजिक विसंगतियों को पाटने वाला यह पर्व एक-दूसरे के गले मिलकर सामूहिक रूप से प्रसन्नता व्यक्त करता है। अमीर-गरीब सब होली के रंग में एकरूप हो जाते हैं। सही अर्थ में एक दूसरे के हो जाने का ही महापर्व है होली। प्रकृति के सारे उपादान समस्त प्राणियों के लिए होते है। होली इसी बोध को मनुष्य के भीतर जागृत करती है। आबालवृद्ध स्त्री-पुरुष के भाव भरे स्वर सामूहिक रूप से मुखरित गान बन जाते हैं- गले-गले सब मिलकर देखो/ फूलों सा सब खिलकर देखो / देखो सबके मन - प्राणों को/ संवेदन के पांव बचाएं! भाव बचाएं भाव बचाएं!

होली की पौराणिकता

प्रकृति के छलकते हुए उल्लास का पर्व होली है। इसकी परंपरा पौराणिक है। कई रोचक कथाएं हैं। युधिष्ठिर के पूछने पर श्रीकृष्ण ने बताया कि एक स्त्री अभिशाप के कारण ढूंढा नाम की राक्षसी हो गई। वह बच्चों को बहुत सताती है। उसे शिव का वरदान है कि कोई अस्त्र-शस्त्र उसे मार नहीं सकता है। उसे केवल बच्चों के सामूहिक और समवेत उल्लास से ही मारा जा सकता है। बच्चों के इसी अभियान से उस राक्षसी का वध हुआ। तब से फागुन पूर्णिमा पर अग्नि प्रज्ज्वलित कर बच्चों के द्वारा तीन परिक्रमा करने और मंत्रों का जाप करने की परंपरा शुरू हुई। यह कथा संदेश देती है कि बच्चों के भीतर प्रकृत रूप से उल्लास होता है, जिससे विरूपताओं को भी सौंदर्य की सुष्माओं से भर दिया जा सकता है। प्रचलित कथा है कि हिरण्यकशिपु की बहन होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में जलाने के लिए बैठती है। दैवीय कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित बच जाते हैं और होलिका जलकर भस्म हो जाती है। होलिका दुष्ट प्रवृत्ति की परिचारिका है और प्रह्लाद सतत आह्लाद का द्योतक है। तब से ही होलिका दहन की परंपरा शुरू हुई, जिसमें अग्नि के चारों तरफ नाचते हुए लोग सारी रात उल्लास मनाते हैं और सुबह-सुबह एक दूसरे पर उसी आग की राख को मलते हुए बधाइयां देते हैं। फिर तो विधिवत होली की रसमयता प्रवाहित होने लगती है।

आध्यात्मिक महत्व

देवाधिदेव महादेव से जुड़ी हुई कई कथाएं हैं। भगवान शिव ने मदन दहन किया। काम को भस्म करके उन्होंने कभी नहीं समाप्त होने वाली प्रेम की शाश्वत शक्ति को बचाया। शिव-शक्ति अर्धनारीश्वर हैं, एक-दूसरे में अंतर्भुक्त। भूतभावन भोलेनाथ अपने जटाजूट बिखेर कर पूरे शरीर में भरपूर भस्म रमा लेते हैं। कैलाश से उतरकर श्मशान में नृत्यमग्न हो धूम मचाते हैं - मसाने में होली खेले दिगंबर, मसाने में होली खेले। जीवन जनम-मरण के बीच राग-विराग-अनुराग के रंगों में ढलता आनंद यात्रा तय करता है। रंग-रस-गंध के वातावरण में भगवान श्रीकृष्ण ने भी रासलीला की धूम मचाई। जीवात्मा और परमात्मा के एकीकृत हो जाने की आध्यात्मिक चेतना का अमृत रस घोलती हुई होली परमात्म दर्शन को ही उजागर करती है। भक्त भगवान के चरण-शरण में रंग गुलाल डालता आनंद विभोर हो जाता है। होली ऐसा पर्व है, जिसमें कोई रूढ़िबद्ध कर्मकांड नहीं होता है। खेलो खाओ आनंद मनाओ मगर शील, संस्कार, मर्यादा का पालन हो- यही होली का परम सांस्कृतिक उद्देश्य है। जीवन का सौंदर्य पावन आचरण में है। शिष्टाचार की खुशबू में संबंधों का सौंदर्य स्थायी और आनंदमय होता है। होली स्नेह, प्रेम और आशीर्वाद का सचमुच रंग-रस-गंध है।

सांस्कृतिक पर्व

भारत अलग-अलग रंग-रूप बोली-भाषा और खानपान का देश है। यहां प्राकृतिक रूप से भी विभिन्नताएं हैं। बहुत सारी विभिन्नताओं और विभेदों के बावजूद यह देश एक सूत्र में बंधा हुआ है। अनेकता में एकता ही इसका सांस्कृतिक वैराट्य और वैभव है। एक दूसरे को जोड़ती हुई भारतीय संस्कृति सबकी मंगलकामना करती है और साझेपन के साथ अपने मन के उल्लास को अभिव्यक्त करती है। यही उल्लास होली के पर्व में प्राकृतिक परिवेश के साथ तरंगायित्व होता है। राग-अनुराग का स्वर सुर के सुमेरू पर चढ़कर अनेकानेक राग-रागिनियों में पैंगे भरने लगता है। होली का धमाल अद्भुत कमाल करता है, जिसमें सत्य सनातन संस्कृति के प्रतिमान श्रीराम भी चलचित्र के पारिवारिक दृश्य से सुर-ध्वनित होते हैं- होरी खेले रघुवीरा अवध में, होरी खेले रघुवीरा ... यह लोकरंजित गीत आज देश की सीमा से निकलकर विश्व के प्रवासियों का प्रिय होली गीत हो गया है। भारतीय संस्कृति इस गीत के माध्यम से होली के आत्मीय रंग-रस-गंध में विश्व को सराबोर करती है।

रंगोत्सव में डूबा पहाड़

कुमाऊंनी अंचल में खड़ी होली का शुभारंभ हो गया है। इन दिनों पूरा कुमाऊं रंगोत्सव के आगोश में डूब गया है। यहां के गांवों और नगर-कस्बों में राग-रंग के उत्सव होली की धूम मच गई है। जगह-जगह खड़ी होली की महफिलें जुटने लगी हैं।

होली भारत के प्राचीनतम त्योहारों में शामिल है। लिहाजा होली पूरे भारत में मनाई जाती है। भारत के अलग-अलग हिस्सों में होली मनाने का अंदाज अलग है। स्थानीय इतिहास, मान्यता और परंपराओं के मुताबिक समय और क्षेत्र के अनुसार होली का स्वरूप बदल जाता है। होली की इस विविधता को कुमाऊं अंचल में बेहतर तरीके से समझा और अनुभव किया जा सकता है। भारत के दूसरे क्षेत्रों की बरअक्स कुमाऊं की होली का रंग कुछ अलग है, निराला है। यहां होली महज एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि महीनों चलने वाला सांस्कृतिक लोक उत्सव है। पहाड़ के कई क्षेत्रों में पूस के पहले इतवार से रामनवमी तक होली की बैठकें जमती हैं। कुमाऊं की होली में हुड़दंग नहीं है, बल्कि राग-रागनियों की सामूहिक अभिव्यक्ति है। परालौकिक विश्वास है। यहां की होली में स्थानीय परंपराओं, मान्यताओं और मिथकों का समावेश है। सरलता, उन्मुक्तता और आत्मीयता है। रंगों के द्वारा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से रिश्ता कायम रखने की कोशिश है। होली, लोक मानस में निहित आस्था की सशक्त अभिव्यक्ति है।

प्रयाग पांडे
नैनीताल

कुमाऊं की होली में प्रत्येक कालखंड के सामाजिक इतिहास, परंपरा, धर्म और संस्कृति के गहरे रंग दिखाई देते हैं। यहां की होली के गीतों में यथार्थ और कल्पना का अनोखा मिश्रण है। कुमाऊं की होली के गीतों में भक्ति, रस, कला, माधुर्य, आमोद-प्रमोद और हंसी-ठिठोली का अद्भुत समावेश है। देवताओं से जुड़े ज्यादातर होली गीतों की विषय-वस्तु पौराणिक आख्यान से जुडी है। रामायण और महाभारत के अनेक प्रसंग भी होली गीतों की विषय-वस्तु बने हैं।

कुमाऊंनी होली में ब्रज और उर्दू का गहरा प्रभाव है। विशुद्ध स्थानीय भाषा-बोली में होली के गीत बहुत कम हैं। बावजूद इसके यहां की होली के गीतों में आंचलिक और सांस्कृतिक विशिष्टता साफ झलकती है। देश के दूसरे हिस्सों में प्रचलित होलियों से मिलती-जुलती होते हुए भी कुमाऊंनी होली कई मायनों में अनोखी है। भारत के दूसरे हिस्सों में होली राग-रंग और उल्लास का पर्व है, लेकिन कुमाऊंनी होली में राग-रंग, उल्लास के साथ गीत, संगीत और नृत्य पक्ष भी जुड़ा है।

डिजिटल युग: परंपरा और तकनीक का रंगीन संगम

बदलते समय के साथ होली मनाने के तरीकों में भी बदलाव आया है। आज तकनीक और सोशल मीडिया ने इस पारंपरिक पर्व को एक नया, आधुनिक आयाम दे दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, वर्चुअल इवेंट्स और ऑनलाइन ट्रेंड्स ने होली को वैश्विक स्तर पर जोड़ने का माध्यम बना दिया है। अब रंग केवल गलियों में ही नहीं, बल्कि स्क्रीन पर भी बिखर रहे हैं। आज की डिजिटल होली में वर्चुअल कलर प्ले एक नया आकर्षण बनकर उभरा है। इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) फिल्टर की मदद से लोग बिना वास्तविक रंगों के भी रंगीन प्रभाव तैयार कर रहे हैं। ये फिल्टर तस्वीरों और वीडियो में गुलाल, पिचकारी और रंग-बिरंगे इफेक्ट जोड़कर उत्सव का अनुभव कराते हैं। इससे न केवल सुरक्षित तरीके से होली मनाई जा सकती है, बल्कि दूर बैठे लोग भी उत्सव का हिस्सा बन सकते हैं।

संगीत के बिना होली अधूरी

संगीत के बिना होली अधूरी है और डिजिटल माध्यमों ने इसे और भी सुलभ बना दिया है। ऑनलाइन म्यूजिक जैम्स, लाइव डीजे सेशन और क्यूरेटेड होली प्लेलिस्ट के जरिए लोग घर बैठे ही त्योहार का माहौल बना लेते हैं। वीडियो कॉल के माध्यम से मित्र और परिवार एक साथ जुड़कर नृत्य और गीत-संगीत का आनंद लेते हैं। इस तरह भौगोलिक दूरी उत्साह में बाधा नहीं बनती। डिजिटल ठंडाई और नाश्ता सेशन भी आजकल लोकप्रिय हो रहे हैं। लोग ऑनलाइन सभाओं का आयोजन करते हैं, जहां हर कोई अपने घर से गुजिया, ठंडाई और अन्य पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेता है। कैमरे के जरिए साझा की गई मुस्कानें और शुभकामनाएं, त्योहार की आत्मीयता को जीवित रखती हैं। इसके साथ ही होली-थीम वाली गेमिंग नाइट्स, जैसे ऑनलाइन अंताक्षरी, पिक्शनरी और लूडो मिलकर खेलने और जुड़ने का नया जरिया बन गई हैं।

सोशल मीडिया और होली

सोशल मीडिया ने होली के उत्सव को और भी व्यापक बना दिया है। होली रील्स और शॉर्ट वीडियो चैलेंज आजकल ट्रेंड में रहते हैं। #HoliVibes, #ColorSplashChallenge और #DigitalHoli जैसे हैशटैग लोगों को रचनात्मक वीडियो बनाने और साझा करने के लिए प्रेरित करते हैं। ऑगमेंटेड रियलिटी फिल्टर और डिजिटल रंगोली मेकर ने उत्सव को कलात्मक रूप दिया है, जिससे उपयोगकर्ता अपनी कल्पनाशक्ति को नई उड़ान दे सकते हैं।

इसके साथ ही पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी डिजिटल होली का अहम हिस्सा बन गई है। कंटेंट क्रिएटर्स DIY प्राकृतिक रंग बनाने के तरीके और होली स्पेशल रेसिपीज साझा करते हैं। वहीं, ब्यूटी और लाइफस्टाइल विशेषज्ञ होली के बाद त्वचा और बालों की देखभाल के सुझाव देते हैं। मंदिरों और प्रमुख शहरों में आयोजित भव्य होली समारोहों की लाइव स्ट्रीमिंग ने भी इस पर्व को वैश्विक बना दिया है। वृंदावन, बरसाना और मथुरा से प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से लोग दुनिया के किसी भी कोने से आध्यात्मिक होली का अनुभव कर सकते हैं। आने वाले समय में वर्चुअल रियलिटी, एआई-निर्मित शुभकामनाएं और मेटावर्स पार्टियां होली के उत्सव को और भी रोचक बना सकती हैं। हालांकि माध्यम बदल रहे हैं, पर होली का मूल संदेश प्रेम, एकता और आनंद आज भी उतना ही प्रासंगिक है। डिजिटल नवाचारों ने इस परंपरागत पर्व को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, जहां रंग अब सीमाओं से परे फैल रहे हैं।

डिजिटल युग और दिल का संकट

21 वीं सदी को डिजिटल क्रांति का युग कहा जाता है। स्मार्टफोन, इंटरनेट, लैपटॉप, स्मार्टवॉच और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों ने मानव जीवन को बेहद आसान और तेज बना दिया है। आज हम घर बैठे काम कर सकते हैं, ऑनलाइन पढ़ सकते हैं, खरीदारी कर सकते हैं और दुनियाभर की जानकारी कुछ ही सेकंड में पा सकते हैं, लेकिन इस डिजिटल सुविधा का एक दूसरा पहलू भी है स्वास्थ्य पर इसका गहरा प्रभाव। विशेष रूप से हृदय स्वास्थ्य पर डिजिटल जीवनशैली का असर तेजी से सामने आ रहा है। यही कारण है कि आधुनिक चिकित्सा जगत में "डिजिटल लाइफस्टाइल डिजीज" शब्द प्रचलित हो गया है, जिसमें हृदय रोग प्रमुख स्थान रखता है।

डॉ. अर्चना श्रीवास्तव
चिकित्सक, लखनऊ

डिजिटल युग की सबसे बड़ी विशेषता है कम शारीरिक श्रम और अधिक स्क्रीन समय। पहले लोग काम के लिए चलते-फिरते थे, अब अधिकांश कार्य कंप्यूटर या मोबाइल पर बैठकर हो जाते हैं। मनोरंजन भी अब मैदान या पार्क की बजाय मोबाइल स्क्रीन पर सिमट गया है। बच्चे से लेकर बुज़ुर्ग तक सभी डिजिटल उपकरणों पर निर्भर हो गए हैं। यह निर्भरता धीरे-धीरे शरीर की प्राकृतिक सक्रियता को कम कर देती है।

शारीरिक निष्क्रियता: हृदय का सबसे बड़ा दुश्मन

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए शरीर का सक्रिय रहना जरूरी है। जब हम चलते, दौड़ते या व्यायाम करते हैं, तब हृदय तेजी से रक्त पंप करता है और रक्त वाहिकाएं मजबूत बनती हैं, लेकिन डिजिटल जीवनशैली में लंबे समय तक बैठना सामान्य बात हो गई है। ऑफिस का काम, ऑनलाइन क्लास, वीडियो देखना और सोशल मीडिया, इन सबके कारण व्यक्ति घंटों तक एक ही जगह बैठा रहता है। इस निष्क्रियता से मोटापा, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जो हृदय रोग के मुख्य कारण हैं। डॉक्टरों के अनुसार लंबे समय तक बैठना "नया धूम्रपान" कहा जाने लगा है, क्योंकि इसका असर भी उतना ही खतरनाक हो सकता है।

मानसिक तनाव और डिजिटल दबाव

डिजिटल युग ने केवल शरीर ही नहीं, मन को भी प्रभावित किया है। सोशल मीडिया पर तुलना, लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़, लगातार ऑनलाइन रहने का दबाव और काम की बढ़ती प्रतिस्पर्धा ये सब मानसिक तनाव को बढ़ाते हैं। लगातार तनाव में रहने से शरीर में स्ट्रेस हार्मोन बढ़ जाते हैं, जिससे रक्तचाप और हृदय गति तेज हो जाती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे, तो हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं और दिल के दौरे का खतरा बढ़ सकता है।

नींद की कमी: डिजिटल आदतों का परिणाम

रात में मोबाइल चलाने या देर तक स्क्रीन देखने की आदत आज आम हो गई है। इससे नींद का समय कम हो जाता है और नींद की गुणवत्ता भी खराब होती है। नींद की कमी से शरीर की मरम्मत प्रक्रिया प्रभावित होती है, हार्मोन असंतुलित होते हैं और रक्तचाप बढ़ सकता है। पर्याप्त नींद न लेना हृदय रोग के जोखिम को कई गुना बढ़ा देता है। विशेषज्ञों के अनुसार स्वस्थ हृदय के लिए प्रतिदिन 7-8 घंटे की नींद आवश्यक है।

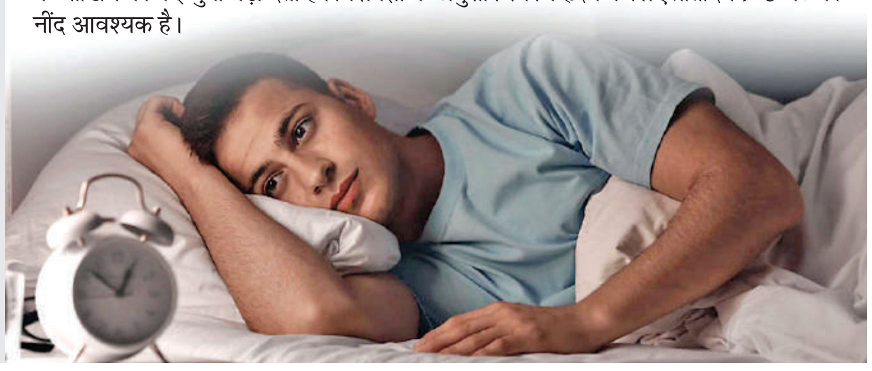

कैसे रखें दिल को स्वस्थ

- स्क्रीन टाइम सीमित करें- हर दिन मोबाइल और कंप्यूटर उपयोग का समय निर्धारित करें और बीच-बीच में ब्रेक लें।
- नियमित व्यायाम- रोज कम से कम 30 मिनट चलना, योग या खेल गतिविधियां हृदय को मजबूत बनाती हैं।
- डिजिटल डिटॉक्स- दिन में कुछ समय बिना मोबाइल या इंटरनेट के बिताएं ताकि मन और शरीर को आराम मिले।
- संतुलित आहार- घर का बना पौष्टिक भोजन लें और जंक फूड से दूरी बनाएं।
- पर्याप्त नींद- सोने से कम से कम एक घंटा पहले स्क्रीन से दूर रहें।
- नियमित स्वास्थ्य जांच- ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की समय-समय पर जांच कराएं।

डिजिटल भोजन संस्कृति और हृदय

ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप्स ने जंक फूड को बेहद आसान और सुलभ बना दिया है। अब पौष्टिक भोजन बनाने की बजाय लोग तुरंत मिलने वाले तले-भुने और अधिक नमक-चीनी वाले खाद्य पदार्थ मंगाना पसंद करते हैं। ऐसे भोजन में संतृप्त वसा और ट्रांस फैट अधिक होता है, जो रक्त वाहिकाओं में जमा होकर उन्हें संकरा कर देता है। इससे हृदय को रक्त पंप करने में अधिक मेहनत करनी पड़ती है और हृदय रोग की संभावना बढ़ जाती है।

डिजिटल लत और सामाजिक अलगाव

डिजिटल उपकरणों की लत व्यक्ति को वास्तविक दुनिया से दूर कर देती है। लोग परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने की बजाय स्क्रीन पर समय बिताने लगे हैं। सामाजिक अलगाव मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, जिससे अवसाद और चिंता बढ़ सकती है। मानसिक असंतुलन का सीधा प्रभाव हृदय पर पड़ता है, क्योंकि मन और हृदय का संबंध गहरा होता है।

समझदारी ही बचाव

हृदय रोग अचानक नहीं होता, यह धीरे-धीरे विकसित होता है और शरीर पहले से संकेत देता है जैसे जल्दी थकान, सांस फूलना, सीने में दबाव या अनियमित धड़कन। यदि इन संकेतों को समय रहते पहचान लिया जाए, तो गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है। इसलिए डिजिटल सुविधाओं का उपयोग समझदारी से करना और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना अत्यंत आवश्यक है। डिजिटल युग मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसका अंधाधुंध उपयोग हमारे हृदय के लिए खतरा बनता जा रहा है। तकनीक स्वयं समस्या नहीं है, समस्या उसका असंतुलित उपयोग है। यदि हम डिजिटल सुविधाओं के साथ संतुलित जीवनशैली अपनाएं जैसे नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार, पर्याप्त नींद और तनाव नियंत्रण तो हम आधुनिक भी रह सकते हैं और स्वस्थ भी।

हमको यह समझना होगा कि हम तकनीक को अपना सेवक बनाएं, मालिक नहीं। क्योंकि दिल स्वस्थ रहेगा, तभी डिजिटल दुनिया का आनंद सच में लिया जा सकेगा।

युवाओं में बढ़ता खतरा

डिजिटल युग का सबसे अधिक प्रभाव युवाओं पर पड़ रहा है। पढ़ाई, गेमिंग, सोशल मीडिया और ऑनलाइन काम के कारण युवा वर्ग का अधिकांश समय स्क्रीन के सामने बीतता है। कम उम्र में ही मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। यही कारण है कि अब 30–40 वर्ष की आयु में भी हृदयाघात के मामले सामने आ रहे हैं। यह स्थिति बताती है कि यदि समय रहते सावधानी न बरती जाए, तो आने वाले वर्षों में हृदय रोग महामारी का रूप ले सकता है।

ट्रिकोटिलोमेनिया : बाल नोचने की मानसिक चुनौती

किशोरावस्था जीवन का वह दौर है, जब मन और मस्तिष्क दोनों तेजी से बदलावों से गुजरते हैं। इसी संवेदनशील उम्र में कई बार कुछ आदतें या व्यवहार ऐसे विकसित हो जाते हैं, जिन्हें परिवार और समाज सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देता है, जबकि वे किसी गहरी मानसिक समस्या का संकेत हो सकते हैं। ऐसी ही एक स्थिति है ट्रिकोटिलोमेनिया, जिसे आम भाषा में 'बाल नोचने की बीमारी' कहा जाता है।

डॉ. रश्मि मोघे हिरवे
मनोचिकित्सक

ट्रिकोटिलोमेनिया क्या है

ट्रिकोटिलोमेनिया एक आवेग-नियंत्रण विकार (Impulse Control Disorder) है। इसमें व्यक्ति को अपने सिर, भौंहों, पलकों या शरीर के अन्य हिस्सों के बाल खींचने की तीव्र और बार-बार इच्छा होती है। कई बार व्यक्ति बाल खींचने के बाद तनाव में कमी या क्षणिक राहत महसूस करता है, जिससे यह व्यवहार आदत का रूप ले लेता है।

प्रमुख लक्षण

- बार-बार बाल खींचना और स्पष्ट खाली पैच बन जाना।
- बाल खींचने से पहले बेचैनी या तनाव महसूस होना।
- बाल खींचने के बाद राहत या संतोष का अनुभव।
- खींचे गए बालों को चबाना, निगलना या उनसे खेलना।
- बालों को छिपाने के लिए टोपी, दुपट्टा या मेकअप का सहारा लेना।
- सामाजिक, शैक्षणिक या व्यावसायिक जीवन में कठिनाई।

संभावित कारण

हालांकि इसके सटीक कारण पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार कई कारक मिलकर इस विकार को जन्म दे सकते हैं-

- आनुवांशिक प्रवृत्ति : परिवार में ऑब्सेसिव कम्पल्सिव डिसऑर्डर (OCD) या अन्य मानसिक विकार का इतिहास।
- मस्तिष्क रसायनों का असंतुलन : विशेष रूप से सेरोटोनिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर में बदलाव।
- तनाव और चिंता : परीक्षा का दबाव, पारिवारिक कलह या भावनात्मक आघात।
- भावनात्मक उथल-पुथल : अकेलापन, असुरक्षा या आत्मसम्मान की कमी।
- किशोरों और बच्चों में यह समस्या अक्सर चुपचाप पनपती है, क्योंकि वे शर्म या डर के कारण इसे साझा नहीं कर पाते।

उपचार और प्रबंधन

सकारात्मक पहलू यह है कि ट्रिकोटिलोमेनिया का इलाज संभव है। सही समय पर हस्तक्षेप से व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है।

मनोचिकित्सा

व्यावहारिक संज्ञानात्मक चिकित्सा (CBT) को सबसे प्रभावी उपचार माना जाता है। इसके अंतर्गत 'हैबिट रिवर्सल ट्रेनिंग' (Habit Reversal Training) तकनीक सिखाई जाती है, जिससे व्यक्ति अपनी आदत को पहचानकर उसे नियंत्रित करना सीखता है।

दवाइयां

कुछ एंटीडिप्रेसेंट या अन्य साइकेट्रिक दवाएं लक्षणों की तीव्रता कम करने में सहायक हो सकती हैं। दवा का सेवन विशेषज्ञ की निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

एक किशोर की कहानी

13 वर्षीय राहुल (परिवर्तित नाम) पढ़ाई में होनहार था, लेकिन भीतर ही भीतर एक अनकही परेशानी से जूझ रहा था। उसे बार-बार अपने बालों को छूने और खींचने की तीव्र इच्छा होती थी। शुरुआत में यह सिर्फ एक-दो बाल तक सीमित था, पर धीरे-धीरे यह आदत अनियंत्रित होने लगी। वह पढ़ते समय, टीवी देखते हुए, यहां तक कि अनजाने में भी बाल खींचने लगता। कुछ महीनों बाद उसके सिर पर असमान खाली पैच बनने लगे। शर्मिंदगी के कारण उसने टोपी पहनना शुरू कर दिया और दोस्तों से दूरी बनाने लगा। जब उसकी मां ने यह बदलाव देखा और पूछताछ की, तो राहुल ने हिचकते हुए अपनी आदत के बारे में बताया। बाल रोग विशेषज्ञ से परामर्श के बाद उसे मनोचिकित्सक के पास भेजा गया, जहां स्पष्ट हुआ कि वह ट्रिकोटिलोमेनिया से ग्रस्त है।

ट्रिकोफेजिया: जब आदत बन जाए खतरा

ट्रिकोटिलोमेनिया से जुड़ी एक गंभीर स्थिति है ट्रिकोफेजिया, जिसमें व्यक्ति अपने बाल खाने लगता है। लंबे समय तक ऐसा करने पर पेट में बालों की गांठ बन सकती है, जिसे रैपुन्जेल सिंड्रोम कहा जाता है। यह स्थिति पेट दर्द, उल्टी, वजन घटने और आंतों में रुकावट जैसी जटिल समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। गंभीर मामलों में सर्जरी द्वारा बालों की इस गांठ (ट्राइकोबिजोअर) को निकालना पड़ता है।

पारिवारिक सहयोग

परिवार का समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण है। डांट-फटकार या शर्मिंदा करने के बजाय समझ और संवेदनशीलता से काम लेना चाहिए। राहुल ने नियमित थेरेपी और दवाओं की मदद से अपनी भावनाओं को समझना और तनाव से निपटने के स्वस्थ तरीके सीख लिए। धीरे-धीरे उसने बाल खींचने की आदत पर काबू पा लिया और उसका आत्मविश्वास लौट आया।

जागरूकता ही बचाव

बाल नोचने की आदत को अक्सर 'बुरी आदत' समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि यह एक मानसिक स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। समय रहते पहचान और उपचार से इस विकार को नियंत्रित किया जा सकता है। यदि आपके परिवार या परिचितों में किसी बच्चे या किशोर में ऐसे लक्षण दिखाई दें, तो विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लें। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बातचीत करना और सहायता लेना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष – यह सप्ताह उत्साह और खुशियों के रंग भरने वाला है। आपको रोजगार और करियर व्यवसाय आदि के भी बेहतर अवसर मिलेंगे। अपनी प्रबंधन क्षमता से आप बड़ी सफलता प्राप्त कर पाएंगे। इस सप्ताह आपको अपने कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

वृष – यह सप्ताह लाभदायक और अनुकूल रहेगा, लेकिन इनको अपनी वाणी पर संतुलन करना होगा। इस सप्ताह यात्रा का भी संयोग बन रहा है। आपको मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कामकाज के बीच मौज मस्ती का भी माहौल रहेगा।

मिथुन – यह सप्ताह लाभदायक रहेगा, लेकिन काम का दबाव अधिक होने से मानसिक परेशानी बनी रहेगी। करियर या व्यवसाय के सिलसिले में लंबी या छोटी दूरी की यात्रा संभव है। इस दौरान आपको परिवार और दोस्तों का पूरा सहयोग मिलेगा। आपकी किसी समस्या और चिंता का समाधान होगा।

कर्क – यह सप्ताह लाभ और सफलता प्रदान करेगा। कारोबार और व्यापार में आपकी कमाई बढ़ने वाली है। भूमि-भवन संबंधी विवाद सुलझाने में किसी वरिष्ठ या शुभचिंतक से सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम संबंध में सावधानी से कदम बढ़ाएं, अति उत्साह से आपको बचना चाहिए।

सिंह – इस सप्ताह भाग्य के भरोसे बैठने की गलती न करें, अन्यथा हाथ आया मौका निकल सकता है। बिजनेस में कड़ी चुनौती मिल सकती है। सप्ताह के मध्य में आपके परिवार के किसी सदस्य की ओर से आपको अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे मन आनंदित हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ आपका प्रेम और तालमेल बना रहेगा।

कन्या – इस सप्ताह कोई भी बड़ा फैसला लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। आपको अनुभवी और वरिष्ठ लोगों से सलाह लेकर ही कोई भी बड़ा कदम उठाना चाहिए। पैतृक संपत्ति संबंधी विवाद से आपको बचना चाहिए। सप्ताह के मध्य भाग आपके लिए खर्चीला रहेगा। सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों पर धन खर्च हो सकता है।

तुला – यह सप्ताह सुखद रहने वाला है। वैसे सप्ताह की शुरुआत में घर की जरूरतों से जुड़ी चीजों की खरीदारी और घर की व्यवस्था पर धन खर्च होने वाला है। आपके घर मित्रों और सगे संबंधियों के आगमन का भी संयोग बन रहा है, जिसकी वजह से भी आपकी व्यस्तता बनी रहेगी। व्यापारियों को बाजार में फंसा पैसा निकालने में परेशानी होगी।

वृश्चिक – इस सप्ताह आलस्य और अहंकार से आपको बचना होगा। कारोबारियों को अधिक व्यस्त रहेंगे और लेकिन कमाई बढ़ने से मन हर्षित होगा। पारिवारिक जीवन में आपको जीवनसाथी और पिता से पूरा सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों को परीक्षा प्रतियोगिताओं में सफलता के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता होगी।

धनु – इस सप्ताह आपके ऊपर कार्यक्षेत्र के साथ ही पारिवारिक जिम्मेदारियों का भी दबाव रहेगा। वैसे यह समय आपके करियर और बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए भी शुभ साबित होगा। नौकरीपेशा लोग जो किसी अच्छे मौके की तलाश में थे, उनकी इच्छा इस हफ्ते पूरी हो सकती है। व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा सुखद और लाभदायक साबित होगी।

मकर – इस सप्ताह अपनी सेहत और रिश्तों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी। परिवार के किसी सदस्य के साथ चल रहा तनाव दूर सकता है। कार्यस्थल पर सीनियर या जूनियर से अपेक्षित सहयोग मिलने से आपका काम सुचारू रूप से चलेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से आप न केवल पारिवारिक बल्कि व्यावसायिक समस्याओं का भी समाधान ढूंढने में सफल रहेंगे।

कुंभ – यह सप्ताह शत्रुओं और विरोधियों से सतर्क रहना चाहिए। कुछ लोग सामने से मित्र बनेंगे लेकिन पीछे आपको नुकसान पहुंचाने की ताक में रहेंगे। आपको परिवार के साथ मनोरंजक समय बिताने का मौका मिलेगा। घर की व्यवस्था और साज-सज्जा पर आपको धन भी खर्च करना होगा। घर पर मित्रों और मेहमानों का आगमन हो सकता है।

मीन – इस सप्ताह कोई भी बड़ा निर्णय लेते समय घर के बड़ों और अनुभवी लोगों से सलाह जरूर कर लेना चाहिए। बिजनेस में भी आपको बहुत सावधानी से आगे बढ़ने की जरूरत है वरना नुकसान हो सकता है। आपको अपने कारोबार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। परिवार में आपको वाणी और क्रोध पर नियंत्रण करने की जरूरत है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 48

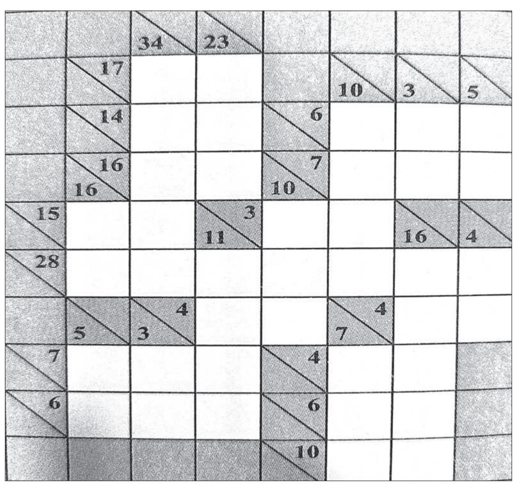

काकुरो 47 का हल

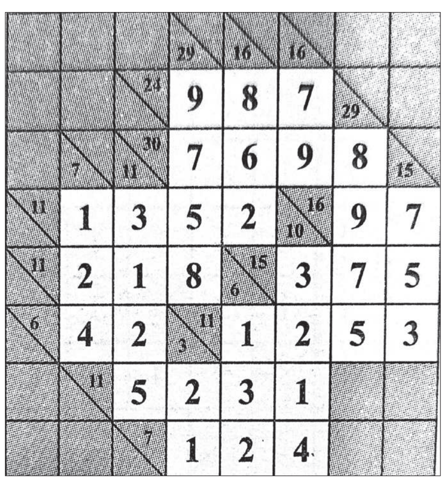

हास्य कथा

कविवर मस्ताना की मस्तानी होली

वैसे तो होली का त्योहार सभी को प्रिय होता है, लेकिन जिन सौभाग्यशाली व्यक्तियों को ससुराल की साली के संग होली का त्योहार मनाने का मौका मिले तो फिर कहने की क्या? उनके लिए तो वह विशेष होली यादगार होली बने बिना नहीं रह सकती। ऐसा ही एक मौका इस बार होली पर कविवर मिठाई लाल 'मस्ताना' को भी मिला। मस्ताना जी यथा नाम तथा गुण के थे और उनमें मस्तानों जैसी सारी विधाएं विद्यमान थीं। उनकी अभी नई-नई शादी हुई थी। वह शादी से इतने ज्यादा प्रसन्न नहीं थे, जितना इस बात से कि उनको ऊपर वाले ने ससुराल में एक नहीं, अनेक सालियां प्रदान कीं थीं। शादी के बाद यह उनकी पहली होली थी। होली के एक सप्ताह पहले से ही वह यह सोच-सोच कर दीवाने होने लगे थे कि इस बार होली वाले दिन उन्हें अपनी ढेर सारी सालियों के साथ होली खेलने का मौका मिलेगा।

डॉ. देशबंधु
बाल साहित्यकार

अभी तक तो उन्होंने केवल पढ़ा और सुना ही था कि ससुराली सालियों के साथ होली खेलने की कितनी सुखद अनुभूति होती है? लेकिन इस बार वह यथार्थ में इस अनुभूति का अनुभव करने वाले थे। उस दिन वह इन्हीं विचारधाराओं के समंदर में गोते लगाते हुए सालियों के साथ होली खेलने की रूप रेखा तैयार करने में व्यस्त थे कि अचानक उनका मोबाइल चिल्ला उठा। इतने महत्वपूर्ण कार्य में व्यवधान पड़ने पर उनका गुस्से से लाल-पीला होना स्वाभाविक ही था। मन ही मन मोबाइल पर 'काल' करने वाले को बुरा भला कहते हुए वह लपककर मेज पर पहुंचे और मोबाइल के स्क्रीन पर फोन करने वाले का नाम पढ़ने लगे। नाम देखते ही उनका गुस्सा ऐसे गायब हुआ, जैसे "गधे के सिर से सींग"। एक अजीब सी मुस्कराहट उनके गोल मटोल चेहरे पर तैरने लगी। दरअसल फोन उनकी छोटी साली अप्सरा का था। अपना निचला होंठ दबाते हुए उन्होंने अपने मोबाइल का स्विच खोला और प्यार से बोले,- "हैलो अप्सरा, कैसी हो? मैं तो तुम्हारे बारे में ही सोच रहा था।" "अरे वाह, हम लोग तो सोच रहे थे कि जीजू हमें याद ही नहीं करते। हमने फोन इसीलिए किया था जीजू कि परसों होली है न। और आप जानते हैं कि इस बार हम अपने जीजू के साथ होली खेलेंगे। आपको यह याद दिलाना था कि परसों आप अपनी ससुराल में अपनी सालियों से मिलने जरूर आइएगा ताकि वे अपने जीजू को प्यार भरे रंग से सराबोर कर सकें।" फोन पर अप्सरा ने हंसते हुए कहा। "तुम हमें रंगोगी? नहीं... नहीं..., हमें यह रंग-वंग अच्छा नहीं लगता। हमें तो बस बोलना, बतियाना और ढेर सारे पकवान खाना अच्छा लगता है। तुम्हें भी बताए देते हैं कि इस रंग-गुलाल बगैरा से जीजू को दूर ही रखना। वैसे मैं तुम्हें बता दूं कि जब रंग चलना बंद हो जाएगा, उसके बाद मैं आऊंगा, ताकि तुम लोग मुझे रंग न सको।" जीजू ने एक अनोखी मुस्कान बिखेरते हुए कहा। "अरे जीजू, यह कोई वैसा रंग थोड़े ही होगा। यह तो होगा आपकी प्यारी-प्यारी सालियों के प्यार का रंग, जिसको पाने के लिए अच्छे-अच्छे तरसते हैं। आप इतने भाग्यशाली हैं कि आपको एक नहीं, कई सालियों के प्यार का रंग नसीब हो रहा है और आप हैं कि उसे स्वीकारना ही नहीं चाहते। वैसे भी यह रंग आपके शरीर और कपड़ों को नहीं वरन् आपके मन और हृदय को ऐसा रंगीन कर देगा कि आप उस रंग को कभी छुड़ा भी नहीं पाएंगे।" अप्सरा ने थोड़ा इतराते हुए जब यह बात फोन पर कही तो जीजू ने अपने सारे हथियार डाल दिए और अपने आपको एक हारे हुए पहलवान की तरह साबित करते हुए कहा,-"जब तुम लोग इतना आग्रह कर ही रहे हो तो मुझे आना ही पड़ेगा। आऊंगा भाई, जरूर आऊंगा। तुम्हारा यह 'मस्ताना' जीजू होली वाले दिन अपनी सालियों को ऐसा रंग लगाने आएगा कि यह होली तुम सबके लिए एक यादगार होली बन जाएगी।" यह कहकर उन्होंने मोबाइल बंद कर दिया।

मारे खुशी के कवि मस्ताना गुब्बारे की तरह फूलकर कुप्पा हुए जा रहे थे। वह मन ही मन सोच रहे थे कि होली वाले दिन रंग बंद हो जाने के बाद वह ससुराल जाएंगे ताकि लोग यह समझेंगे कि अब तो जीजू रंग खेलेंगे नहीं! और फिर वह चुपचाप अपनी जेब से रंग की पुड़िया खोलकर सालियों के सिर पर उड़ेल देंगे। यह विचार मन में आते ही उनकी आंखे बंद होने लगीं, जैसे वह अपने मन की आंखों से इस दृश्य का वास्तविक आनंद ले रहे हों। होली वाले दिन सुबह से ही रंग चलना शुरू हो गया था, लेकिन कवि मस्ताना को इस होली में बिल्कुल भी आनंद नहीं आ रहा था। वह तो सोच रहे थे कि कब रंग चलना बंद हो और कब वह अपनी ससुराल में अपनी प्रिय सालियों के साथ होली का अदभुत मजा ले सकें। जैसे-तैसे इंतजार की घड़ियां खत्म हुई। दोपहर के बाद रंग चलना बंद हो गया था। मस्ताना जी ने एक पुराना, लेकिन साफ़ प्रेस किया हुआ सफेद पैजामा कुर्ता निकालकर पहना और लंबे-लंबे डग भरते हुए ससुराल की ओर बढ़ने लगे। कुछ ही मिनटों में वह अपनी ससुराल के दरवाजे पर खड़े थे। उन्होंने हाथ बढ़ाकर दरवाजे के एक कोने में लगी घंटी बजाई। कुछ ही पल में उनकी सबसे छोटी साली अप्सरा ने दरवाजा खोला। दरवाजे पर जीजू को देखकर वह मारे खुशी के उछलती हुई बोली, "अरे जीजू, आपने कितनी देर कर दी? हम लोग न जाने कब से आपका इंतजार कर रहे हैं। आइए, अंदर आइए।"

जीजू ने नपे तुले कदमों से अंदर कदम रखा। वह जासूसों जैसी दृष्टि से चारों ओर नजर दौड़ाते हुए चल रहे थे। उन्हें डर था कि कहीं सालियों ने कोई रंग उड़ेलने की व्यवस्था न कर रखी हो। जब वह बैठक के दरवाजे पर पहुंच गए, तो उन्हें संतोष हुआ कि सब कुछ ठीक ठाक है। कहीं कोई गड़बड़ नहीं है। "आइए न जीजू, आप आज यह चल कैसे रहे हैं? क्या पैर में कोई तकलीफ है?" जब अप्सरा ने उन्हें इस प्रकार से चलते हुए देखा तो जिज्ञासावश पूछ ही लिया। "नहीं...नहीं...ऐसा कुछ नहीं है। काफी दिनों के बाद आया हूं न, इसीलिए चारों ओर की सजावट देख रखा हूं। वाह... ! तुम लोगों ने अपने जीजू के स्वागत में घर को कितने सुंदर ढंग से सजा रखा है? भई, सालियां हों तो तुम्हारे जैसी। वे लोग अभागे होते होंगे, जिनकी ससुराल में सालियां नहीं होती होंगी।" यह कहते-कहते वह बैठक में सफेद चादर से बिछी चारपाई पर धमककर बैठ गए। जैसे ही वह बैठे, "छपाक" की जोरदार आवाज ने सबको डरा दिया। मस्ताना जीजू का आधा शरीर चारपाई के अंदर, मय चादर सहित धंसा पड़ा था। यह देखकर सभी सालियों ने ठहाका लगाकर हंसना शुरू कर दिया। जीजू की तो हालत ही खराब थी। उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि यह सब हो क्या गया है? उनकी तो सारी योजना ही चौपट हो गई थी। वह आए तो थे सालियों को रंगने, लेकिन सालियों ने तो उनकी योजना का तख्ता ही पलट दिया था। जैसे-तैसे वह उठे और पीछे मुड़कर देखा तो सारी कहानी समझ में आ गयी।

दरअसल सालियों ने बीच में टूटी चारपाई के नीचे एक बड़ा सा रंग से भरा टब रखा था और ऊपर से सफेद चादर चारपाई पर बिछा दी थी। मस्ताना जीजू जैसे ही चारपाई पर बैठे, वह सीधे रंग भरे टब में समा गए। उन्हें रंग से सराबोर देखकर सालियों की हंसी के मारे आवाज ही नहीं निकल पा रही थी। तभी अप्सरा बोल पड़ी-"आज होली वाले दिन अपने जीजू को रंगे बिना तो हम लोगों की होली सूनी ही रहती। यह कैसे हो सकता था भला? हम लोगों ने अपनी होली सूनी नहीं रहने दी जीजू। फिर होली में तो कोई बुरा मानता नहीं है। आप भी नहीं मानेंगे न जीजू?" अब जीजू क्या कहते बेचारे? खिसियानी बिल्ली कि तरह बस अपनी बत्तीसी दिखाकर रह गए, लेकिन कुछ समय पहले "भगवान मिलाए ऐसी सालियों से" कहने वाले जीजू अब मन ही मन कह रहे थे, "भगवान बचाए ऐसी सालियों से... !" निश्चय ही उनके और उनकी सालियों के लिए यह यादगार होली थी।

काव्य

फागुनी मस्ती में

उड़ेंगे रंग गुलाल, फागुनी
मस्ती में।
आएंगे नंदलाल फागुनी
मस्ती में।
मन-आंगन की खिड़की
खोले,
राधा तितली बनकर डोले।
सखी सहेली रंग उडाएं,
कान्हा जी को पकड़ लगाएं।
बजेंगे ढोल और झांझ,
हमारी बस्ती में।
उड़ेंगे रंग गुलाल, फागुनी
मस्ती में।
महुआ महके आम बौराए,
मादक गंध फिजा में आए।
लदी-पकी सरसों की
डाली,
कोयल कूक रही मतवाली
खुश हो रहा किसान,
फागुनी मस्ती में।
उड़ेंगे रंग गुलाल, फागुनी
मस्ती में।
साली जैसे सजी रंगोली,
जीजू के संग हंसी-
ठिठोली।
रंग गुलाल अबीर की चाबी,
काट चिकोटी भागी भाभी।
भरी बाल्टी लेकर देवर,
डोले सारी बस्ती में।
उड़ेगे रंग गुलाल, फागुनी
मस्ती में।
होली के सब ठाठ निराले,
शिकवे गिले चलो मिटा लें।
जमकर रंग बरसता ऐसे,
होती आनंद वर्षा जैसे।
भरी है नई तरंग, किसी ने
कश्ती में।
उड़ेगे रंग गुलाल, फागुनी
मस्ती में।

नरेन्द्र सिंह 'नीहार'
वरिष्ठ साहित्यकार

होली का उन्माद

उम्र बढ़ी तो बदला बदला,
है होली का स्वाद।
खत्म हो गया रंग-बिरंगी,
होली का उन्माद।

जिनके लिए बनाया था घर,
वे हैं कोसों दूर।
होली हो या दीवाली,
घर आने से मजबूर।

नाती-पोतों की फोटो से,
करना है संवाद।

चाय बनाकर लाई पत्नी,
गुमसुम बैठी पास।
घर में पसरा है सन्नाटा,
मन है बहुत उदास।

आ न सके हैं बेटे-बहुएं,
बेटी और दामाद।

अब तो संग-साथ वाले हैं,
ज्यादातर बीमार।
कमर दर्द या सांस फूलती,
चलने में लाचार।

अपने घर के दरवाजे पर,
हम बैठे आबाद।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'
शाहजहांपुर

होली के रंग

आओ होली में रंग लगाएं।
आओ माहौल को रंगीन
बनाएं।।

हर तबका गले मिले।
ऐसा कोई गीत सुनाएं।।

आओ हिन्दू-मुस्लिम का
फर्क मिटाएं।
आओ सब-मिलकर देश को
मजबूत बनाएं।।

चलो अबीर से गुलाल
मिलाएं।
चलो सब मिलकर एक सुर
गुनगुनाएं।

आओ होली में रंग लगाएं।
आओ देश को मजबूत
बनाएं।।

चलो एक दूसरे पर प्यार
बरसाएं।
चलो मिलकर नफरत
मिटाएं।

आओ होली में रंग लगाएं।
आओ फिर माहौल रंगीन
बनाएं॥

असीन 'आनन्द'
बरेली

व्यंग्य

होली पर सावधानी ही बचाव

शब्दों में मिठास के साथ मीठे पकवानों के स्वाद के बीच पर्व मनाने का चलन था, उस पर भी किसी की बुरी नजर लग गई। कभी किसी ने वर्ण व्यवस्था को बुरा नहीं माना। सभी वर्णों को आजादी थी, कि वे अपनी-अपनी परंपराओं को निभाएं, उनके सुर में अन्य वर्ण भी अपना सुर मिलाएं। सामाजिक समरसता बनाए रखने में पर्वों का बड़ा योगदान था। मुहल्ले के चौराहों पर महीने भर पहले से ही होली की तैयारी शुरू हो जाती थी। झाड़ियों और पेड़ों की टहनियां काटकर एकत्र की जाती थी। बहरहाल यह अतीत का विषय है।

प्राथमिक कक्षाओं में होली, दिवाली, दशहरे और रक्षाबंधन के निबंध रटाए जाते थे। गाय के निबंध में गाय के अंगों का चित्रण किया जाता था, गाय की दैनिक जीवन में उपयोगिता बताई जाती थी, जिसमें एक वाक्य अवश्य लिखाया जाता था कि गाय हमारी माता है। बहरहाल निबंध कोई भी हो, प्रस्तावना, औचित्य, उपयोगिता, उपसंहार में बांटकर उसका विस्तार किया जाता था। निबंध चाहे कोई भी हो, प्रस्तावना में चार वर्णों की चर्चा करते हुए लिखा जाता था कि रक्षाबंधन ब्राह्मणों का पर्व है, दशहरा क्षत्रियों का पर्व है, दिवाली वैश्यों का पर्व है, होली शूद्रों का पर्व है। उसके बाद उसी पर्व की व्याख्या की जाती थी, जिस पर्व पर निबंध लिखना होता था। वैसे सभी पर्वों में सभी वर्णों की पूर्ण भागीदारी होती थी। होली पर सभी एक दूसरे से गले मिलकर रंग गुलाल का प्रयोग करते थे। एक दूसरे से गले मिलने में कोई कतराता नहीं था। भेदभाव जैसी स्थिति होली पर दृष्टिगत नहीं होती थी। कई बार तो लिपे-पुते चेहरों की पहचान भी नहीं होती थी। आज स्थिति सर्वथा प्रतिकूल है।

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

समाज को बांटने वाली शक्तियां नहीं चाहती कि समाज में समरसता का वातावरण बना रहे। कुछ संवैधानिक प्रावधान भी समरसता के विरोध में खड़े हैं। आदमी-आदमी को जातियों में बांटकर भेदभाव की खाई खोदने में राजनीतिक तत्व सक्रिय हैं। अलगाव की ढपली में समरसता की बातें बेमानी लगती हैं। ऐसे में होली मनाने से डर लगता है कि यदि बिना जाति पूछे किसी की मर्जी के बिना उस पर रंग लगा दिया, तो हो सकता है, भेदभाव पूर्ण आचरण का आरोप लगाकर कोई जेल की सलाखों के पीछे न डलवा दे। जेल में होली की गुझिया और नमक पारे के स्थान पर डंडों के उपहार से सम्मानित होना पड़े। सियासत यही चाहती है, जो स्वयं को सामाजिक समरसता के ठेकेदार समझते हैं, वे भी ऐसे अवसर पर दूरी बनाने में संकोच नहीं करेंगे। ऐसे मामलों में जमानत भी आसानी से नहीं होगी। सो इस बरस होली में सावधानी ही बचाव है। उससे बचने का एकमात्र उपाय है कि सार्वजनिक स्थलों पर होली खेलने से दूरी बनाएं। स्वयं भी सुरक्षित रहें और परिवार को भी मुक़दमेबाजी के आसन्न संकट से बचाएं।

लघुकथा

टेसू का रंग

फागुन की सुगबुगाहट पर जहां खुशियां उमगनी चाहिए थीं, वहां इन दिनों नंदिता के मन में उस झुग्गी-बस्ती की छवि बार-बार उभर आती, जहां वह स्कूल की ओर से, बच्चों को जमीनी हकीकत दिखाने ले गई थी। स्कूल जाते समय उसने निश्चय किया। कक्षा में पहुंचकर बोली-"हम एक चिन्मय भोर उगाना चाहते हैं।"

बच्चे हंस पड़े-"मैडम, भोर भी उगाई जाती है?"

नंदिता मुस्कुराई-"हां, जब मन जाग जाए, तभी संभव है।"

कल्पना मनोरमा
साहित्यकार, नोएडा

"तो क्या करेंगे?" कक्षा में स्वर गूंजा। "जो रविवार को सुबह आठ बजे मेरी सोसायटी के गेट पर पहुंचेगा, वही इस परियोजना का हिस्सा बनेगा।" रविवार की सुबह बच्चे समय पर पहुंच गए। नंदिता उन्हें लेकर बस्ती पहुंची। खुले घर, बिखरा सामान, बुझे चूल्हे और ठहरी हुई आंखें-बच्चे चुपचाप सब देख रहे थे। नंदिता ने धीमे स्वर में कहा- "बच्चों, केवल ज्ञान की अंगीठी जलाने से रोटी नहीं सिकती, साधन भी चाहिए।"

अगले दिन बच्चे अपने-अपने घरों से कपड़े, किताबें, भोजन और कुछ पैसे लेकर आए। वे फिर बस्ती पहुंचे। किसी ने दीवारों पर सूरज और पेड़ों के चित्र चिपकाए, किसी ने बच्चों को पढ़ना सिखाया, किसी ने सामान बांटा। धीरे-धीरे वहां के चेहरों पर संकोच की जगह मुस्कानें उग आईं। नंदिता ने इस प्रयास को नियमित करने के लिए स्कूल से अनुमति ली और हर महीने वहां जाने का क्रम बन गया। यूं तो आसमान धुंधला ही था, पर नंदिता को लगा-क्षितिज पर एक ही सही, सुनहरी रेखा उभर रही है। एक दिन स्कूल में बच्चे ने पूछा-"मैडम, चिन्मय भोर उगी क्या?"

नंदिता की आंखें चमक उठीं- "जब तक हर घर में उजाला न फैल जाए, परियोजना अधूरी है।" "तो अब क्या करेंगे अब?" "कल चलकर देखते हैं।"

सब मिलकर फिर से बस्ती पहुंचे। वहां के बच्चे नमस्ते करना सीख गए थे। बस्ती के बच्चे घिर आए। सबको सामान देकर लौटते समय नंदिता ने कहा-"तुम लोग टेसू के फूलों का रंग बनाना, हम होली पर खरीदने आएंगे।"

समीक्षा

सागर से अंतरिक्ष तक

रक्षा और सामरिक विषय राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े होने के कारण अत्यंत संवेदनशील माने जाते हैं। इन पर प्रमाणिक, शोध-आधारित और तथ्यपरक साहित्य समाज में सही जानकारी का प्रसार करता है और मिथकों को दूर करता है। इसी संदर्भ में वरिष्ठ लेखक योगेश कुमार गोयल की पुस्तक सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति हिंदी में एक महत्वपूर्ण और प्रासंगिक कृति के रूप में सामने आई है। हिंदी अकादमी, दिल्ली के अनुदान से प्रकाशित यह लेखक की सातवीं पुस्तक है, जो स्वतंत्र भारत की रक्षा यात्रा को समुद्र से अंतरिक्ष तक व्यापक दृष्टिकोण में प्रस्तुत करती है।

पुस्तक : सागर से अंतरिक्ष तक : भारत की रक्षा क्रांति
लेखक : योगेश कुमार गोयल
पृष्ठ संख्या : 300
मूल्य : 695 रुपये
प्रकाशक : मीडिया केयर नेटवर्क, नई दिल्ली।
समीक्षक : विवेक शुक्ला

पुस्तक का मूल विषय भारत की रक्षा क्षमताओं का बहुआयामी विकास है। प्रारंभिक अध्यायों में स्वतंत्रता के बाद की रक्षा नीति तथा 1962, 1965, 1971 और कारगिल युद्ध से मिले सबकों के आधार पर हुए सुधारों का विश्लेषण है। आगे आधुनिक सैन्य सशक्तीकरण- मिसाइल तकनीक (अग्नि, पृथ्वी, ब्रह्मोस, आकाश), लड़ाकू विमान (राफेल, तेजस, सुखोई-30), एयर डिफेंस सिस्टम (S-400), युद्धपोत (विक्रांत), पनडुब्बियां और ड्रोन तकनीक पर विस्तार से चर्चा की गई है।

पुस्तक का अंतरिक्ष खंड विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसमें ISRO और DRDO के सहयोग से विकसित मिशन शक्ति, सैन्य उपग्रहों और अंतरिक्ष को रक्षा के चौथे आयाम के रूप में उभरती भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। लेखक स्पष्ट करते हैं कि आधुनिक युद्ध अब बहुआयामी हो चुका है। भारत की "नो फर्स्ट यूज" नीति को बनाए रखते हुए निर्णायक रक्षात्मक क्षमता विकसित करने की दिशा भी रेखांकित की गई है। लेखक की पत्रकारिता पृष्ठभूमि के कारण भाषा सरल, तथ्य समृद्ध और संतुलित हैं। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, iDEX और रक्षा उत्पादन में बढ़ती स्वदेशी भागीदारी पर भी प्रकाश डाला गया है। 2025-26 में बढ़ते रक्षा बजट, आधुनिकीकरण और निर्यात वृद्धि जैसे ताजा घटनाक्रम पुस्तक को और प्रासंगिक बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह कृति भारत की रक्षा क्रांति का सशक्त दस्तावेज है, जो छात्रों, नीति-निर्माताओं और जागरूक नागरिकों के लिए समान रूप से उपयोगी और प्रेरणादायक सिद्ध होती है।

कहानी

होली का सबक

"ट्रिन ट्रिन..." मोबाइल की लगातार बजती घंटी ने सीमा का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया। उधर से राधा दीदी की आवाज आई, "कैसी हो तुम और रिया कैसी है? पढ़ाई से फुरसत मिल गई हो तो थोड़ा अपनी दीदी का हाल-समाचार भी पूछ लो।" "हम दोनों तो ठीक हैं दीदी। आप कैसी हैं?", सीमा ने कहा। "मैं भी बढ़िया हूं। तुम लोगों को एक खुशखबरी देनी थी। तुम और रिया मौसी बनने वाले हो।" राधा दीदी ने एक ही सांस में कहा। सीमा ने खुशी से उछलते हुए कहा, "क्या, सच में? यह तो वाकई में बहुत अच्छी खबर सुनाई आपने।" "तुम दोनों अपना सामान पैक कर लो और इस बार की होली हमारे साथ ही मनाना। मैंने मां-पापा से इस बाबत बात कर ली है। तुम्हारे जीजाजी भी छुट्टी में घर पर रहेंगे। इसी बहाने मुझे सबके साथ वक़्त बिताने का अवसर मिल जाएगा।" राधा दीदी ने उत्साहित स्वर में कहा। सीमा ने हामी भरी और फोन रख दिया। सीमा और रिया दीदी की खबर सुनकर बेहद खुश थे। दोनों दीदी के घर जल्द-से-जल्द जाकर उनसे मिलना चाहते थे पर, पिछले वर्ष की होली के वाकये को याद कर उनका मन कसैला हो उठा।

डॉ. मोनिका राज
सहरसा, बिहार

पिछले होली में दोनों अपने घर गए हुए थे। राधा दीदी के शादी के बाद की वह पहली होली थी। दीदी के साथ रितेश जीजाजी भी आए हुए थे। होली का उत्साह चरम पर था। सभी बहुत खुश थे। रंग खेलने का कार्यक्रम छत पर था। सभी बड़ी देर तक एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर आनंदित हो रहे थे। शाम घिरने पर मां ने सबको खाना खाने के लिए आने की आवाज लगाई तो सभी लोग नीचे चले गए। केवल सीमा छत पर अकेली रह गई। वह बिखरे हुए समान को समेट ही रही थी कि उसने अपने कंधे पर किसी का स्पर्श महसूस किया। "अरे जीजाजी आप! क्या कुछ चाहिए आपको?" सीमा ने हड़बड़ाते हुए कहा। "हां साली साहिबा। चाहिए, तभी तो आपके पास आया हूं।" रितेश ने बेशर्मी से आंख दबाते हुए कहा। "जी, बताइए, क्या चाहिए आपको?" सीमा ने पूछा। "हमने आपको सबके सामने 'सही जगह' पर रंग लगाया ही नहीं। अरे भई, एकलौता जीजा हूं मैं आपका। मेरा इतना हक तो बनता ही है।" कहते-कहते रितेश ने उसका कंधा दबाया।

यह सुनते ही सीमा अंदर से कांप गई। वह हड़बड़ा कर पीछे हटने लगी। तभी अचानक सीमा को ढूंढते हुए रिया छत पर आ गई। रितेश उसकी आवाज सुनकर सकते में आ गया। सीमा तेजी से दौड़कर नीचे के तरफ चली गई। उसकी फूलती सांस और आंखों से बहते आंसुओं को देख रिया परेशान हो गई। सारी बात सुनने के बाद रिया ने गुस्से में दांत पीसते हुए कहा, "बस, बहुत हो गया। चलो, अभी सबके सामने उन्हें बेनकाब किया जाए।" तभी सीमा ने संयत स्वर में कहा, "करने को तो हम उन्हें बेनकाब कर देंगे पर जरा सोचो, अगर वो सबके सामने इस बात से मुकर गए या दीदी को यह बात मालूम पड़ी, तो उन्हें कितनी शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी।" रिया भी इस बात से सहमत थी इसलिए बात वहीं दफन हो गई।

आज जब राधा दीदी ने उन दोनों को होली में आने को कहा, तो पिछली होली के वाकये को याद कर उनके मन का घाव पुनः हरा हो गया। राधा दीदी से मिलने का दोनों को बहुत मन था, परंतु दोनों वहां जाकर रितेश जीजाजी का सामना करने से बचना चाह रही थी। दोनों बहनों ने सोचा कि ऐसा क्या किया जाए, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। वे दोनों अपनी राधा दीदी को बिना तकलीफ दिए रितेश जीजाजी को सबक सिखाना चाहती थी। बहुत सोचने पर उन्होंने एक योजना बनाई। उन्होंने रितेश जीजाजी की बहन माया को फोन मिलाया और दीदी की खुशखबरी देकर होली में उसे भी साथ चलने को राजी कर लिया। होली वाले दिन दीदी के घर पर सभी लोग एकत्र हुए। योजनाबद्ध तरीके से दोनों बहनों ने माया को भी उनके जैसा ही पोशाक पहना दिया और सभी मिलकर रंग खेलने लगे। समवयस्क होने की वजह से माया की लंबाई सीमा और रिया के लगभग समान ही थी। चेहरे पर रंग पुते होने की वजह से तीनों में अंतर करना मुश्किल था। जीजाजी को आते देखकर सीमा किचन की तरफ बढ़ी। थोड़ी देर में रितेश भी उसके पीछे से किचन में पहुंच गया। रितेश ने देखा सीमा प्लेट में खाने का सामान लगा रही है। अच्छा मौका देखकर उसने सीमा को पीछे से बाहों में जकड़ लिया और जबरदस्ती चेहरे पर गुलाल मलते हुए बेहयाई से बोला, "कब तक भागोगी, साली जी? अभी तो पिछले साल का हिसाब भी पूरा करना है। बुरा न मानो होली है।" सीमा चीख मारकर पीछे पलटी तो रितेश के होश फ़ाख्ता हो गए। यह तो उसकी बहन माया थी। तभी सामने से सीमा और रिया आते हुए दिखे। रितेश की 'काटो तो खून नहीं' वाली हालत हो गई। "भैया, आप इतनी गिरी हुई हरकत कर सकते हैं, यह तो मैंने सपने में भी नहीं सोचा था। कितनी इज्जत करती थी मैं आपकी। आपका यह असल चेहरा देखकर मुझे आपसे नफरत-सी होने लगी है। होली, प्रेम और सौहार्द का त्योहार है, जिसे लोग अपने गिले-शिकवे भूल कर मनाते हैं, लेकिन आप जैसे शख्स की वजह से ही इस त्योहार का मजा किरकिरा हो जाता है और कुछ रिश्ते सदैव के लिए कलंकित हो जाते हैं।" माया ने गुस्से से दांत भींचते हुए कहा।

बहन की बात सुन रितेश शर्म के मारे पानी-पानी हो गया। इस होली रिया और सीमा ने मिलकर रितेश को अच्छा सबक सीखा दिया था। "आइंदा अब वह किसी भी लड़की के साथ ऐसा बर्ताव नहीं करेंगे", रिया ने सीमा के कान में फुसफुसाया। नजदीक आकर रिया ने रितेश के माथे पर गुलाल का टीका लगाया और कहा, "जीजाजी, बुरा न मानो होली है।" रितेश के चेहरे का रंग उतर चुका था। उसने शर्म से अपना सर नीचे झुका लिया।

रंगों का त्योहार होली केवल खुशियों और उमंग का नहीं, बल्कि फैशन में नए प्रयोगों का भी अवसर होता है। इस खास दिन हर कोई चाहता है कि उसका लुक सबसे अलग और आकर्षक नजर आए। ऐसे में फ्रिल्स वाली ड्रेस आपके होली स्टाइल को खास बना सकती है। फैशन की दुनिया में पुराना ट्रेंड अक्सर नए रूप में लौटता है और इस होली सत्तर-अस्सी के दशक की फ्रिल्स फिर से चर्चा में हैं। फ्रॉक, स्कर्ट, साड़ी, कुर्ती, टॉप या गाउन हर परिधान में फ्रिल्स का जादू देखने को मिल रहा है। होली के मौके पर जब चारों ओर रंगों की बौछार होती है, तो फ्रिल्स की लेयर्स और फ्लोई डिजाइन आपके लुक में एक अलग ही चंचलता और नारीत्व जोड़ देती है।

फ्रिल्स का जादू: सादगी में स्टाइल का नया अंदाज

क्यों हैं खास फ्रिल्स

फ्रिल्स किसी भी साधारण परिधान में नारीत्व, कोमलता और आकर्षण जोड़ देती हैं। यह न केवल आउटफिट को वॉल्यूम देती हैं, बल्कि उसे ट्रेंडी और स्टाइलिश भी बनाती हैं। सही डिजाइन और फैब्रिक के साथ चुनी गई फ्रिल्स आपके व्यक्तित्व को और निखार सकती हैं।

इन दिनों ये फ्रिल्स हैं ट्रेंड में

लेयर और लेयर्ड फ्रिल्स– स्कर्ट और फ्रॉक में लेयर फ्रिल्स बेहद खूबसूरत लगती हैं। जब एक फ्रिल के ऊपर दूसरी फ्रिल लगाई जाती है, तो उसे लेयर्ड फ्रिल कहा जाता है। अधिक लेयर्स से ड्रेस ज्यादा रिच और फेस्टिव लुक देती है।

वॉटरफॉल फ्रिल्स– ऑफ-शोल्डर ड्रेस और गाउन में यह स्टाइल खासतौर पर पसंद की जा रही है। नेकलाइन के आसपास बहती हुई फ्रिल्स आउटफिट को सॉफ्ट और फ्लोई इफेक्ट देती हैं।

ओवर फ्रिल्स– यह फ्रिल्स आमतौर पर स्लीव्स, टॉप या गाउन में लगाई जाती हैं। इनमें अधिक फैब्रिक इस्तेमाल होता है, जिससे यह अधिक फुलर और ड्रामेटिक लुक देती हैं। डबल या ट्रिपल लेयर में ये और भी आकर्षक लगती हैं।

साइड प्लेटेड फ्रिल्स– एक तरफ प्लेट्स डालकर बनाई गई फ्रिल्स आउटफिट को स्ट्रक्चर्ड और क्लासी लुक देती हैं। कॉटन फैब्रिक में ये ज्यादा स्मूद बनती हैं और फॉर्मल वियर के लिए उपयुक्त रहती हैं।

चुनट वाली फ्रिल्स

बड़े टांकों से कपड़े को खींचकर बनाई गई यह फ्रिल पारंपरिक और मॉडर्न दोनों लुक में फिट बैठती है। यह कॉटन और सिंथेटिक दोनों फैब्रिक में अच्छी बनती है।

फ्रिल बनवाते समय ध्यान रखने योग्य बातें

- हमेशा अच्छी क्वालिटी और पक्के रंग का फैब्रिक चुनें।
- बेहतर फॉल के लिए जॉर्जेट, साटन या सॉफ्ट नेट जैसे मिक्स फैब्रिक का चयन करें।
- फ्रिल के किनारों पर पिको या इंटरलॉक सिलाई करवाने से फिनिशिंग प्रोफेशनल लगती है।
- लेस, बीड्स, मोती या पाइपिंग से आप ड्रेस को फेस्टिव टच दे सकती हैं।
- फ्रिल्ड ड्रेस को हाथ से सॉफ्ट डिटर्जेंट से धोना बेहतर होता है, ताकि उसकी शेप और सिलाई सुरक्षित रहे।
- फ्रिल्स केवल डिजाइन नहीं, बल्कि स्टाइल स्टेटमेंट हैं। सही चुनाव और संतुलन के साथ आप अपने वार्डरोब को नया, ट्रेंडी और आकर्षक रूप दे सकती हैं।

होली में त्वचा और बालों की संपूर्ण देखभाल

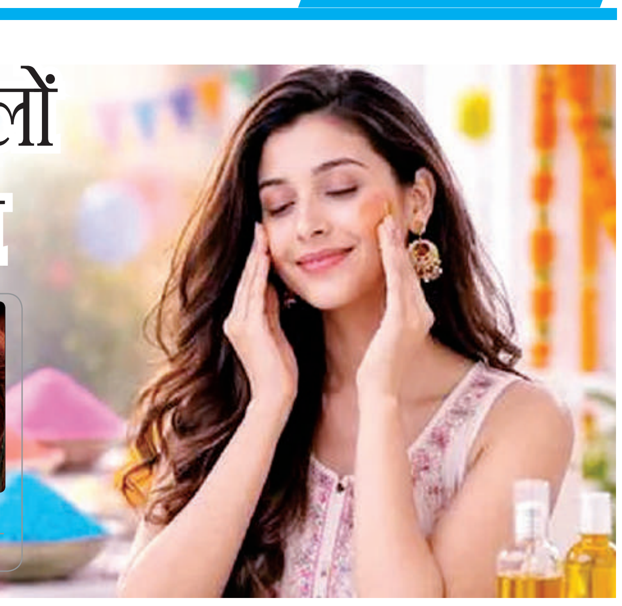

होली खुशियों, उमंग और उत्साह का पर्व है। रंगों से सराबोर यह त्योहार रिश्तों में मिठास घोलता है, लेकिन बाजार में मिलने वाले कई रंगों में माइका, लेड और अन्य हानिकारक रसायन मिले होते हैं। ये त्वचा को रूखा, बेजान और एलर्जीग्रस्त बना सकते हैं। बालों में रूखापन, दोमुंहे बाल और झड़ने की समस्या भी बढ़ सकती है। इसलिए होली का आनंद लेते समय सावधानी बरतना बेहद आवश्यक है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

धूप और यू.वी. किरणों से बचाव

होली प्रायः खुले वातावरण में खेली जाती है। तेज धूप और यू.वी. किरणें त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे टैनिंग और नमी की कमी हो जाती है। होली खेलने से लगभग 20 मिनट पहले कम से कम SPF 20 युक्त सनस्क्रीन लगाएं। यदि त्वचा संवेदनशील है या मुंहासे हैं, तो अधिक SPF का चयन करें। शुष्क त्वचा वालों को पहले सनस्क्रीन और उसके बाद मॉइस्चराइजर लगाना चाहिए।

त्वचा की सुरक्षा के लिए मॉइस्चराइजिंग कवच

रंग खेलने से पहले चेहरे, हाथों, पैरों और अन्य खुले अंगों पर अच्छी मात्रा में मॉइस्चराइजर या क्रीम लगाएं। इससे रंग सीधे त्वचा में नहीं समाएंगे और बाद में आसानी से हटाए जा सकेंगे। तिल का तेल या नारियल तेल भी प्राकृतिक सुरक्षा परत का काम करता है।

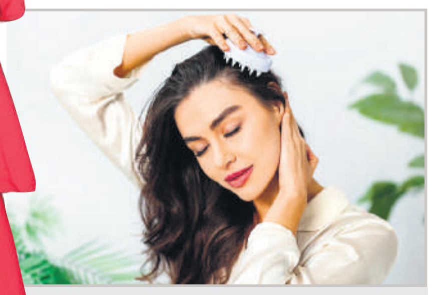

बालों की गहराई से सफाई

पहले बालों को सादे पानी से अच्छी तरह धोएं ताकि सूखा रंग निकल जाए। फिर हल्के हर्बल शैंपू से धोएं। अंतिम धुलाई के लिए बीयर में थोड़ा नींबू रस मिलाकर बालों पर डाल सकते हैं, इससे बालों में चमक आती है।

बालों की सुरक्षा है अनिवार्य

होली से पहले बालों में हेयर सीरम, कंडीशनर या नारियल तेल लगाएं। इससे बालों पर एक सुरक्षात्मक परत बनती है, जो रंगों के दुष्प्रभाव से बचाती है। चाहें तो हल्की हेयर क्रीम भी लगा सकते हैं। इससे बालों में नमी बनी रहती है और रंगों को हटाना आसान हो जाता है।

रंग हटाने के सही तरीके

होली के बाद चेहरे को बार-बार साफ पानी से धोएं। फिर क्लींजिंग क्रीम या लोशन लगाकर गीले कॉटन से हल्के हाथों साफ करें। आंखों के आसपास की त्वचा को धीरे-धीरे साफ करें। घरेलू क्लींजर के लिए ठंडे दूध में तिल या जैतून का तेल मिलाकर उपयोग करें। शरीर से रंग हटाने के लिए तिल के तेल की हल्की मालिश प्रभावी रहती है।

नाखूनों की देखभाल भी बेहद जरूरी

रंगों से नाखून पीले और कमजोर हो सकते हैं। होली खेलने से पहले नाखूनों पर नेल पॉलिश की एक परत लगा लें। इससे रंग नाखूनों में नहीं समाएंगे और बाद में आसानी से साफ हो जाएंगे।

स्नान और स्क्रब की सही प्रक्रिया

नहाते समय लूफ या मुलायम कपड़े से हल्के हाथों से स्क्रब करें। स्नान के तुरंत बाद पूरे शरीर पर मॉइस्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बनी रहे। यदि खुजली हो, तो पानी में थोड़ा सिरका मिलाकर त्वचा पर डालें। यदि लाल चकते या एलर्जी बनी रहे, तो चिकित्सक से सलाह लें।

होली के बाद पोषण की भरपाई

अगले दिन शहद, दही और हल्दी का मिश्रण चेहरे व खुले अंगों पर लगाएं। इससे त्वचा की रंगत निखरेगी और मुलायमाहट लौटेगी। बालों के लिए नारियल और अरंडी के तेल को हल्का गर्म कर मालिश करें। गर्म तौलिया लपेटने की प्रक्रिया 4-5 बार दोहराएं, फिर एक घंटे बाद शैंपू कर लें। इससे बालों को गहराई से पोषण मिलेगा।

प्यार की अंधाधुंध बरसात कहीं धोखा तो नहीं!

प्रेम में अपनापन, देखभाल, सम्मान, विश्वास और पारस्परिक लगाव की गहरी भूमिका होती है। आजकल रिश्तों में एक शब्द तेजी से चर्चा में है– लव बॉम्बिंग। शुरुआत में यह व्यवहार बेहद रोमांटिक और आकर्षक लगता है, जहां कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा प्यार, तारीफ और ध्यान देकर सामने वाले को खास महसूस कराता है, लेकिन कई मामलों में इसके पीछे भावनात्मक नियंत्रण या निर्भरता बनाने की मंशा छिपी होती है। ऐसे में जरूरी है कि हम समझें, लव बॉम्बिंग क्या है और इसे समय रहते कैसे पहचानें।

रेखा शाह
बलिया

क्या है लव बॉम्बिंग

लव बॉम्बिंग वह स्थिति है, जब किसी रिश्ते में एक व्यक्ति अत्यधिक प्रेम, ध्यान और प्रशंसा की "बरसात" कर दूसरे को भावनात्मक रूप से अपने ऊपर निर्भर बना लेता है। शुरुआत में वह लगातार संदेश भेजना, महंगे उपहार देना, हर समय उपलब्ध रहना और जरूरत से ज्यादा तारीफ करना जैसी बातें करता है। इससे सामने वाला व्यक्ति प्रभावित होकर उससे गहरा जुड़ाव महसूस करने लगता है, लेकिन जैसे ही भावनात्मक निर्भरता बन जाती है, वही व्यक्ति अचानक अपना व्यवहार बदल देता है, ध्यान कम कर देता है, दूरी बना लेता है या भावनात्मक दबाव बनाने लगता है। इस प्रकार वह रिश्ते को नियंत्रण का माध्यम बना लेता है।

प्रेम मूलतः मन से मन की यात्रा है, लेकिन कुछ लोग इसी भावनात्मक जुड़ाव का उपयोग चालाकी से करने लगते हैं। वे प्रेम का दिखावाकर सामने वाले को नियंत्रित करने या उसका इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। इसी व्यवहार को आधुनिक मनोविज्ञान में "लव बॉम्बिंग" कहा जाता है। आइए समझते हैं कि यह क्या है, इसकी पहचान कैसे करें और इससे बचाव कैसे संभव है।

लव बॉम्बिंग की पहचान

- शुरुआत में जरूरत से ज्यादा तारीफ और अटेंशन
- बहुत कम समय में गहरे वादे या भविष्य की बड़ी-बड़ी बातें
- लगातार मैसेज और हर गतिविधि पर नजर
- महंगे या अप्रत्याशित उपहारों की भरमार
- निजी निर्णयों या संबंधों पर नियंत्रण की कोशिश, हालांकि हर अधिक प्रेम जताना लव बॉम्बिंग नहीं होता। अंतर इस बात से समझ आता है कि सामने वाले का व्यवहार संतुलित और सम्मानजनक है या नियंत्रक और दबावपूर्ण।

लोग क्यों करते हैं लव बॉम्बिंग

कई बार यह व्यवहार असुरक्षा, आत्महीनता या नियंत्रण की प्रवृत्ति से जुड़ा होता है। कुछ लोग भावनात्मक, सामाजिक या आर्थिक लाभ पाने के लिए भी ऐसा करते हैं। वे सामने वाले को अपना आदी बनाकर रिश्ते को अपने फायदे के लिए उपयोग करते हैं।

नकारात्मक प्रभाव

यदि कोई व्यक्ति लव बॉम्बिंग का शिकार हो जाए, तो उसके आत्मविश्वास पर गहरा असर पड़ सकता है। अचानक बदले व्यवहार से भ्रम, असुरक्षा और अवसाद की स्थिति पैदा हो सकती है। व्यक्ति स्वयं को दोषी मानने लगता है और भावनात्मक शोषण सहने लगता है। शुरुआत में जो रिश्ता सुहावना लगता है, वही आगे चलकर दबाव, अपराधबोध, जलन और क्रोध का कारण बन जाता है।

लव बॉम्बिंग से बचने के उपाय

- **समय लें :** किसी भी रिश्ते को समझने और परखने के लिए पर्याप्त समय दें। जल्दबाजी में बड़े निर्णय न लें।
- **सीमाएं तय करें :** अपनी भावनात्मक और व्यक्तिगत सीमाएं स्पष्ट रखें। किसी को भी उन पर अतिक्रमण करने का अधिकार न दें।
- **संतुलन बनाए रखें :** अत्यधिक अटेंशन या निवेश को सहज रूप से स्वीकार करने के बजाय सतर्क रहें।
- **'ना' कहना सीखें :** यदि कोई दबाव बना रहा है, तो स्पष्ट रूप से मना करें। प्रेम में विवेकहीन निर्णय भविष्य में नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- अंततः सच्चा प्रेम व्यक्ति को स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा देता है। यदि किसी संबंध में असंतुलन, नियंत्रण या दबाव महसूस हो, तो सजग होना आवश्यक है। प्रेम जीवन को संवारता है, जबकि छलपूर्ण प्रेम मन को आहत कर सकता है।

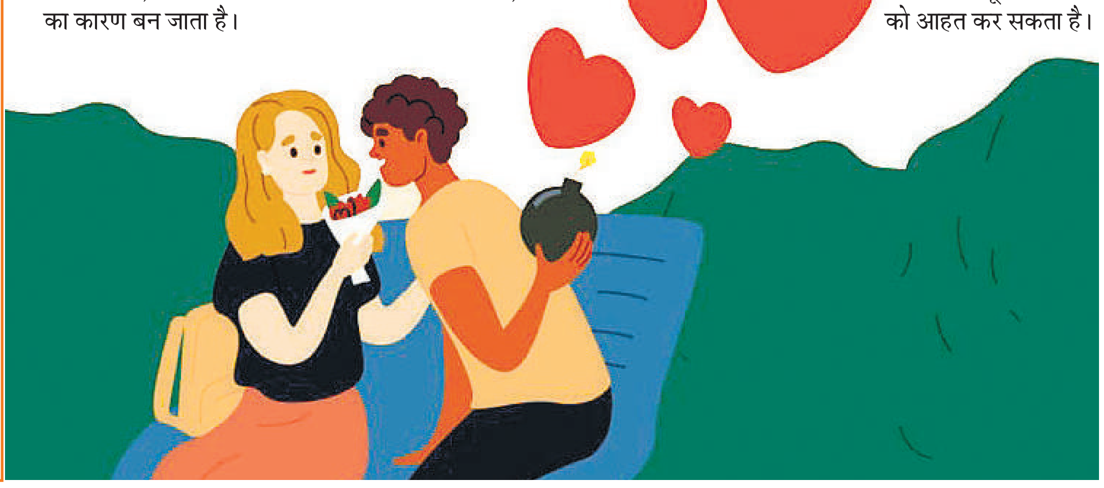

खाना खजाना

गुलाब जामुन कस्टर्ड ठंडाई

त्योहारों और खास मौकों पर जब मिठास कुछ अलग अंदाज में परोसनी हो, तो गुलाब जामुन कस्टर्ड ठंडाई एक बेहतरीन विकल्प है। यह डेजर्ट पारंपरिक गुलाब जामुन की मिठास और कस्टर्ड की मलाईदार बनावट का अनोखा संगम है। केसर की हल्की खुशबू और सूखे मेवों की सजावट इसे और भी आकर्षक बना देती है। कम समय में तैयार होने वाली यह मिठाई स्वाद के साथ-साथ देखने में भी बेहद लुभावनी लगती है। मेहमानों को प्रभावित करना हो या परिवार के साथ मीठा पल साझा करना हो, यह रेसिपी हर अवसर को खास बना देती है।

सामग्री

- गुलाब जामुन– 8-10 (छोटे टुकड़ों में कटे हुए)
- दूध– 500 मिली
- कस्टर्ड पाउडर – 3 बड़े चम्मच
- चीनी – 4 बड़े चम्मच
- केसर – 5–6 धागे
- सूखे मेवे – सजावट के लिए

बनाने की विधि

थोड़े ठंडे दूध में कस्टर्ड पाउडर घोल लें। बाकी दूध को गैस पर गरम करें, उसमें चीनी और केसर डालें। जब दूध उबलने लगे तो उसमें घुला हुआ कस्टर्ड मिश्रण मिलाएं और लगातार चलाते रहें। गाढ़ा होने पर गैस बंद कर दें और ठंडा होने दें। सर्विंग ग्लास में कटे हुए गुलाब जामुन और ऊपर से कस्टर्ड मिश्रण डालें

पान गुजिया: मिठास में घुला पान का अनोखा स्वाद

त्योहारों का मौसम हो या किसी खास मौके की मिठास बढ़ानी हो, गुजिया हमेशा से भारतीय रसोई की शान रही है। पारंपरिक मावा गुजिया में यदि पान का ताजगी भरा स्वाद जोड़ दिया जाए, तो यह मिठाई और भी खास बन जाती है। पान गुजिया एक ऐसा अभिनव व्यंजन है, जिसमें मावे की गाढ़ी मिठास और पान की सुगंध मिलकर एक अलग ही स्वाद अनुभव देती है। यह रेसिपी खासतौर पर उन लोगों के लिए है, जो पारंपरिक मिठाइयों में थोड़ा नया प्रयोग पसंद करते हैं।

सामग्री

- मैदा, घी मोयन के लिए–1 कप
- मावा और कसा हुआ नारियल–1 कप
- काजू–बादाम कटे हुए–2 चम्मच
- पान के टुकड़े कटे हुए–2 चम्मच
- चम्मच पान फ्लेवर सिरप–2-3
- तलने के लिए घी

बनाने की विधि

मैदा में घी डालकर अच्छे से मोयन मिलाएं। फिर पानी डालकर सख्त आटा गूंथ लें। मावा को हल्का भून लें। इसमें नारियल, काजू-बादाम, पान के टुकड़े और पान फ्लेवर सिरप मिलाएं। मैदे की छोटी-छोटी लोइयां बनाकर बेल लें। इसमें तैयार भरावन भरकर गुजिया का आकार दें। कड़ाही में घी गरम करें और मध्यम आंच पर गुजिया सुनहरी होने तक तल लें। तैयार पान गुजिया को ठंडा होने दें और परोसें।

सड़क हादसे में बेटे की मौत, पिता गंभीर घायल

उसहैत(बदायूं), अमृत विचार : दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा थाना उसहैत क्षेत्र में अटैना पुल पर हुआ। उसहैत के गांव नगरिया अभय निवासी ब्रजपाल (45) अपने बेटे इंटरमीडिएट के छात्र कौशल (22) के साथ अपनी बहन के घर जिला एटा के थाना अलीगंज क्षेत्र के गांव राया में गमी की होली के चलते गए थे। जहां से वह दोनों बाइक से वापस लौट रहे थे। अटैना पुल के पास विपरीत दिशा से आई बाइक से उनकी बाइक की भिड़ंत हो गई।

न्यायालय श्रीमान जनपद न्यायाधीश बरेली
प्रकीर्ण सिविल अपील सं. 43(78) सन् 2024

1. अजय प्रकाश गौर पुत्र हेतराम शर्मा निवासी 203, वीर सावरकर नगर इज्जतनगर, बरेली जिला बरेली 2. राजेश कुमार पुत्र रामेश्वर दयाल निवासी ग्राम आलमपुर जाफराबाद तहसील आंवला, जिला बरेली अपीलार्थीगण बनाम

आदेश कुमार पुत्र श्री प्रकाश निवासी 283 इन्द्रा नगर, थाना प्रेमनगर, तहसील व जिला बरेली.... रेस्पोन्डेन्ट चूंकि उक्त प्रकीर्ण सिविल अपील अपीलार्थीगण द्वारा न्यायालय सिविल जज (जू. डि.) शहर बरेली प्रकीर्ण वाद सं. 11/2023 (अजय कुमार गौर आदि बनाम आदेश कुमार) में पारित आदेश दिनांक 10.12.2024 के विरूद्ध प्रस्तुत की है। जिसमें आप रेस्पोन्डेन्ट है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप दिनांक 07.03.2026 को स्वयं या द्वारा अधिवक्ता प्रकीर्ण सिविल अपील हाजा में उपस्थित हों। जवाबदेही करें, वरना आपकी गैर हाजिरी में प्रकीर्ण सिविल अपील हाजा फैसला होगी।

आज बतारीख 16.02.2026 मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

आदेशानुसार
न्यायालय जनपद न्यायाधीश बरेली

पब्लिक नोटिस

मेरे मुवक्किल पी.एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राम चन्द्र पुत्र श्री राम कुमार व आकांक्षा चौधरी पत्नी श्री राम चन्द्र निवासीगण ग्राम खतौआ अभयराजपुर बरेली के है वह एक किता प्लाट नं. 66 रकवा 87.00 वर्गगज खसरा नं. 844 स्थित ग्राम मुड़िया अहमद नगर आशीष राज इन्क्लेव तहसील व जिला बरेली में स्थित है को खरीदने हेतु मेरे मुवक्किल से ऋण ले रही है। उपरोक्त प्लाट विजेन्द्र पुत्र नत्थूलाल निवासी ग्राम मुड़िया अहमद नगर बरेली द्वारा विक्रय किया जा रहा है। अतः इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/ संस्था /बैंक अथवा खतौनी के अन्य सहखातेदार को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के अन्दर समस्त दस्तावेजों के साथ मेरे या पी.एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली के कार्यालय में प्रस्तुत की जा सकती है उक्त काल में कोई आपत्ति प्राप्त नही होती है तो यह मानते हुये कि इस विषय में कोई आपत्ति किसी व्यक्ति को नही है उक्त ऋण राम चन्द्र पुत्र श्री राम कुमार व आकांक्षा चौधरी पत्नी श्री राम चन्द्र निवासीगण ग्राम खतौआ अभयराजपुर बरेली को प्रदान कर दिया जायेगा।

प्रफुल्ल अग्रवाल एडवोकेट
पैनल एडवाकेट
पी.एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली
223 बासं मण्डी, निकट शील नर्सिंग होम बरेली।
मो. नं. 7017462341, 8899909663

पब्लिक नोटिस

मेरे मुवक्किल पी.एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अनिल पुत्र श्री छत्रपाल निवासी रसूल कमरूनिशा मुड़िया भीकमपुर तहसील व जिला बरेली के है वह एक किता प्लाट नं. 67 रकवा 87.00 वर्गगज खसरा नं. 844 स्थित ग्राम मुड़िया अहमद नगर आशीष राज इन्क्लेव तहसील व जिला बरेली में स्थित है को खरीदने हेतु मेरे मुवक्किल से ऋण ले रही है। उपरोक्त प्लाट विजेन्द्र पुत्र नत्थूलाल निवासी ग्राम मुड़िया अहमद नगर बरेली द्वारा विक्रय किया जा रहा है। अतः इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/बैंक अथवा खतौनी के अन्य सहखातेदार को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के अन्दर समस्त दस्तावेजों के साथ मेरे या पी. एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली के कार्यालय में प्रस्तुत की जा सकती है उक्त काल में कोई आपत्ति प्राप्त नही होती है तो यह मानते हुये कि इस वि ाय में कोई आपत्ति किसी व्यक्ति को नही है उक्त ऋण अनिल पुत्र श्री छत्रपाल निवासी रसूल कमरूनिशा मुड़िया भीकमपुर तहसील व जिला बरेली को प्रदान कर दिया जायेगा।

प्रफुल्ल अग्रवाल एडवोकेट
पैनल एडवाकेट
पी.एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली
223 बासं मण्डी, निकट शील नर्सिंग होम बरेली।
मो. नं. 7017462341, 8899909663

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल आई.सी.आई.सी.आई. एच.एफ.सी. शाखा बरेली से देवेन्द्र कुमार पुत्र चुन्नी लाल नि. बंजरिया जागीर, बसुधरान, बरेली में एक किता मकान रक्बई 142.50 वर्ग मी. जो प्रा. खसरा नं. 505, 506, 507, 509 में से वाकै बिहारमान नगला, बरेली को जिसको बंधक रखकर अपनी शाखा से लोन रहे हैं। उक्त सम्पत्ति के बाबत एक पूर्व मूल बैनामा जो राम चंद्र पुत्र जुखमी राम द्वारा रामप्रसाद पुत्र सेवाराम के पंजीकृत के रूप में उमा शंकर शर्मा ने पक्ष में निष्पादित की गई थी। जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 23.06.1988 ई. को बही सं. 1 जिल्द 2334 के पृष्ठ 264-265 में सी.नं. 5736 पर बरेली में हुई है जो कहीं खो गयी है इसकी सूचना दिनांक 26.02.2026 को थाना कोतवाली बरेली में पंजीकृत की गई थी।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति/बैंक/संस्था आदि को उक्त बंधक सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सामान्य कार्य दिवस की सामान्य कार्यावधि में इस प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल आई.सी.आई.सी.आई. एच.एफ.सी. शाखा बरेली या मेरे कार्यालय पर व्यक्तिगत रूप से समस्त दस्तावेजी साक्ष्यों सहित उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है। उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा उक्त ऋण जारी कर दिया जायेगा।

अमिताभ भन्ज, एडवोकेट
कार्यालय चैम्बर नं 11
बड़ा वकालतखाना सिविल कोर्ट, बरेली
सूचीबद्ध अधिवक्ता
आई.सी.आई.सी.आई.एच.एफ.सी. शाखा बरेली
मो. 9319908378

बेकरी खोलने के नाम पर ठगी दंपती को सजा

हल्द्वानी, अमृत विचार : बेकरी खोलने के नाम पर साझेदारी का झांसा देकर महिला से लाखों रुपये की ठगी में अदालत ने कड़ी सजा सुनाई है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने पति-पत्नी को दोषी ठहराते हुए छह माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों पर नौ लाख 44 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

मामला हल्द्वानी के फतेहपुर क्षेत्र से जुड़ा है। यहां रहने वाली रेखा गोस्वामी ने अपने रिश्तेदारों पर बेकरी व्यवसाय शुरू कराने के नाम पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था। अदालत में पेश किए गए साक्ष्यों के अनुसार, हरिद्वार जिले के रुड़की निवासी मनोज गिरी और उसकी पत्नी ज्योति ने रेखा को कारोबार में साझेदारी का भरोसा दिलाया। इसी भरोसे के आधार पर पीड़िता से पहले बैंक के माध्यम से 10 लाख रुपये का ऋण कराया गया।

ऋण स्वीकृत होने के बाद आरोपियों ने रेखा से बेकरी के लिए उपकरण भी खरीदवाए थे।

सफाई कर्मी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

शाहजहांपुर : शहर के मोहल्ला मोहल्ला महमंद जलालनगर में सफाईकर्मी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतक की पहचान अनूप कुमार के रूप में हुई जो भावलखेड़ा में सफाईकर्मी के पर तैनात था। अनूप देर शाम पुराने घर से पत्नी से चाबी लेकर नये घर पर गया था। उसके बाद उसका फोन रिसीव नही हुआ। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से नीचे उतारा। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना सदर बाजार क्षेत्र के आवास विकास कालोनी के रहने वाले 45 साल के अनूप कुमार भावलखेड़ा ब्लाक में सरकारी सफाईकर्मी के पद पर तैनात थे।

सरेशाम फायरिंग से मचा हड़कंप

तिलहर : कोतवाली क्षेत्र में कपड़ा खरीदने आए युवक पर हमला और फायरिंग की घटना के बाद पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज किया है। मंसूरपुर गोटियां निवासी करन भूटिया ने बताया कि वह रेनू गुप्ता पुत्र पंकज गुप्ता निवासी केलरगंज और माधव सिंह पुत्र मनोज सिंह निवासी कुंवरगंज के साथ कुमार फैमिली शोरूम के बाहर खड़ा था।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना संख्या–याँ/301/इज्ज़त/25–26/ओ0टी0–40

मुख्य कारखाना प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न लिखित कार्य के लिए, निविदा पत्र में अंकित योग्यता मापदण्डों के अनुसार ई–निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं। **क्रम सं०:– 1., कार्य का संक्षिप्त विवरण:–** यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में पीओएच अनुसूची के तहत आने वाले और जाने वाले सभी प्रकार के रेलवे कोचों (आईसीएफ कोच और एलएचबी कोच) की गहन सफाई और मैकेनिकल वर्कशॉप, इज्ज़तनगर में स्मिथि शॉप में स्थित 01 अदद बोश टैंक की सफाई (स्कोप ऑफ़ वर्क के अनुसार) 02 वर्ष की अवधि हेतु। **अनुमानित मूल्य (रू० में):–** ₹ 4236870.64 (बयालीस लाख छत्तीस हज़ार आठ सौ सत्तर रुपये और चौसठ पैसे मात्र), **जमानत राशि (रू० में):–** ₹ 84700.00 (चौरासी हज़ार सात सौ रुपये मात्र), **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू०):–** शून्य, **कार्य अवधि:–** 02 वर्ष, **निविदा खुलने की तिथि व समय:–** दिनांक 24.03.2026 को 15.30 बजे **नोट:–** **1.** उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 27.02.2026 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर खुलने की तिथि 24.03.2026 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है।, **2.** उपरोक्त निविदा में ई–बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वो अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CA द्वारा जारी क्लास–III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ ireps वेबसाइट पर पंजीकृत कराएं। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लैटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** ई–निविदा हेतु धरोहर राशि ई– भुगतान गेटवे भुगतान की नेट बैंकिंग के रूप में अथवा निविदा प्रपत्र में उल्लेखन के अनुसार ही स्वीकार की जायेगी।

उप मुयांइ/उत्पादन, यौंत्रिक कारखाना, इज्जतनगर
मुजाधि/यांत्रिक–149

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय जिला सहकारी बैंक लि., लखीमपुर - खीरी

पत्रांक: 3421/केयर टेकर/2025-26 दिनांक: 28.02.2026

नीलामी प्रेस विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला सहकारी बैंक लि0, लखीमपुर–खीरी की बैंक शाखा–खमरिया पंडित तथा शाखा निघासन के पुराने जर्जर भवन की नीलामी भवन के स्थान पर निर्धारित समय पर दिनांक 09.03.2026 को आयोजित की जायेगी। नीलामी में प्रतिभाग करने वाले बोलीदाता नियत तिथि एवं समय पर उपरिथित रहेंगे । तत्कम में उक्त नीलामी कराये जाने हेतु स्थान, दिनांक, समय तथा नियम एवं शर्ते निम्नलिखित हैं-

1. बैंक शाखा–खमरिया पंडित के पुराने जर्जर भवन का प्राप्त मूल्यांकन रू0 5.84 लाख है तथा बैंक शाखा–निघासन के पुराने जर्जर भवन का प्राप्त मूल्यांकन रू0 7.00 लाख है। नीलामी जो है जैसा है के आधार पर की जायेगी अर्थात बोलीदाता को उक्त दोनों भवन वर्तमान स्थिति में ही स्वीकार करने होंगे।
2. शाखा–खमरिया पंडित के पुराने जर्जर भवन की नीलामी भवन के स्थान पर दिनांक 09.03.2026 को मध्यान्ह 12:00 से 02:00 बजे तक तथा शाखा निघासन के पुराने जर्जर भवन की नीलामी भवन के स्थान पर दिनांक 09.03.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित की जायेगी । नीलामी में प्रतिभाग करने वाले बोलीदाता नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित रहेंगे।
3. नीलामी में भाग लेने वाले बोलीदाताओं को खमरिया पंडित भवन नीलामी हेतु निर्धारित राशि का 10 प्रतिशत रू0 58000.00 एवं तथा शाखा–निघासन हेतु रू0 70000.00 बैंक के पक्ष में चेक /कैश जमा करते हुए पंजीकरण कराना होगा।
4. बोलीदाता का जी0एस0टी0 पंजीकरण होना अनिवार्य है एवं सर्वाधिक बोलीदाता को अन्तिम रूप से स्टाम्प शुल्क एवं रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करना होगा।
5. नीलामी में सर्वाधिक/सफल बोलीदाता को नीलामी धनराशि का 1/4 भाग नीलामी तिथि पर जमा करना होगा। नीलामी प्रकिया पूर्ण होने पर शेष 3/4 धनराशि एक सप्ताह में जमा करने के उपरान्त सर्वाधिक बोलीदाता को कब्जा प्रदान किया जायेगा ।
6. नीलामी की समस्त प्रकिया नीलामी कमेटी के समक्ष की जायेगी ।
7. बोलीदाता एवं बैंक के बीच एक बिक्री अनुबंध निष्पादित किया जायेगा, जिसमें भवन के कब्जे तथा अन्य शर्तो का उल्लेख होगा।
8. सभी आवश्यक उक्त वर्णित शुल्क जमा करने के उपरान्त ही बोलीदाता को दोनों भवनों का कब्जा दिया जायेगा ।
9. नीलामी की शर्तो में परिवर्तन एवं स्वीकृति/अस्वीकृति करने का अधिकार एवं अंतिम निर्णय नीलामी कमेटी का होगा ।

सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी
जिला सहकारी बैंक लि0
लखीमपुर–खीरी

सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक
सहकारिता,
लखीमपुर–खीरी

कार्यालय ग्राम पंचायत गोपालपुर, वि.खं. फरीदपुर (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत गोपालपुर कुन्दन में पंचम वित्त आयोग/पन्द्रहवां वित्त आयोग/मनरेगा योजना के कन्वर्जेन्स से निम्न निर्माण कार्य हेतु स्थान पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नवत है। ईट, बजरफुट, सरिया, सीमेंट, रेता व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1.	ग्रा.पं. गोपालपुर में आँगनबाड़ी केन्द्र निर्माण कार्य	11.84 लाख

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं 05.03.2026 को दोपहर 2 बजे निविदादाओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेंगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

रजनीशा देवी-ग्राम प्रधान **जगत पाल सिंह-सचिव**

कार्यालय नगर पंचायत उसावां (बदायूं)

संख्या:- 204/न.प.उसां/2025-26 दिनांक: 28.02.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि राज्य वित्त आयोग मद के अन्तर्गत नगर पंचायत कार्यालय में ऑफिस अध्यक्ष रूम, कम्प्यूटर, रूम व अधिशासी अधिकारी रूम का सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु प्राप्त धनराशि से कार्य कराने हेतु E-Tender Technical and Financial bid के माध्यम से दिनांक 02.03.2026 को समय 11 बजे से दिनांक 27.03.2026 तक सायं 05 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। E-Tender से प्राप्त निविदायें E-Tender Technical and Financial bid दिनांक 28.03.2026 से खोली जायेगी। E-Tender Technical and Financial bid से सम्बन्धित समस्त शर्तो व विवरण की जानकारी ई–टेण्डर वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

देवेन्द्र प्रताप गौतम
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, उसावां (बदायूं)

प्रियंका सिंह
अध्यक्ष
नगर पंचायत, उसावां (बदायूं)

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स सोसायटी है तथा चिट्स

193-ए, सिविल लाइन्स, बरेली मंडल, बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संस्था हुसैनी मस्जिद इन्तेजामिया कमेटी, ग्राम पीरबहोड़ा पो. इज्जतनगर तहसील व जिला बरेली 243122 के पंजीकरण हेतु श्री नबीउद्दीन ने (सेक्रेट्री) की हैसियत से सोसा. रजि. अधि. 1860 के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीकरण शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किए है उक्त संस्था के स्मृति पत्र व नियमावली में निम्नलिखित पदाधिकारी/ सदस्य दर्शाये गये है।

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1.	बाबू खां पुत्र गालिब खान	सदर/अध्यक्ष
2.	मोहम्मद अफरोज खान पुत्र बाबू खान	नायब सदर/उपाध्यक्ष
3.	नबीउद्दीन पुत्र नजरूद्दीन	सेकेट्री
4.	हसीन बख्श मंसूरी पुत्र नन्हे बख्श अंसारी	कोषाध्यक्ष
5.	साबिर अली पुत्र जुम्मा शाह	मेम्बर
6.	अयान रजा पुत्र अहमद अली	मेम्बर
7.	जाबिर अली पुत्र जुम्मा शाह	मेम्बर
8.	शकील अहमद पुत्र खलील अहमद	मेम्बर
9.	आरिफ हुसैन पुत्र भूरे	मेम्बर

उपरोक्त संस्था के पंजीकरण किए जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर इस कार्यालय को दस्तावेजी साक्ष्यों एवं फोटो युक्त नोटिस शपथ पत्र सहित आपत्ति पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3(1) के ''परन्तुक'' के अंतर्गत जारी की जा रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 1276/7निविदा(पी0डी0)(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांक 24.02.2026

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–764/7निविदा (पी0डी0)–8/25–26 दिनांक 31.01.2026 द्वारा जनपद बदायूँ में प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ के अधीन 07 कार्यों के नवीनीकरण हेतु निविदायें आमंत्रित की गयी हैं। उक्त आमंत्रित निविदाओं में से क्रमांक–04 एवं 05 पर अंकित निम्न कार्यों की निविदायें अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती हैः–

1. जनपद बदायूँ में शेखूपुर विधानसभा के अंतर्गत उझानी पटपरागंज भूड़ा भदरौल कुढ़ा शाहपुर ककोड़ा मार्ग के किमी0 12 से 21(600) में नवीनीकरण का कार्य।
2. जनपद बदायूँ में शेखूपुर विधानसभा के अंतर्गत उसहैत कादरचौक वाया गढ़िया हरदुआपट्टी टिकरी ततारपुर मार्ग के किमी0 6, 17, 19 व 20 में नवीनीकरण का कार्य।

UP - 247157 दिनांक: 27/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(नरेष कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ

(के0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

पत्रांक : 623/12ए दिनांक: 25/02/2026

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑनलाइन ई–निविदा दिनांक 03.03.2026 से दिनांक 10.03.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 10.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया हैः–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत: अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	लागत: कुल अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	ग्राम घूरखेड़ा स्थित मुख्य मार्ग (श्री रामसरन के मकान) से नरेश के घर तक मार्ग के नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	31.60	0.79	32.39	3.24	रू0 944.00	02 माह	(ए,बी, सी,डी) मार्ग कार्य

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 247140 दिनांक: 27/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
शाहजहांपुर

कार्यालय नगर निगम, शाहजहांपुर

पत्रांक: 715/स्वा.वि./पी.आर.ओ./न.वि.-शाह./2025-26 दिनांक: 28.02.2026

सामान्य निविदा सूचना

राज्य वित्त आयोग/बोर्ड फण्ड की प्राप्त धनराशि से वर्कशॉप अनुभाग निम्नलिखित आपूर्ति/कार्य हेतु नगर आयुक्त महोदय की स्वीकृति के अनुपालन में सामान्य निविदा दिनांक 19.03.2026 तक अपरान्ह 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो तद् दिनांक सायं 04:00 बजे खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र रिकार्ड रूम से दिनांक 18.03.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तक क्रय किये जा सकते हैं।

क्र.	विवरण	धरोहर राशि	निविदा मूल्य (मय जी.एस.टी.)
1.	छोटे व बड़े डस्टबिन ट्राली व टिपर की वॉडी एवं ई–रिक्शा की बॉडी की मरम्मत मय रंगाई लिखाई का सम्पूर्ण कार्य।	1,00,000.00	1180.00
2.	ई–रिक्शा चार्जिग, पार्किग व सुरक्षा एवं पंचयर तथा साधारण टूटफूट	1,00,000.00	1180.00
3.	हाथ रिक्शा लकड़ी बॉडी सर्विस एवं मरम्मत कार्य।	1,00,000.00	1180.00
4.	सभी प्रकार के मोबिल ऑयल व फिल्टर आदि की आपूर्ति	1,00,000.00	1180.00

नोट:- उक्त कार्य से सम्बन्धित प्राक्कलन/ शर्ते किसी भी कार्य दिवस में वर्कशॉप रोशनी गोदाम में देखी जा सकती है। साथ ही निविदा खुलने की तिथि पर अवकाश होने की दशा में अगला कार्यदिवस मान्य होगा।

निविदा की क्रयदारी हेतु पृथक-पृथक कार्य की पृथक-पृथक धरोहर धनराशि नगर निगम के बैंक के खाता सं.- 50265293184 आई.एफ.एफ.सी. कोड- IDIB000C632 ब्रांच इन्डियन बैंक, गोविन्दगंज, शाहजहांपुर व निविदा शुल्क नगर निगम के बैंक के खाता सं.- 50200017927485 आई.एफ.एस.सी. कोड- HDFC0000869 ब्रांच एच.डी.एफ.सी. बैंक, शाहजहांपुर में जका कराने उपरान्त मूल प्रति निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करनी होगी। पृथक-पृथक कार्य के पृथक-पृथक सीलबन्द लिफाफा जमा करने होंगे। निविदा की स्वीकृति/अस्वीकृति अथवा निरस्त करने का अधिकार नगर आयुक्त नगर निगम, शाहजहांपुर में निहित होगा।

नगर आयुक्त
नगर निगम, शाहजहांपुर

कार्यालयः– उप जिलाधिकारी,जलालाबाद,शाहजहाँपुर

पत्रांक 87 /मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025–26 दिनाँकः 24 फरवरी,2026

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व अनुभाग–2 के शासनादेश संख्या–01/2019/33/एक–2–2019–19(रिट)/2018 दिनाँक 10.01.2019 एवं शासनादेश संख्या– 97/सत्रह– म–2024–17–1099/9/2024 दिनाँक 19.01.2024 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत तहसील जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में बहने वाली सदानीरा रामगंगा नदी के एक खण्ड की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी किया जाना है। मत्स्य आखेट हेतु वर्ष 2025–26 में पट्टा नीलामी स्वीकृत दिनाँक से 31.5.2026 तक (प्रतिबंधित अवधि 01 जून से 31 अगस्त) मत्स्य आखेट/पट्टा नीलामी पर उठाए जाने की कार्यवाही दिनाँक 06.3.2026 को पूर्वान्ह 11.00 बजे से 2.00 बजे तक संपन्न होगी। यदि किन्ही कारणोंवश उक्त तिथि में नीलामी कार्यवाही संपन्न नहीं हो पाती है तो आगामी तिथि में नीलामी होने तक निम्नलिखित तिथियाँ निर्धारित की जाती है। जिस तिथि को नीलामी संपन्न हो जाती है तो आगामी तिथियाँ स्वतः ही निरस्त मानी जायेगी।

क्रमांक	तहसील का नाम	नीलामी तिथि
1	जलालाबाद	10.3.2026, 16.3.2026, 07.4.2026, 16.4.2026, 22.4.2026

नीलामी कार्यवाही तहसील सभागार में उपरोक्त तिथियों के अनुसार पूर्वान्ह 11.00 बजे से 2.00 बजे तक उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न की जायेगी। पट्टा/नीलामी हेतु चिन्हित एवं अवशेष मत्स्याखेट खण्ड का विवरण निम्नव्त हैः–

क्र0 सं0	तहसील एवं नदी का नाम	जलधारा/खण्ड का भाग संख्या एवं ग्राम का नाम	नदी/जलधारा/खण्ड की लम्बाई (कि0मी0 में)	वर्ष 2025–26 हेतु मत्स्य आखेट/नीलामी हेतु न्यूनतम निर्धारित मूल्य(रू0)
1	तहसील–जलालाबाद नदी – रामगंगा	भाग संख्या–3/3 ग्राम रमापुर बझेड़ा से अशरफपुर मिघौल तक	6.00	198000

पट्टा/नीलामी की शर्ते–

1– मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता की वरीयता का क्रम एवं शर्त शासनादेश संख्या –01/2019/33/एक–2–2019–19(रिट)/2018 दिनाँक 10.01.2019 में वर्णित है।
2– प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम निर्धारित मूल्य का 10 प्रतिशत जमानत के रूप में पट्टा/नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह में जमा नहीं की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित में जब्त कर दी जाएगी।
3– उपरोक्त नीलामी में प्रतिभाग,मत्स्य विभाग में पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4– नीलाम प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख–रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अंगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5– पट्टा धारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा।
6– सम्बन्धित तहसील एवं मत्स्य विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र देना होगा।
7– पट्टे/नीलामी की समस्त धनराशि का लेन–देन समिति के खाते से ही ड्राफ्ट के माध्यम से विभागीय बैंक खाता ''मत्स्य विकास निधि'' के पक्ष में देय होगा।
8– पट्टा/नीलामी/स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार जिलाधिकारी,शाहजहाँपुर में निहित होगा।

पट्टा/नीलामी से संबधित शर्तो की विस्तृत जानकारी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य (कमरा नं0 201,विकास भवन) शाहजहाँपुर में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क कर प्राप्त कर सकते है।

UP - 247124 दिनांक: 27/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी
तहसील जलालाबाद,शाहजहाँपुर।

कार्यालयः– उप जिलाधिकारी,कलान,शाहजहाँपुर

पत्रांकः 88 /मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025–26 दिनाँकः– 24 फरवरी,2026

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व अनुभाग–2 के शासनादेश संख्या–01 2019/33 एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनाँक 10.01.2019 एवं शासनादेश संख्या– 97/सत्रह– म– 2024– 17–1099/9/2024 दिनाँक 19.01.2024 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत तहसील कलान (शाहजहाँपुर) में बहने वाली सदानीरा रामगंगा नदी के दो खण्डों की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी किया जाना है। मत्स्य आखेट हेतु वर्ष 2025–26 में पट्टा नीलामी स्वीकृत दिनाँक से 31.5.2026 तक (प्रतिबंधित अवधि 01 जून से 31 अगस्त) मत्स्य आखेट/पट्टा नीलामी पर उठाए जाने की कार्यवाही दिनाँक 12.3.2026 को पूर्वान्ह 11.00 बजे से 2.00 बजे तक संपन्न होगी। यदि किन्ही कारणोंवश उक्त तिथि में नीलामी कार्यवाही संपन्न नहीं हो पाती है तो आगामी तिथि में नीलामी होने तक निम्नलिखित तिथियाँ निर्धारित की जाती है। जिस तिथि को नीलामी संपन्न हो जाती है तो आगामी तिथियाँ स्वतः ही निरस्त मानी जायेगी।

क्रमांक	तहसील का नाम	नीलामी तिथि
1	कलान	17.3.2026, 24.3.2026, 08.4.2026, 15.4.2026, 23.4.2026

नीलामी कार्यवाही तहसील सभागार में उपरोक्त तिथियों के अनुसार पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 2.00 बजे तक उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न की जायेगी। पट्टा/नीलामी हेतु चिन्हित एवं मत्स्याखेट खण्डों का विवरण निम्नव्त हैः–

क्र0 सं0	तहसील एवं नदी का नाम	जलधारा/खण्ड का भाग संख्या एवं ग्राम का नाम	नदी/जलधारा/खण्ड की लम्बाई (कि0मी0 में)	वर्ष 2025–26 हेतु मत्स्य आखेट/नीलामी हेतु न्यूनतम निर्धारित मूल्य(रू0)
1	तहसील–कलान नदी – रामगंगा	भाग संख्या–3/4 ग्राम मई खुर्द कलॉं से कीलापुर कलॉं तक	5.50	179685
		भाग संख्या–4/4 ग्राम कीलापुर कलॉं से नबादा ता0 वानगॉव तक	5.50	179685

पट्टा/नीलामी की शर्ते–

1– मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता की वरीयता का क्रम एवं शर्त शासनादेश संख्या –01/2019/33/एक–2–2019–19(रिट)/2018 दिनाँक 10.01.2019 में वर्णित है।
2– प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम निर्धारित मूल्य का 10 प्रतिशत जमानत के रूप में पट्टा/नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह में जमा नहीं की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित में जब्त कर दी जाएगी।
3– उपरोक्त नीलामी में प्रतिभाग,मत्स्य विभाग में पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4– नीलाम प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख–रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अंगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5– पट्टा धारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा।
6– सम्बन्धित तहसील एवं मत्स्य विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र देना होगा।
7– पट्टे/नीलामी की समस्त धनराशि का लेन–देन समिति के खाते से ही ड्राफ्ट के माध्यम से विभागीय बैंक खाता ''मत्स्य विकास निधि'' के पक्ष में देय होगा।
8– पट्टा/नीलामी/स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार जिलाधिकारी,शाहजहाँपुर में निहित होगा।

पट्टा/नीलामी से संबधित शर्तो की विस्तृत जानकारी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य (कमरा नं0 201,विकास भवन) शाहजहाँपुर में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क कर प्राप्त कर सकते है।

UP - 247123 दिनांक: 27/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी
तहसील कलान,शाहजहाँपुर।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 1654/141सी0(ई0टेण्डर)–3/26 दिनांकः 24.02.2026

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1— महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 03.03.2026 से दिनांक 10.03.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 10.03.2026 को ही अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया हैः–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू0 लाख में)	लागत: कुल लागत (4+5) (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	आर्यनगर कालोनी चिनौर मंदिर तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहांपुर	60.10	1.50	61.60	5.08	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
2	बड़ावन लधौली बिझाडा सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		92.00	6.90	98.90	6.95	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
3	बिलरिया बसुलिया मार्ग से ग्राम ददिउरा तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		65.80	1.65	67.45	5.38	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
4	पुवायॉ मार्ग से ग्राम बारापुर तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		160.00	10.50	170.50	10.53	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
5	रूकनपुर से हुसैनपुर सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		220.50	15.50	236.00	13.80	2725.00	12 माह	'ए' (मार्ग कार्य)
6	रौजा से मुख्य मार्ग से गुरूद्वारा तक सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		190.50	6.50	197.00	11.85	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
7	निगोना मकरन्दपुर की पुलिया से रामापुर की पुलिया तक मार्ग के नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		83.90	6.20	90.10	6.51	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
8	सतवॉ खुर्द से दौलतपुर सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		151.40	11.30	162.70	10.14	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
9	रिंग रोड (नवोदय विद्यालय) से प्रेम नारंग फर्म हाउस होते हुए बरनई तक मार्ग के नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		119.70	8.90	128.60	8.43	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
10	घुसगवां मुख्य मार्ग से घूरखेड़ा प्राथमिक विद्यालय तक मार्ग के नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		75.50	5.60	81.10	6.10	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
11	ग्राम रज्जबनगर में रामदयाल की बगिया से आंगनबाड़ी होते हुए बारात घर तक नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		48.50	3.60	52.10	4.61	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
12	ग्राम शाहबाजनगर स्थित मोहल्ला बड़ा बेहटा रोड/रिंग रोड से मोहल्ला कछियाना तक नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		38.50	1.70	40.20	4.01	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
13	निगोही मार्ग से शाहबाजनगर निवाड़ी मार्ग पर स्थित गन्ना सेन्टर तक मार्ग के नवनिर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		195.00	14.60	209.60	12.48	2725.00	12 माह	'ए' (मार्ग कार्य)
14	राईखुर्द से रज्जबनगर शाहबाजनगर फाटक तक मार्ग के नवनिर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		70.20	1.70	71.90	5.60	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 247138 दिनांक: 27/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,
बरेली

अमृत विचार

रविवार, 1 मार्च 2026

लालयेत् पंचवर्षाणि
दशवर्षाणि ताडयेत्।
प्राप्ते तु षोडशे वर्षे पुत्रं
मित्रवदाचरेत्॥

बच्चों को पांच साल की उम्र तक प्यार और देखभाल के साथ रखना चाहिए। दस साल की उम्र तक उन्हें अनुशासन में रखना चाहिए। लेकिन जब वे सोलह साल के हो जाएं, तो उनके साथ दोस्तों की तरह व्यवहार करना चाहिए।

होली भारतीय लोक संस्कृति की अभिव्यक्ति

रंग पर्व होली को नमस्कार। कृत्रिम मेधा, असली मेधा व ऑनलाइन बुद्धिमत्ता को नमस्कार। सत्व, रज और तम की त्रिगुणी को नमस्कार। ब्रह्मा, विष्णु और महेश त्रिदेवों को नमस्कार। धर्म, अर्थ और काम की पुरुषार्थत्रयी को नमस्कार। गीता, ब्रह्मसूत्र व उपनिषद की प्रस्थानत्रयी को नमस्कार। शब्द, अपशब्द व संसदीय मर्यादाहीनता को नमस्कार। प्रकृति चिरंतन और आनंदरस से परिपूर्ण। इसके अंतःपुर में आनंदरस का महास्रोत है। भारतीय चिंतन में इसी स्रोत का नाम है-उत्स। आनंद का यह स्रोत मधुमय है। उत्सव इसी आनंद रस का अतिरेक आपूर्ण है। यूरोप और अमेरिकी समाजों के उत्सव बाजार तय करता है और भारत के उत्सव तय करता है देश-काल।

प्रकृति सदाबहार नायिका है। नदियां हंसती नृत्य करती बहती हैं, मनुष्य आनंदित होता है। सो नदियों के तट पर उत्सव नृत्य और संकीर्तन। प्रकृति जहां-जहां जब-जब आनंदित करती है तब-तब वहां-वहां उत्सव, लेकिन काल सबका नियंता है। अथर्ववेद के ऋषि भृगु ने गाया है कि काल में ही सुख-दुख और आनंद है। काल में ही ऋक् यजुष और सामगान हैं। भारतीय उत्सवों में प्रकृति और काल-मुहूर्त की जुगुलबंदी है। वसंत ऐसी ही मनभावन उपस्थिति है। वसंत में प्रकृति और काल की गलमिलौवल है।

> प्रकृति मनमौजी है, तमाम रूपों में सजती है, खिलती है। बड़ी मस्त-मस्त और बिंदास है यह, लेकिन यह नायिका परम स्वतंत्र नहीं है। प्रकृति में नियमबद्धता है। वैदिक ऋषियों ने सृष्टि के इस संविधान को ऋत कहा, ग्रीष्म, वर्षा, शिशिर, हेमंत, पतझड़ और वसंत इसी ऋत के ऋतु-रूप हैं। वसंत परिपूर्ण प्राकृतिक तरूणाई है। प्रकृति की अंग-अंग उमंग का नाम है वसंत। यों सभी उत्सव मनुष्य का सामाजिक उल्लास हैं, लेकिन वसंत समूची प्रकृति का चरम परम उल्लास धर्म है। हम सब प्रकृति के अंश हैं, प्रकृति के गुणों के प्रभाव में है। प्रकृति गीत गाए, नाचे, महकें और मनुष्य चुप रहे ऐसा हो ही नहीं सकता।

प्रकृति मनमौजी है, तमाम रूपों में सजती है, खिलती है। बड़ी मस्त-मस्त और बिंदास है, लेकिन यह नायिका परम स्वतंत्र नहीं है। प्रकृति में नियमबद्धता है। वैदिक ऋषियों ने सृष्टि के इस संविधान को ऋत कहा, ग्रीष्म, वर्षा, शिशिर, हेमंत, पतझड़ और वसंत इसी ऋत के ऋतु-रूप हैं। वसंत परिपूर्ण प्राकृतिक तरूणाई है। प्रकृति की अंग-अंग उमंग का नाम है वसंत। यों सभी उत्सव मनुष्य का सामाजिक उल्लास हैं, लेकिन वसंत समूची प्रकृति का चरम परम उल्लास धर्म है। हम सब प्रकृति के अंश हैं, प्रकृति के गुणों के प्रभाव में है। प्रकृति गीत गाए, नाचे, महकें और मनुष्य चुप रहे ऐसा हो ही नहीं सकता। प्रकृति के रूप मनुष्य ही नहीं अन्य प्राणियों को भी संवेदित करते हैं। वर्षा ऋतु में मोर नाचते हैं, मेढक गीत गाते हैं। शरद् ऋतु जानकर खंजन पक्षी पुलक में होते हैं पर वसंत के संवेदन की बात ही दूसरी है। वसंती पवन भारतीय काव्य का उत्प्रेरण रही है। आखिरकार क्या हो जाता है? वायु देव को वसंत में, जिसे छूकर आगे बढ़ते हैं, वही मदमस्त हो जाता है। वे कलियों की चोली उड़ा ले जाते हैं, तरूणों को सहलाते हैं, तरूणियों को तब तक गुदगुदाते हैं, जब तक वे खिलखिलाकर पूरी खिल नहीं जाती। तरूण तो तरूण हैं। मनतरंग में झूमना उनकी स्वाभाविकता है, लेकिन बूढ़े-बुजुर्ग भी वासंती पवन में मदमस्त हो जाते हैं। नदी, तालाब और खेत-ऊसर भी वसंत की मौज में होते हैं। हमारे गांव से बहने वाली सई नदी भी आनंदमगन हो जाती है। उसके तट पर खड़े वन बबूल के पेड़ों पर गीत उगते हैं। पक्षी प्रेमगीत गाते हैं, गाएं उछलती हैं। न शीत की जकड़न और न गम की उमस और बेचैनी। वसंत का प्रभाव सब पर एक जैसा। बूढ़े मनुष्य ही नहीं बूढ़े वृक्ष भी फूलों से लद जाते हैं। फागुन सबको लहालोट करता है। मनतरंग के देव 'काम' भीतर से कुलाचें मारते हैं। वसंत इसीलिए ऋतुराज है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

पृथ्वी सगंधा है। फूलों से सुगंध उड़ती है, मरूद्गण इस सुगंध को दसों दिशाओं तक पहुंचाते हैं। धरती आकाश गंध आपूरित होते हैं। तिक्त नीम अशोक हो जाती है और बेहया की पौध हो जाती है मौलश्री। तब गुलाब रातरानी जैसी सुगंध देने लगता है और रातरानी कमलगंध में हहराती प्रीति। प्रकृति के सभी रूप रसवंत हो जाते हैं। नदियां नर्तन करती हैं, झीलें गीत गाती हैं, वनस्पतियां झूम उठती हैं। शरद् और ग्रीष्म गलबहियां डालकर मिलते हैं। पक्षी मस्त-मस्त गीत गाते हैं। वे ऋत बंधन में रहते हैं, लेकिन वसंत और होली में शास्त्रीयता का कोई बंधन नहीं। यह वसंत दो दिन के लिए नहीं आता। पूरे तीन-चार माह तक विहंसता है, समूची प्रकृति को रस आपूरित करता है। प्रकृति का हरेक अंश उत्सव मनाता है। हरेक वृक्ष, हरेक फूल, कीट, पतिंग, पशु, पक्षी और मनुष्य मधु उत्सव में होता है। होली इन्हीं मधु उत्सवों का महोत्सव है।

होली आनंद का अतिरेक है और अतिरेक कभी शास्त्रीय नहीं होता। होली का लोक अपने छंद स्वयं गढ़ता है। लोक में अतिरिक्त ऊर्जा है, उफनाती ऊर्जा आनंद का अतिरेक है यहां। ऊर्जा का अतिरेक ही उत्सव बनता है। मनुष्य की तरह समाज का भी मूल-उत्स होता है। समाज का मूल-उत्स संस्कृति है। समाज का आनंदमगन समवेत ही उत्सव हैं। होली भारत का मधुरस है, मधुछंद है, सामगान है, लोकनृत्य है और लोक संस्कृति की चरम अभिव्यक्ति है। होली भारत के मन का उल्लास है। चहुदिश, दिक्काल, लाल गुलाल, सबके गाल। होली का उल्लास प्रायोजित नहीं होता। भारतीय उत्सव प्रकृति का प्रसाद है। होली महाप्रसाद है। होली मधु अनुभूति का मधु प्रसाद है। प्रकृति का यह मधु प्रसाद अखंड है। सूर्य उगते हैं, अस्त होते हैं। मास आते हैं, विदा होते हैं। संवत्सर, युग और मंवंतर आते हैं, पर मधु उत्सवों का मधु प्रसाद कोष रीता नहीं होता। वसंत ऐसा ही मधुकोष लेकर हर साल आता है। होली के अवसर पर बांटता है। होली का यह मधु पूरे साल चलता है। होली भारत का मन मधुमय करती है। इसीलिए यह लोक-महोत्सव है। भारत की भू-सांस्कृतिक आस्था का नर्तन, दर्शन दिग्दर्शन है। यहां लोक अभिव्यक्ति है, राष्ट्रीय एकत्व है और सांस्कृतिक समरसता है। लोक आनंद की अनुभूति है। तमाम असंभवों के संगम है। होली सबकी प्रीति है, राष्ट्र की रीति है। भारत की उमंग और भारत के मन की रंग-तरंग है। देश के उत्तर, दक्षिण और पूरब, पश्चिम होली सबकी प्यारी है। होली विश्ववारा भारतीय संस्कृति का मन आनंद है। होली गीता गाता नृत्य मगन उन्मुक्त अध्यात्म है। धरती, आकाश, वन और संपूर्ण उपवन, का गीत, संगीत है। होली जाति, पंथ उम्र से परे जीवंत महामुक्ति और महाउल्लास है।

कुछ विद्वानों ने होली को मिस्र या यूनान से आयातित बताया है। होली जैसा उत्सव बेशक मिस्र में था, यूनान में भी था। जैमिनि ने होलाका पर्व का उल्लेख (400-200 ईसा पूर्व) किया और लिखा कि होलाका सभी आर्यों का उत्सव था। आचार्य हेमाद्रि (1260-70 ई0) ने पुराण उद्धरणों से होली की प्राचीनता दर्शायी है। वात्स्यायन के कामसूत्र (1.4.42) में यह एक वसंतोल्लास क्रीड़ा पर्व है।

प्राचीनता और आधुनिकता अलग-अलग नहीं होती। वे पृथक दो इकाइयां नहीं हैं। प्रकृति सृष्टि का प्रवाह अविच्छिन्न है। जिसे हम प्राचीनता कहते हैं, वह और भी प्राचीन परंपरा का विकास है। इसी तरह आधुनिकता भी है। 100 बरस पहले जिसे आधुनिकता कहते थे, वह भी प्राचीन होती जा रही है। परंपरा एक सतत् प्रवाह है। परंपरा और उत्सव व्यक्तिगत नहीं होते। उन्हें काल विभाजन के अनुसार नहीं बांटा जा सकता। सामूहिकता हरेक कालखंड में आनंददायी रही है। सामूहिक आनंद और उत्सव पर्यायवाची हैं। प्राचीन भारत का समाज सामूहिकता में आनंदित है इसलिए हर दिन मधुउत्सव है, प्रतिपल मंगल गीत हैं, प्रतिपल मधुवर्षा है। सामूहिकता शोक और दुख को फटकने भी नहीं देती, लेकिन विदेशी सत्ता के प्रभाव में हम भारत के लोग सामूहिकता खोते गये। व्यक्तिगत के भीतर और भी व्यक्तिगत होते गए। सो होली जैसे अंतर्राष्ट्रीय उत्सव भी व्यक्तिगत हो रहे हैं। अब बाजार तय करता है हमारे उत्सव की रूपरेखा। सो भारतीय समाज में विषाद है। उत्सवधर्म विषाद को प्रसाद में बदलते हैं। आइए उत्सवधम हों हम सब। आओ रंग चढ़ा लें देशी कि रंग परदेशी उतर जाए।

सभ्यता के मानक: शोर में डूबती संवेदनाएं

शादियों और त्योहार का समय है, साथ ही बोर्ड परीक्षाओं का भी। एक तरफ विद्यार्थी अपनी तैयारी में व्यस्त हैं, दूसरी तरफ तड़क-भड़क वाला संगीत जोर-जोर से बजता है। दोनों परिस्थितियों में गजब का विरोधाभास है, लेकिन हम हमेशा से यह सहते आ रहे हैं। आज के समय में परिस्थितियां ज्यादा विकट हो रही है। कानफोड़ू संगीत, जिसमें गीत के बोल पता ही नहीं चलते या मन को नहीं भाते, उस पर भौंडा डांस। शादी वाले परिवार से आप आवाज कम करने को नहीं कह सकते। आपकी बात सुनी ही नहीं जाएगी। दुश्मनी हो जाएगी। कई बार तो रात दस वाले मानक का पालन भी नहीं किया जाता। यूं भी संगीत जितना धीमा हो, जितना मृदुल हो, उतना मधुर लगता है। फिर आपकी स्वतंत्रता भी वहां पर समाप्त हो जाती है, जहां दूसरे की शुरू होती है।

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

इस संदर्भ में एक दो घटनाएं ध्यान आ रही हैं। एक हमारे बचपन की, जब हम लोग स्कूल में पढ़ते थे। हमारे घर से लगा हुआ मकान था। दरवाजे आपस में आमने-सामने मिलते थे। उस घर में टीवी फुल वॉल्यूम में लगता था। मां जब वॉल्यूम कम करने को कहती थी तो वह आंटी बड़े गर्व से कहती थीं कि दीदी, यह नया टीवी है, इसमें वॉल्यूम ज्यादा ही है। अक्षरशः उन्होंने क्या कहा मुझे याद नहीं है, लेकिन भाव याद हैं। मां और पापा उनकी बुद्धि पर तरस खाकर हंसते थे। फिर एक दिन मां ने खुद जाकर वॉल्यूम कम करके उन्हें दिखाया था कि नए टीवी में भी वॉल्यूम कम की जा सकती है। टेक्नोलॉजी जितनी विकसित होगी, उतनी सुविधा संपन्न होगी।

एक घटना वर्तमान की है। बेटा जापान में अपने कुछ मित्रों के साथ प्रोजेक्टर में कोई मूवी देख रहा था। जब चार-पांच युवा होते हैं, तो कुछ जोर से बोलना भी हो जाता है। भारतीय यूं भी ऊंची आवाज में ही बोलते हैं। फ्लैट्स की दीवार वहां पर बहुत हल्की कपड़े जैसी। शायद एक घर से दूसरे घर में आवाज पहुंच जाती हो। डिस्टर्बेंस होने पर पड़ोस की आंटी ने पुलिस में कंप्लेंट कर दी। तुरंत पुलिस आई। बताया कि पड़ोस से कंप्लेंट आई है और वॉल्यूम कम करने को कहा। पुलिस का आना वहां पर कोई बड़ी बात नहीं है। यह एक सामान्य घटना है और जाते समय पुलिस वाले असुविधा के लिए खेद जताते हुए सॉरी भी बोल कर गए। क्योंकि यह कोई बहुत बड़ा अपराध नहीं था। अनजाने में की गई गलती थी। ये होते हैं सभ्यता के मानक। जहां पर हर संबंधित पक्ष अपनी गलती मानकर उस पर विचार कर लेता है। हमारे देश में इस तरह के मानक नहीं दिखाई देते। एआई से हम अपनी सुंदर तस्वीरें बना लेते हैं, पर मन को संवारने वाला कोई एआई हमने अभी तक विकसित नहीं किया है। इस तरह की सभ्यता और संस्कार से हम अभी भी कोसों दूर हैं।

> एक घटना वर्तमान की है। बेटा जापान में अपने कुछ मित्रों के साथ प्रोजेक्टर में कोई मूवी देख रहा था। जब चार-पांच युवा होते हैं, तो कुछ जोर से बोलना भी हो जाता है। भारतीय यूं भी ऊंची आवाज में ही बोलते हैं। फ्लैट्स की दीवार वहां पर बहुत हल्की कपड़े जैसी। शायद एक घर से दूसरे घर में आवाज पहुंच जाती हो।

पतझड़ से सबक लेने की जरूरत

मौसम पतझड़ का क्या आया कि साल भर से जिस पेड़ के सहारे पत्ते हरे-हरे दिख रहे थे, उनमें सारे के सारे पत्ते पेड़ से अलग हो गए। अलग होने के पहले ही पत्तों का हरापन गायब हो गया था और जब जमीन पर गिरे तो ज्यादातर पत्ते पीले हो गए, लगता है कि इन पत्तों को पीलिया रोग हो गया। एक भी पत्ता पेड़ से यह नहीं कह रहा कि साल भर के रिश्ते को वह नहीं तोड़ेगा और पेड़ का साथ निभाएगा।

पत्तों के संबंध विच्छेद कर लेने के बावजूद पेड़ जैसे वस्त्रविहीन हो गया हो, लेकिन अपनी डालों के साथ जस का तस खड़ा है। उसे अपनी डालों पर भरोसा है कि जल्द इन डालों पर नए पत्ते आएंगे और उसकी आभा और अच्छे रूप में निखरेगी। पेड़ को यह भरोसा किसी से मिल रहा है, तो पेड़ों की जड़ से मिल रहा है। पत्तों के गिरने के बावजूद पेड़ जड़ के सहारे खड़ा है।

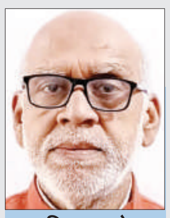

सलिल पाण्डेय
मिर्जापुर

ऐसी ही कुछ स्थिति मनुष्य की होती है। कभी इतना सुखमय और आनंदमय जीवन होता है कि उसकी प्रतिष्ठा समाज में बढ़ जाती है। लोगबाग उसे इर्द-गिर्द मंडराते रहते है। क्योंकि अच्छे दिनों में वह मनुष्य सबकी मदद करता रहता है। किसी ने कुछ मांगा तो इंकार नहीं किया, लेकिन समय किसी को छोड़ता नहीं। समय अनुकूल आता है, तो साधारण व्यक्ति राजसी जीवन जीने लगता है और समय बिगड़ता है, तो राजसी से वह रंक जैसा साधारण एवं निर्धन हो जाता है। जहां मनुष्य साधारण और निर्धन हुआ, तत्काल उसके इर्द-गिर्द रहने वाले किनारा कसने लगते हैं। जबकि इसी समय अपनों के सहारे की जरूरत पड़ती है, लेकिन मतलबी दुनियां में मतलब निकलते तत्काल मुंह मोड़ने वाले ज्यादा होते हैं। जब अपने लोग विपन्नता की स्थिति आते किनारा कसते हैं तब कमजोर मन वाला व्यक्ति हताश और निराश होने लगता है तथा अवसाद में चला जाता है, लेकिन बुद्धि-विवेक वाला पतझड़ से पत्ते विहीन हुए पेड़ों से सबक लेता है। उसे लगता है कि वह अपने बुद्धि-विवेक की जड़ के बल पर पुनः हरे-भरे पेड़ जैसा हो जाएगा। वह हिम्मत हारता नहीं। कहा भी गया है, 'हारिए न हिम्मत, बिसारिए न राम'। यहां राम का आशय समय के पुनः बलवान होने की उम्मीद से है। जो इन पंक्तियों पर भरोसा करता है तब वह नए सिरे से पुनः अपने को स्थापित करने की कोशिश करता है। कोशिशों का नतीजा प्रायः अनुकूल होता है और पुनः पत्ते विहीन पेड़ जो हो गए, वे समय के अंतराल पर हरे-भरे हो गए, उसी प्रकार सुनियोजित प्रयास से व्यक्ति भी पेड़ों की तरह हरा-भरा जरूर होने लगेगा।

तमाम उदाहरण है कि कल तक फकीरों जैसा जीवन जीने वाला, समय बदलते धन-धान्य तथा यश-कीर्ति से परिपूर्ण हो जाता है। आशय यही है कि समय अच्छा हो या बुरा, जड़ों के सहारे खड़ा व्यक्ति कभी परास्त नहीं हो सकता।

स्वच्छता का पर्व है होली

होली की पहचान देश की संस्कृति के रूप में होती है। वसंत ऋतु जनजीवन में नई चेतना का संचार कर रही होती है, फागुन की सुरमई हवाएं वातावरण को मस्त बनाती हैं, तभी होली के रंग लोकजीवन में घुल जाते हैं। इन्हीं दिनों नई फसल भी तैयार होती है और किसानों के लिए यह उल्लास का समय होता है। तभी होली के बहाने नए अन्न की पूजा पूरे देश में की जाती है। यही नहीं पूरी दुनिया में होली की ही तरह अलग-अलग समय में त्योहार मनाए जाते हैं, जिनका असल मकसद तनावों से दूर कुछ पल मौज-मस्ती के बिताना और अपने परिवेश के गैरजरूरी सामान से मुक्ति पाना होता है।

> तनिक गौर करें, होली का प्रारंभ घर-खलिहान की सफाई से होता है। कूड़ा-कचरा होली में जलाकर हम नकारात्मकता का अंत करते हैं। रंग लगाकर और रगड़-रगड़ कर स्नान करना तन-मन की शुद्धि का प्रतीक है। पुराने वस्त्र त्यागकर नए धारण करना नवजीवन का संदेश देता है।

वास्तव में होली का अर्थ है- हो ली, यानी जो बीत गई सो बीत गई, अब आगे की सुध है। गिले-शिकवे मिटाओ, गलतियों को माफ करो और एक दूसरे का रंगों में सराबोर कर दो-रंग प्रेम के, अपनत्व के, प्रकृति के। विडंबना है कि भारतीय संस्कृति की पहचान कहलाने वाला यह पर्व पर्यावरण का दुश्मन नशाखोरी, रंग की जगह त्वचा को नुकसान पहुंचाने, आनंद की जगह भोंडे उधम के लिए कुख्यात हो गया है। कहानियां, किवदंतियां कुछ भी कहें, लेकिन इस पर्व का वास्तविक संदेश तो स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण ही है। यह दुखद है कि अब इस त्योहार ने अपना पारंपरिक रूप और उद्देश्य खो दिया है और इसकी छवि पेड़ व हानिकारक पदार्थों को जलाकर पर्यावरण को हानि पहुंचाने और रंगों के माध्यम से जहर बांटने की बनती जा रही है। हालांकि देश के कई शहरों और मुहल्लों में बीते एक दशक के दौरान होली को प्रकृति-मित्र के रूप में मनाने के अभिनव प्रयोग भी हो रहे हैं। हमारा कोई भी संस्कार या उत्सव उल्लास की आड़ में पर्यावरण को क्षति की अनुमति नहीं देता। होलिका दहन के साथ सबसे बड़ी कुरीति हरे पेड़ों को काटकर जलाने की है।

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ लेखक

वास्तव में होली भी दीपावली की ही तरह खलिहान से घर के कोठार में फसल आने की ख़ुशी व्यक्त करने का पर्व है। याद करें कि होली में गोबर के बने उपले की माला अवश्य डाली जाती है। असल में ठंड के दिनों में जंगल जा कर जलावन लाने में डर रहता था, सो ऐसे समय के लिए घरों में उपलों को भी एकत्र कर रखते थे। चूंकि अब घर में नया अनाज आने वाला है सो, कंडे-उपले की जरूरत नहीं, तभी उसे होलिका दहन में इस्तेमाल किया जाता है। उपले की आंच धीमी होती है, लपटें ऊंची नहीं जातीं, इसमें नए अन्न- गेंहू की बाली या चने के छोड़ को भूना भी जा सकता है, सो हमारे पूर्वजों ने होली में उपले के प्रयोग किए। एक बात और आदिवासी समाज में प्रत्येक कृषि उत्पाद के लिए "नवा खाई' पर्व होता है, जो भी नई फसल आई, उसके लिए प्रकृति का धन्यवाद। होली भी किसानों के लिए कुछ ऐसा ही पर्व है। होलिका पर्व का वास्तविक समापन शीतला अष्टमी को होता है। पूर्णिमा की होली और उसके आठ दिन बाद अष्टमी का यह अवसर! शक संवत का पहला महीना चैत्र और इसके कृष्ण पक्ष पर बासी खाना खाने का बसौड़ा। इस दिन घर में चूल्हा नहीं जलता और एक दिन पहले ही पक्की रसोई यानी पूड़ी कचौड़ी, चने, दही बड़े आदि बन जाते हैं। सुबह सूरज उगने से पहले होलिका के दहन स्थल पर शीतला मैया को भोग लगाया जाता है। स्कंद पुराण शीतलाष्टक स्त्रोत के अनुसार "वन्देहं शीतलां देवींरासभस्थां दिगम्बराम। मार्जनीकलशोपेतां शूर्पालङ्कृतमस्तकाम।।" अर्थात गर्दभ पर विराजमान दिगंबरा, हाथ में झाड़ू तथा कलश धारण करने वाली, सूप से अलंकृत मस्तकवाली भगवती शीतला की मैं वंदना करता हूं। शीतला माता के इस वंदना मंत्र से स्पष्ट है कि ये स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं। हाथ में मार्जनी (झाड़ू) होने का अर्थ है कि समाज को भी सफाई के प्रति जागरूक होना चाहिए। कलश से तात्पर्य है कि स्वच्छता रहने पर ही स्वास्थ्य रूपी समृद्धि आती है। मान्यता के अनुसार, इस व्रत को रखने से शीतला देवी प्रसन्न होती हैं और व्रती के कुल में चेचक, खसरा, दाह, ज्वर, पीतज्वर, दुर्गंधयुक्त फोड़े और नेत्रों के रोग आदि दूर हो जाते हैं। हकीकत में संदेश यही है कि यदि स्वच्छता रखेंगे, तो ये रोग नहीं हो सकते।

तनिक गौर करें, होली का प्रारंभ घर-खलिहान की सफाई से होता है। कूड़ा-कचरा होली में जलाकर हम नकारात्मकता का अंत करते हैं। रंग लगाकर और रगड़-रगड़ कर स्नान करना तन-मन की शुद्धि का प्रतीक है। पुराने वस्त्र त्यागकर नए धारण करना नवजीवन का संदेश देता है। समापन पर स्वच्छता की देवी की पूजा कर समाज को साफ-सफाई का संदेश दिया जाता है। होली पर बसौड़ा चढ़ावा गरीबों के लिए सहारा बनता है। यही लोग नई उमंग से खेतों में श्रम करते हैं। अतः होली समरसता, पर्यावरण संरक्षण और मनोविनोद का मूल दर्शन प्रस्तुत करती है।

शिक्षा सुधार या शिक्षक नियंत्रण

सबसे खतरनाक और सुविधाजनक भ्रम है कि शिक्षक की भूमिका केवल आदेशों का पालन करने तक सीमित है। जैसे शिक्षक कोई स्विच हो-ऊपर से निर्देश आए और नीचे क्रियान्वयन हो जाए। समाज और व्यवस्था, दोनों ही अक्सर इसी धारणा में सुकून महसूस करते हैं, क्योंकि इससे जिम्मेदारी का बोझ अपने कंधों से उतर जाता है। अगर परिणाम अच्छे नहीं आए, तो उंगली शिक्षक पर और अगर सब ठीक चला, तो श्रेय व्यवस्था का। यही सबसे बड़ी बौद्धिक बेईमानी है।

प्रवीण त्रिवेदी
शिक्षक

शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक का दूत नहीं होता, वह कक्षा में खड़ा एक जीवित विवेक होता है। वह बच्चों के सवालों से रोज टकराता है, उनकी जिज्ञासाओं, भय और संभावनाओं को अपने सामने खुलते देखता है। आदेश कागज पर लिखे जाते हैं, लेकिन उनका असर जमीन पर बच्चों के दिमाग और भविष्य पर पड़ता है। इस अंतर को समझने की जहमत समाज अक्सर नहीं उठाता। आदेश मानने की अपेक्षा तो रखी जाती है, पर यह नहीं पूछा जाता कि वह आदेश बच्चों के जीवन में क्या बदल रहे हैं। विडंबना यह है कि जब भी शिक्षा व्यवस्था में कोई सुधार की बात होती है, शिक्षक को सबसे पहले "अनुशासन में लाने" का लक्ष्य बनाया जाता है। प्रशिक्षण, निरीक्षण, मूल्यांकन सबका उद्देश्य यही मान लिया जाता है कि शिक्षक को और अधिक नियंत्रित किया जाए। यह मानकर चला जाता है कि शिक्षक सोचने लगे तो व्यवस्था बिगड़ जाएगी। दरअसल डर यह है कि अगर शिक्षक सचमुच सोचने लगा, सवाल पूछने लगा, तो कई खोखले आदेश टिक नहीं पाएंगे। समाज भी इस खेल में बराबर का भागीदार है। वही समाज जो अपने बच्चों की हर कमी का ठीकरा स्कूल पर फोड़ देता है, वही समाज शिक्षक से यह उम्मीद नहीं करता कि वह व्यवस्था से सवाल पूछे। शिक्षक आदर्श बने, त्यागी बने, राष्ट्रनिर्माता बने, लेकिन चुपचाप बने। बोलने वाला शिक्षक असुविधाजनक हो जाता है और असुविधाजनक सच किसी को पसंद नहीं आता।

अब समय है कि शिक्षक को केवल निर्देशों का पालनकर्ता मानने की सुविधा छोड़ दी जाए। अगर शिक्षा को सचमुच सुधारना है, तो शिक्षक को केंद्र में लाना होगा। केवल जिम्मेदारी देने के लिए नहीं, बल्कि अधिकार और विश्वास देने के लिए भी। वरना हम हर साल नई योजनाओं, नए आदेशों और वही पुराने नतीजों के बीच घूमते रहेंगे और दोष हमेशा उसी पर डालेंगे जो सबसे सामने, सबसे ईमानदारी से खड़ा है।

मेलों पर संकट: सुरक्षा व आजीविका के बीच संतुलन की तलाश

भारत के पारंपरिक मेले केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, वे हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन का जीवंत हिस्सा हैं। गांव-गांव, शहर-शहर लगने वाले ये मेले सदियों से लोगों के मेल-मिलाप, लोक संस्कृति और आजीविका का आधार रहे हैं। यहां झूले लगाने वाले, खिलौने बेचने वाले, बर्तन, चूड़ी, हस्तशिल्प बेचने वाले दुकानदार, बुनकर, लोक कलाकार और छोटे कुटीर उद्योगों से जुड़े हजारों परिवार अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं, लेकिन आज यह पारंपरिक कारोबार गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। विशेष रूप से गुजरात में तो स्थिति ऐसी बन गई है कि मेले लगभग समाप्ति की ओर हैं। अन्य राज्यों में भी कड़े नियमों की आशंका से मेला आयोजकों और झूला संचालकों के बीच असुरक्षा का माहौल है।

राजकोट में एक गेमिंग जोन में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उस हादसे के बाद राज्य सरकार ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सख्त नियम लागू किए। जन सुरक्षा सर्वोपरि है, इसमें कोई मतभेद नहीं हो सकता। सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, लेकिन नियम बनाते समय इस बात पर शायद ध्यान ही नहीं दिया गया कि राजकोट की घटना एक बंद, पक्के और अवैध गेमिंग जोन में हुई थी, जबकि पारंपरिक मेले और झूले खुले वातावरण में अस्थायी ढांचे में लगाए जाते हैं।

जगराम गुर्जर
लेखक

खुले मेलों के झूले न तो पक्के भवनों में होते हैं, न ही उनमें जटिल बिजली व्यवस्था या आग पकड़ने वाली बनावट होती हैं। इसके बावजूद नए नियमों का सबसे अधिक प्रभाव इन्हीं छोटे मेला आयोजकों और झूला संचालकों पर पड़ा है। नए प्रावधानों के तहत महंगे इंजीनियरिंग सर्टिफिकेट, भारी बीमा कवर, जटिल लाइसेंस प्रक्रिया और बार-बार निरीक्षण जैसी शर्तें लागू कर दी गई हैं। छोटे स्तर पर काम करने वाले ये लोग पहले ही भारी कर्ज लेकर अपने झूले खरीदते हैं। उनके लिए महंगे प्रमाण पत्र और बीमा प्रीमियम जुटाना लगभग असंभव है। गौर करने वाली बात है कि कोई भी मेला आयोजक या झूला संचालक सुरक्षा नियमों को हटाने की मांग नहीं कर रहा। बंद गेमिंग जोनों के लिए कठोर नियम आवश्यक हैं और उनका पालन होना चाहिए, लेकिन खुले मेलों के पारंपरिक झूलों के लिए अलग, सरल और व्यावहारिक नियम बनाए जाने चाहिए।

आज देश में अनेक झूला निर्माता कार्यरत हैं। क्या उनके निर्माण मानकों की नियमित जांच होती है? क्या यह सुनिश्चित किया जाता है कि हर झूला तकनीकी कसौटियों पर खरा उतरता है? यदि निर्माण स्तर पर ही त्रुटि रह जाए तो उसका खामियाजा अंतिम संचालक और आम जनता को भुगतना पड़ता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल संचालन स्तर पर कठोरता बढ़ाने में नहीं है, बल्कि निर्माण से लेकर संचालन तक एक संतुलित और व्यावहारिक निगरानी व्यवस्था बनाने में है। पारंपरिक मेलों को समाप्त होने देना केवल आर्थिक क्षति नहीं होगी, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विरासत के लिए भी आघात होगा। आज जब बड़े मॉल और डिजिटल मनोरंजन के साधन तेजी से बढ़ रहे हैं, तब भी मेले लोगों को खुला, सामुदायिक और पारिवारिक मनोरंजन प्रदान करते हैं। ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को संबल देने में इनकी भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

आवश्यक है कि सरकार, प्रशासन और मेला आयोजकों के प्रतिनिधि मिलकर एक व्यवहारिक नीति तैयार करें। एक ऐसी नीति जो भले ही सुरक्षा से समझौता न करे, लेकिन छोटे व्यवसायियों को काम करने से भी नहीं रोके। यदि समय रहते संतुलित निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाली पीढ़ियां शायद केवल किताबों में पढ़ेंगी कि कभी हमारे गांव-शहरों में रंग-बिरंगे मेले लगते थे, जिनमें बच्चों की हंसी और लोकगीतों की गूंज होती थी। सुरक्षा और आजीविका के बीच संतुलन ही इस संकट का वास्तविक समाधान है। यही समय की मांग है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

पश्चिम एशिया पर संकट
महायुद्ध

महाविनाश की ओर मिडिल ईस्ट, पड़ोसी मुल्कों में गूंजे सायरन

बमबारी ने न केवल ईरान के सैन्य ढांचे को हिलाया, बल्कि पड़ोसी देशों बहरीन, कुवैत, कतर, यूएई में भी दहशत का माहौल पैदा किया

यरूशलम/तेहरान, एजेंसी

इजराइल और अमेरिका द्वारा ईरान के विरुद्ध शुरू किए गए ऑपरेशन लायन्स रोर ने पूरे पश्चिम एशिया को युद्ध की आग में झोंक दिया है। शनिवार देर रात से शुरू हुई बमबारी ने न केवल ईरान के सैन्य ढांचे को हिला दिया है, बल्कि पड़ोसी देशों बहरीन, कुवैत, कतर और जॉर्डन में भी दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

ईरान का रणक्षेत्र : खामनेई के आवास के पास धमाके : इजराइली वायुसेना ने ईरान के सरकारी भवनों, खुफिया ठिकानों और रिवोल्यूशनरी गार्ड के मुख्यालयों को निशाना बनाया। तेहरान से आ रही खबरों के अनुसार, सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई के परिसर के पास हुए विस्फोटों के बाद उन्हें सुरक्षित बंकर में शिफ्ट किया गया है। जवाब में ईरान ने इजरायल पर ड्रोनों और मिसाइलों के ''पहले दौर'' के हमले शुरू कर दिए हैं।

- **बहरीन :** यहां स्थित अमेरिकी नौसेना के 5वें बेड़े के मुख्यालय को मिसाइल से निशाना बनाया गया है, जिससे तटीय इलाकों में अफरा-तफरी मच गई।
- **कुवैत और कतर :** कुवैत में अमेरिकी सैन्य केंद्रों के पास भारी विस्फोट सुने गए। कतर में भी रात भर सायरन बजते रहे और अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को घरों में ही ''बंकर'' होने की सलाह दी है।
- **जॉर्डन और इराक :** जॉर्डन में आसमान मिसाइलों की रोशनी से लाल हो गया है, जबकि इराक और संयुक्त अरब अमीरात ने सुरक्षा कारणों से अपना हवाई क्षेत्र पूरी तरह बंद कर दिया है।
- **हूती विद्रोहियों की एंट्री :** समुद्री मार्ग पर खतरा यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने इस संघर्ष में कूदने का ऐलान कर दिया है। हूतियों ने इजरायल और लाल सागर के अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्गों पर फिर से मिसाइल हमले शुरू कर दिए हैं। इससे स्वेज नहर के जरिए होने वाले वैश्विक व्यापार पर संकट के बादल मंडरा गए हैं।

ईरानी मिसाइल हमले की आशंका में तेल अवीव में एक आश्रय स्थल में शरण लिए लोग।

दो ध्रुवों में बंटी वैश्विक कूटनीति

वाशिंगटन/मास्को/तेहरान, एजेंसी

पश्चिम एशिया में छिड़े भीषण सैन्य संघर्ष ने वैश्विक कूटनीति को दो ध्रुवों में बांट दिया है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान के विरुद्ध शुरू किए गए ''ऑपरेशन लायन्स रोर'' के बाद दुनिया भर के देशों ने अपनी तीखी और चिंताजनक प्रतिक्रियाएं दी हैं। अमेरिका ने इसे ''सत्ता परिवर्तन'' का सही समय बताते हुए इजरायल का खुला समर्थन किया है, वहीं रूस और चीन ने इसे ''एकतरफा आक्रामकता'' करार देते हुए वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा बताया है।

भारत ने कहा- गहरी चिंता और नागरिकों की सुरक्षा

भारत के विदेश मंत्रालय ने अत्यंत संतुलित रुख अपनाते हुए दोनों पक्षों से संयम बरतने और कूटनीति के रास्ते पर लौटने की अपील की है। भारत की प्राथमिकता खाड़ी देशों में रह रहे अपने 90 लाख से अधिक नागरिकों की सुरक्षा है, जिसके लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं

इजरायल का आत्मरक्षा का अधिकार : अमेरिका

अमेरिका ने इजरायल के हमलों का खुला समर्थन किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने ''लाल रेखा'' पार की थी और अब वहां सत्ता परिवर्तन का समय आ गया है। व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी सेना क्षेत्र में अपने ठिकानों और सहयोगियों की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।

ईरान : विनाशकारी पलटवार की चेतावनी

ईरानी ने इन हमलों को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि इजरायल और अमेरिका को इस दुस्साहस की भारी कीमत चुकानी होगी। ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि उसके परमाणु या तेल प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुँचा, तो वह पूरे क्षेत्र में महायुद्ध छेड़ देगा।

खाड़ी देशों ने की तनाव कम करने की अपील

संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं और हमलों की निंदा करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ेगी। जॉर्डन ने स्पष्ट किया है कि वह अपनी धरती या हवाई क्षेत्र का उपयोग किसी भी सैन्य कार्रवाई के लिए नहीं होने देगा।

यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने जताया समर्थन

ब्रिटेन और फ्रांस ने इजरायल की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता जताई है, लेकिन साथ ही आगाह किया है कि पूर्ण स्तर का युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति के लिए विनाशकारी साबित होगा।

रूस -चीन ने किया एकतरफा कार्रवाई का विरोध

रूस और चीन ने अमेरिका और इजरायल की इस कार्रवाई की आलोचना की है। चीन ने कहा कि बल प्रयोग से शांति नहीं आ सकती और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए।

कनाडा के पीएम कार्नी ने किया ईरान पर हमलों का समर्थन

मुंबई। भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को ईरान पर अमेरिका द्वारा किए गए हमलों का समर्थन करते हुए उन्हें ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए खतरा बनने से बचाने की कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि कनाडा इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार की पुष्टि करता है। मुंबई में कनाडा-भारत फोरम में उन्होंने कहा कि इस्लामिक गणराज्य ईरान पूरे पश्चिम एशिया में अस्थिरता और आतंकवाद का मुख्य स्रोत है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों के मामले में इसका रिकॉर्ड दुनिया में सबसे खराब है और इसे कभी परमाणु हथियार हासिल करने या विकसित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

ईरानी हमलों के बाद यूएई ने जारी किया रेड अलर्ट

रक्षा कर्मियों को हाई अलर्ट पर रखा

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) ने कहा है कि उसने ईरानी हवाई हमलों का तेज़ी से तथा उच्च दक्षता के मुकाबला किया है और ईरानी हमले में अब तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने सशस्त्र बलों को भी हाई अलर्ट पर रखा है तथा दुश्मन के और किसी खतरे की स्थिति में परिचालन तत्परता का ऑर्डर दिया है। यूएई की सेना के मुताबिक मार गिराई गई मिसाइलों का मलबा अबू धाबी के अलग-अलग इलाकों में गिरा, जिसमें सादियात आइलैंड, खलीफा सिटी, बानी यास, मोहम्मद बिन जायद सिटी और अल फलाह शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि प्रभावित जगहों पर कोई घायल नहीं हुआ। हमलों की आलोचना करते हुए यूएई के रक्षा मंत्रालय ने हमलों को देश की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया। यूएई ने कहा कि वह अपने इलाके और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी ज़रूरी रक्षात्मक कदम उठाने का पूरा अधिकार रखता है। यूएई ने कहा कि निवासियों और आगंतुकों की सुरक्षा अबू धाबी की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि जाता जानकारी के लिए आधिकारिक सूत्रों पर भरोसा करें और इस इलाके में तनाव की नई लहर, इज़रायल और ईरान के खिलाफ अमेरिका के अचानक संघर्ष के बीच कोई भी बिना सत्यापन वाली गलत जानकारी को फैलाने से बचें।

मिसाइल हमलों से भय में बीता यूएई निवासियों का दिन

दुबई। दुबई निवासी माया तनेजा शनिवार को तेज धमाकों की आवाज सुनकर घबरा गईं और उन्होंने हड़बड़ाहट में अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को फोन करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि लोगों का हालचाल जानने के दौरान मुझे बहरीन में रहने वाले मेरे एक रिश्तेदार का फोन आया। उन्होंने भी अपने आसपास धमाकों की आवाज सुनी। ऐसा लगता है कि पूरा क्षेत्र हमलों की चपेट में है। तनेजा अकेली नहीं हैं जिनका दिन डर के साये में बीता। शनिवार को ईरान पर इजराइल-अमेरिका के संयुक्त हमले के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र ने एक ऐसे भयावह समय का सामना किया, जिसकी आशंका वे महीनों से जता रहे थे लेकिन इसका उन्होंने कभी अनुभव नहीं किया था। जैसे ही ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन और कतर में एक साथ मिसाइलें दागीं, नागरिक घरों के अंदर ही रहे और उनमें भय का माहौल दिखा। अबू धाबी में रहने वाली भारतीय एआई सलाहकार निदा सैयद के लिए आज की सुबह काफी डरावनी रही, जब जेट विमान उनके इलाके के बहुत करीब से गुजरे। सोशल मीडिया पर लोग इस स्थिति के वीडियो और तस्वीरें साझा कर रहे हैं। शारजाह में रहने वाले बीमा पेशेवर शाजी ने अस्थिर स्थिति के बीच विश्वसनीय जानकारी की कमी पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, इतनी सारी फर्जी खबरें और पुराने वीडियो सच बताकर फैलाए जा रहे हैं, जिससे भ्रम बढ़ता है।

राष्ट्रपति ट्रंप बोले-ईरान परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता

वेस्ट पाम बीच, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किए गए आठ मिनट के वीडियो में कहा कि अमेरिका ने ईरान में बड़े पैमाने पर युद्ध अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को विकसित करना जारी रखा है और अमेरिका तक मार करने में सक्षम मिसाइलों को विकसित करने की योजना बना रहा है। ट्रंप ने ईरानी लोगों से अपनी सरकार पर नियंत्रण हासिल करने की अपील की।

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि कुछ समय पहले, अमेरिकी सेना ने ईरान में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किए। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य ईरानी शासन से उत्पन्न होने वाले सभी खतरों को समाप्त करके अमेरिकी जनता की रक्षा करना है। उन्होंने कहा, ईरानी शासन 47 वर्षों से अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगा रहा है और अमेरिका, हमारे सैनिकों और कई देशों में निर्दोष लोगों को निशाना बनाकर रक्तपात और सामूहिक हत्या का एक अंतहीन अभियान चला रहा है। ट्रंप ने कहा, शासन के शुरुआती कृत्यों में से एक तेहरान में अमेरिकी दूतावास पर हिंसक कब्जे का समर्थन करना था, जिसमें दर्जनों अमेरिकी नागरिकों को 444 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया था। ट्रंप ने कहा कि ईरान के सहयोगी हमास ने ही सात अक्टूबर को इजराइल पर हमले किए, जिसमें 46 अमेरिकियों सहित 1,000 से अधिक निर्दोष की हत्या कर दी गई। ईरान दुनिया का सबसे बड़ा आतंकवाद प्रायोजक देश है, और उसने हाल ही में विरोध प्रदर्शन कर रहे अपने हजारों नागरिकों को मार डाला।

सशस्त्र बलों के सेवा मानदंडों पर पुनर्विचार को केंद्र बनाए समिति

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ब्रिटिश काल के मानदंडों पर ही न अटके रहें**

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह सशस्त्र बलों के जवानों की सेवा शर्तों और सेवानिवृत्ति आयु के मामले में ब्रिटिश काल के मानदंडों पर ही अटकी न रहे और अत्यधिक कुशल तटरक्षक बलों के मापदंडों पर पुनर्विचार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने पर विचार करे।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के अमल पर रोक लगा दी, जिसमें भारतीय तटरक्षक बल में सभी स्तर पर सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष समान रूप से लागू करने का निर्देश दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे से कहा, सेवा शर्तों और सेवानिवृत्ति की आयु से जुड़े इन नियमों की अब समीक्षा का समय आ गया है। सरकार ब्रिटिश दौर में बनाए गए नियमों पर अटकी नहीं रह सकती। कोई इस बात की कल्पना नहीं कर सकता कि आज के समय में तटरक्षक बल की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। मौजूदा सेवानिवृत्ति आयु पुरानी व्यवस्था का अनुसरण करती प्रतीत होती है। उच्चतम न्यायालय केंद्र सरकार की उस अपील पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के तटरक्षक (सामान्य) नियम, 1986 के नियम 20(1) और 20(2) को रद्द करने के पिछले वर्ष के आदेश को चुनौती दी गई है। इन नियमों के तहत कमांडेंट और उससे नीचे के स्तर के अधिकारी 57 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते थे, जबकि कमांडेंट से ऊपर के स्तर के अधिकारी 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते थे।

एसआईआर के बाद की सूची में अमर्त्य सेन का नाम दर्ज

कोलकाता। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का नाम पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद की मतदाता सूची में आया है और उनकी स्थिति अनिवासी भारतीय के रूप में दर्ज की गई है। यह जानकारी निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को दी। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब निर्वाचन आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया के तहत अर्थशास्त्री के शांतिनिकेतन स्थित आवास पर सुनवाई का नोटिस दिया था, जिसके बाद राजनीतिक और शैक्षणिक हलकों में व्यापक बहस छिड़ गई थी।

बेंगलुरु में हवाई अड्डे पर यात्रियों का प्रदर्शन

बेंगलुरु, एजेंसी

- **नेपाल में दूसरे दिन भी विमान की लैंडिंग न होने से नाराजगी**

बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गयी जब एयर इंडिया एक्सप्रेस की कथित लापरवाही और कुप्रबंधन के विरुद्ध नेपाल जाने वाले यात्रियों ने यहां प्रदर्शन किया।

यात्रियों ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह 10:30 बजे बेंगलुरु से काठमांडू के लिए रवाना हुआ विमान काठमांडू में उतरने के बजाय वापस लौट आया और यात्रियों को इसका कारण भी स्पष्ट नहीं किया गया। खबरों के मुताबिक, उसी विमान ने शुक्रवार सुबह फिर से उड़ान भरी, लेकिन एक बार फिर यह काठमांडू में उतरने में विफल रहा और उसे लखनऊ की ओर मोड़ दिया गया।

यात्रियों ने आरोप लगाया कि लखनऊ में उतरने के बाद उन्हें कई घंटों तक विमान के अंदर ही बैठाए रखा गया। यहां एक यात्री ने शुक्रवार को अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा, हमें घंटों तक बिना उचित जानकारी दिए विमान के अंदर ही रखा गया। किसी ने भी स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया कि क्या हो रहा है। लंबे इंतजार और थकावट के बाद यात्रियों ने विमान के अंदर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे विमानन कंपनी को उन्हें वापस बेंगलुरु ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। यहां पहुंचने के बाद कई यात्री हवाई अड्डे पर आव्रजन क्षेत्र के पास विरोध प्रदर्शन करने के लिए बैठ गए और उन्होंने दो दिनों के अपने समय की हुई बर्बादी के कारण नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि उन्हें कुल मिलाकर 30 घंटे से अधिक समय तक विमान के अंदर बंद रखा गया और उन्होंने एयरलाइन पर खराब समन्वय तथा खराब संचार का आरोप लगाया। यहां एक अन्य यात्री ने कहा, नेपाल की हमारी पूरी यात्रा बर्बाद हो गई। हमने इसकी योजना बहुत पहले से बनाई थी और हमें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

एंथ्रोपिक की एआई का इस्तेमाल न करें अमेरिकी एजेंसियां

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने शुक्रवार को देश की सभी सरकारी एजेंसियों को एआई कंपनी एंथ्रोपिक की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का उपयोग बंद करने का आदेश दिया और अन्य कड़े दंडात्मक कदम भी उठाए। यह निर्णय सरकार और कंपनी के बीच एआई सुरक्षा को लेकर जारी विवाद के बाद लिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और अन्य अधिकारियों ने एंथ्रोपिक की आलोचना की। उनका आरोप है कि कंपनी ने समयसीमा के भीतर सेना को अपनी एआई तकनीक के असीमित उपयोग की अनुमति नहीं दी।

बोत्सवाना से लाए नौ चीते पहुंचे कुनो राष्ट्रीय उद्यान में

नई दिल्ली, एजेंसी

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि बोत्सवाना से आए नौ और चीतों को मध्य प्रदेश में स्थित कुनो राष्ट्रीय उद्यान में बने संगरोध बाड़ों में छोड़ा गया है। यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को बताया कि इन चीतों को पहले अनुकूलन और स्वास्थ्य निगरानी के चरण से गुजरना होगा। उनका कहना था कि बोत्सवाना से जो नौ चीते लाए गए हैं उनमें छह मादा और तीन नर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पर्यावरण के प्रति जागरूक नेतृत्व में चीता परियोजना को बहुत बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि भारत में 39 चीतों की अच्छी-खासी आबादी है, जिनमें 28 भारत में जन्मे शावक शामिल हैं। इनमें एक शावक कल शुक्रवार को ही जन्मा है जबकि तीन अन्य इससे चंद दिन पहले जन्मे थे।

यादव की घोषणा के अनुसार नौ और चीते बोत्सवाना से लाए गये इस तरह से चीतों की संख्या 48 हो गई है। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पर्यावरण के प्रति जागरूक नेतृत्व में चीता परियोजना को बड़ी सफलता मिली है। उनका कहना था कि भारत में 39 चीतों की अच्छी-खासी आबादी हो गयी है, जिनमें 28 भारत में जन्मे शावक शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिसंबर 2024 में सरकार ने चीतों की खरीद के लिए बोत्सवाना सरकार के साथ औपचारिक बातचीत शुरू की, ताकि भारत के प्रमुख वन्यजीव संरक्षण कार्यक्रम प्रोजेक्ट चीता को और मजबूत किया जा सके। यह प्रस्ताव बोत्सवाना गणराज्य के पर्यावरण और पर्यटन मंत्री पुसो विंटर ममोलोत्सी के साथ परामर्श से यादव द्वारा औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया था।

आईएमएफ ने यूक्रेन को 8.1 अरब डॉलर के कर्ज को दी मंजूरी

कीव। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने रूस के साथ जारी युद्ध के बीच भारी बजटीय घाटे और लगभग पंगु हो चुकी अर्थव्यवस्था से जूझ रहे यूक्रेन के लिए 8.1 अरब डॉलर के एक नए चार-वर्षीय ऋण कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि 1.5 अरब डॉलर तत्काल वितरित किए जाएंगे, हालांकि यह भी देखा गया किया कि यह राशि कीव की वास्तविक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्यंत कम है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार यूक्रेन को अकेले 2026 में 52 अरब डॉलर के बजटीय घाटे का सामना करना पड़ेगा, जो अगले चार वर्षों में संचयी रूप से 136.5 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इस कमी को दानदाताओं की सहायता राशि और ऋण संचालन से मिलने वाली राहत के माध्यम से पूरा किए जाने की उम्मीद है, जिसमें यूरोपीय संघ और जी-7 को प्रमुख संभावित योगदानकर्ताओं के रूप में दर्शाया गया है।

कार्यक्रम | न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने गुजरात हाईकोर्ट में रखी मध्यस्थता केंद्र की आधारशिला

मध्यस्थता ढांचा काफी परिपक्व पर चुनौतियां बाकी : सीजेआई

अहमदाबाद, एजेंसी

भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि भारत का मध्यस्थता ढांचा काफी परिपक्व हो चुका है, फिर भी विश्वास कायम करने, संस्थागत क्षमता को मजबूत करने और योग्य मध्यस्थ पेशेवर तैयार करने में महत्वपूर्ण चुनौतियां बनी हुई हैं।

अहमदाबाद में गुजरात उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र (जीएचएसी) की आधारशिला रखने के बाद प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारत को विश्व के अग्रणी मध्यस्थता केंद्रों के मानकों और उन पक्षों की वैध अपेक्षाओं के अनुरूप खुद को आंकना चाहिए, जो मुकदमेबाजी से बेहतर और तेज समाधान की उम्मीद में मध्यस्थता का विकल्प चुनते हैं। उन्होंने इसी कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के संबोधन का उल्लेख किया, जिसमें मुख्यमंत्री ने भारत के कानूनी और न्यायिक ढांचे, खासकर गुजरात जैसे राज्य के लिए संस्थागत मध्यस्थता के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारत का मध्यस्थता ढांचा अब काफी परिपक्व हो चुका है। मध्यस्थता अधिनियम में विधायी सुधारों ने न्यायिक हस्तक्षेप को कम से कम करने, समयबद्ध कार्यवाही और नियुक्तियों में निष्पक्षता पर जोर दिया है। साथ ही, न्यायिक निर्णयों ने पक्षकारों की स्वायत्तता को मजबूत किया और सैद्धांतिक अनिश्चितताओं को स्पष्ट किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रगति के बावजूद मौजूदा चुनौतियां समाप्त नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत मध्यस्थता अभी भी उतनी व्यापक नहीं है, जितनी होनी चाहिए, और बहुत से विवाद अब भी अस्थायी (एड हॉक) तरीकों से हल किए जाते हैं। इसके अलावा, कई संस्थागत मध्यस्थता के मामले अभी भी भारत के बाहर निपटाए जाने को प्राथमिकता देते हैं। विश्वास बनाने, दक्षता विकास और प्रशिक्षित पेशेवरों की उपलब्धता जैसी चुनौतियों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, हमारे सामने सवाल यह नहीं है कि मध्यस्थता संभव है या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि क्या हमारी संस्थागत मध्यस्थता और इसके लिए बनाए गए संस्थान पर्याप्त भरोसा पैदा करते हैं, ताकि वे सबसे सुलभ विकल्प और स्थान बन सकें। पहली चुनौती विश्वास पर बात करते हुए, प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि संस्थागत मध्यस्थता तभी सफल होती है, जब उपयोगकर्ता इस पर सच्चे दिल से भरोसा करें। उन्होंने कहा कि मध्यस्थों की नियुक्ति में निष्पक्षता पर विश्वास, प्रक्रिया की शुचिता पर विश्वास, और निर्णयों के पालन पर विश्वास यह भरोसा केवल कागज पर बने नियमों से नहीं बनता। यह समय के साथ लगातार, पारदर्शी और स्पष्ट रूप से निष्पक्ष व्यवहार से बनता है।

सीजेआई का स्वागत करते गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल।

मध्यस्थता की संख्या विवादों की तुलना में कम

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारत में संस्थागत मध्यस्थता की संख्या देश में उत्पन्न होने वाले वाणिज्यिक विवादों की तुलना में बहुत कम है। कई पक्ष अब भी अस्थायी मध्यस्थता या अदालतों का सहारा लेते हैं क्योंकि संस्थाओं ने अभी तक यह साबित नहीं किया है कि वे कितनी उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि तीसरी चुनौती पेशेवर बनने की है, जो सबसे कठिन और महत्वपूर्ण प्रतीत होती है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मध्यस्थता एक विशेष विधा है। इसके लिए केवल कानूनी समता ही नहीं, बल्कि मामले का प्रबंधन करने की क्षमता, व्यावसायिक वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशीलता और यह समझना भी आवश्यक है कि पक्षों के लिए वास्तव में क्या दांव पर है। उन्होंने कहा कि भारत को मध्यस्थों के प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण निवेश करना चाहिए और योग्य मध्यस्थ पेशेवरों की एक सुसंगत श्रृंखला विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस निवेश के बिना संस्थानों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन प्रक्रिया की गुणवत्ता में सुधार नहीं होगा।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने किया मुखौटा कंपनियों का उपयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) फिनो पेमेंट्स बैंक की जीएसटी चोरी की जांच कर रहा है। कंपनी पर देश में प्रतिबंधित ऑनलाइन मनी गेमिंग से अर्जित अवैध धन की हेराफेरी करने के लिए फर्जी कंपनियों और भुगतान मंच का इस्तेमाल करने का संदेह है। सूत्रों ने शनिवार को यह बताया। उन्होंने कहा कि अब तक की जांच में धोखाधड़ी में बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के शामिल होने की बात सामने आई है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

अमृत विचार
बरेली, रविवार, 1 मार्च 2026
www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2550, राज श्री 1860, फ़ॉर्चून कि. 2390, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13kg 2110, जय जवान 2040, सचिन 2080, सूरज 2065, अवसर 1930, उजाला 2070, गृहणी 13 kg 1930, क्लासिक (kg) 2280, मोर 2260, चक्र टिन 2315, ब्लू 2170, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2505
किराना–महाराष्ट्र हल्दी 17300, जीरा 28000, लाल मिर्च 19000–21000, धनिया 11000–12000, अजवायान 14000–20000, मेथी 7000–8000 सौंफ 10000–20000, सोंठ 37000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 800–1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 350–400, मखाना 950–1100
चावल– (प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200
दाल दलहन –मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 13100
चीनी– पीलीभीत 4420, बहेड़ी 4260
बरेली सर्राफा – (प्रति 10 ग्राम) गोल्ड (पक्के जेवर) 161000, गोल्ड (गिन्नी जेवर) 157000, सिल्वर (पक्की) 2700 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

गुजरात में 185 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना शुरू

नयी दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) की अनुषंगी इकाई 'अदाणी ग्रीन एनर्जी ट्वेंटी फाइव सी लिमिटेड' ने गुजरात के खावड़ा में 185 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का परिचालन शुरू कर दिया है। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि इस संयंत्र के चालू होने के साथ ही एजीईएल की कुल परिचालन नवीकरणीय उत्पादन क्षमता बढ़कर 17,472 .2 मेगावाट हो गई है।

जिंदल पॉली फिल्म्स मामले में एनसीएलएटी का स्टे से इनकार

नयी दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है, जिसमें जिंदल पॉली फिल्म्स के शेयरधारकों द्वारा कंपनी के खिलाफ दायर 'क्लास एक्शन' याचिका को स्वीकार कर लिया था। 'क्लास एक्शन' या सामूहिक कार्रवाई याचिका कानूनी प्रक्रिया का एक तरीका है, जिसमें लोगों का बड़ा समूह किसी कंपनी या संस्था के खिलाफ एक साझा मुकदमा दायर करते हैं। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने माना कि अल्पसंख्यक शेयरधारकों द्वारा दायर याचिका, जिसमें 2,500 करोड़ से अधिक की हेराफेरी का आरोप लगाया गया है।

नई पहचान

गुजरात के साणंद में माइक्रोन सेमीकंडक्टर फैसिलिटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कंपनी के एटीएमपी (असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) प्लांट का उद्घाटन किया। कर्मचारियों से बात करते पीएम और साथ में माइक्रोन के सीईओ संजय मेहरोत्रा। फोटो : एजेंसी

हार्डवेयर में भी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा भारत: मोदी

पीएम मोदी ने किया साणंद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन

- दुनिया तक यह संदेश साफ और स्पष्ट रूप से पहुंच गया है कि भारत सक्षम है, भारत प्रतिस्पर्धी है और भारत प्रतिबद्ध है: प्रधानमंत्री

साणंद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर में अपनी ताकत के लिए पहचाने जाने के बाद अब देश हार्डवेयर क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान मजबूती से स्थापित कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका स्थित कंपनी के एटीएमपी (संयोजन, परीक्षण, अंकन और पैकेजिंग) संयंत्र का उद्घाटन भारत और अमेरिका के बीच गहरी साझेदारी को दर्शाता है। मोदी ने कहा कि दुनिया तक यह संदेश साफ और स्पष्ट रूप से पहुंच गया है कि भारत सक्षम है, भारत प्रतिस्पर्धी है और भारत प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर की ताकत के लिए लंबे समय से पहचाने जाने वाला भारत अब हार्डवेयर क्षेत्र में भी अपनी पहचान मजबूती से बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आयोजन भारत और अमेरिका के बीच मजबूत सहयोग का प्रमाण है, विशेष रूप से एआई और चिप प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में, जहां दोनों देशों के बीच साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि दुनिया ने 20वीं सदी के दौरान औद्योगिक क्रांति का दौर देखा। उस समय जो देश कारखानों, मशीनों और बड़े पैमाने पर उत्पादन में आगे थे, उन्होंने तेजी से प्रगति की। लेकिन यह सदी एआई क्रांति की है और सेमीकंडक्टर इस बदलाव का सेतु हैं। छोटी सी चिप औद्योगिक क्रांति और एआई क्रांति दोनों को जोड़ने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि अगर पिछली सदी में तेल की अहमियत थी, तो इस सदी की दिशा तय करने वाले माइक्रोचिप्स होंगे। इसी विचार को ध्यान में रखते हुए, भारत ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ने का फैसला किया।

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि देश ने अपने ''सेमीकंडक्टर मिशन'' की घोषणा उस समय की थी जब दुनिया कोविड महामारी से जूझ रही थी। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि महामारी के दौरान सब कुछ बिखरता हुआ महसूस हो रहा था, लेकिन जो बीज हमने दृढ़ विश्वास के साथ बोए थे, वे अब बढ़ रहे हैं और फल दे रहे हैं। बताया कि उनकी सरकार ने अब तक 'सेमीकॉन इंडिया' कार्यक्रम के तहत 10 परियोजनाओं को मंजूरी दी है और माइक्रोन संयंत्र के अलावा तीन और परियोजनाओं में बहुत जल्द उत्पादन शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि हम जो सेमीकंडक्टर परिवेश बना रहे हैं, वह किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, यह पूरे भारत के लिए है।'' नोएडा (उत्तर प्रदेश), असम, ओडिशा और पंजाब में स्थित परियोजनाओं पर काम शुरू हो गया है। मोदी ने कहा कि इस बजट में 'भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' की घोषणा की गई है। इसका उद्देश्य यह है कि जैसे-जैसे उत्पादन बढ़ेगा, भारत में सामग्री घटकों और सेवाओं की मांग भी बढ़ेगी। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन और निर्यात में पिछले 11 वर्षों में हुई भारी वृद्धि पर भी प्रकाश डाला। यह नया संयंत्र साणंद में एक नया परिवेश तैयार करेगा। प्रधानमंत्री ने टाटा नैनो फैक्ट्री का जिक्र करते हुए कहा, कि जब एक बड़ी वाहन कंपनी यहां आई थी, तो उसके साथ एक पूरा परिवेश विकसित हुआ। भविष्य में साणंद सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपनी सफलता का एक नया अध्याय लिखेगा। एक सरकारी बयान के अनुसार यह संयंत्र एसएसडी (सॉलिड स्टेट ड्राइव) भंडारण उपकरण के साथ ही रैम प्रकार के डीरैम और एनएएनडी उत्पादों का निर्माण करेगा। माइक्रोन टेक्नोलॉजी ने इस संयंत्र में 22,516 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

सेबी प्रमुख और कनाडा के वित्त मंत्री के बीच चर्चा

नयी दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कनाडा के वित्त मंत्री फ्रैंकोइस-फिलिप शैम्पेन के साथ संस्थागत निवेश को सुविधाजनक बनाने और नियामक सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।चर्चा के दौरान सेबी प्रमुख के साथ पूर्णकालिक सदस्य संदीप प्रधान और कार्यकारी निदेशक मनिंदर चीमा भी उपस्थित थे। सेबी द्वारा शनिवार को ''एक्स'' पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, इस बैठक में संस्थागत निवेश को बढ़ावा देने, नियामक समन्वय को सुदृढ़ करने और आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

घट सकती है बुलेट ट्रेन में हो रही देरी

- घरेलू टीबीएम को बजट में प्रोत्साहन से जागी उम्मीद
- चीन से टनल बोरिंग मशीन के आयात में हो रही देरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए चीन से टनल बोरिंग मशीनों (टीबीएम) के आयात में हो रही देरी के बीच, उच्च श्रेणी के निर्माण उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के सरकार के फैसले से भारत की तेज रफ्तार वाली रेल आकांक्षाओं को बल मिल सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में उच्च मूल्य और तकनीकी रूप से उन्नत उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने के लिए निर्माण और बुनियादी ढांचा उपकरण (सीआईई) संवर्धन योजना का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा कि यह बहुमंजिला अपार्टमेंट में लिफ्ट, छोटे और बड़े अग्निशमन उपकरणों से लेकर मेट्रो और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सड़क बनाने के लिए टनल बोरिंग उपकरणों तक हो सकता है।' भारत के पहले बुलेट ट्रेन गलियारे मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल (एमएएचएसआर) परियोजना के तहत बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और शीलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने के लिए कुछ सबसे बड़ी टीबीएम की आवश्यकता है। इसमें ठाणे क्रीक के नीचे सात किलोमीटर तक समुद्र के नीचे का हिस्सा भी शामिल है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि जर्मनी में बने टीबीएम को पिछले साल सितंबर में चीन से मुंबई के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट भेजा जाना था। बताया कि केवल एक खेप पहुंची है और बाकी को तकनीकी कारणों से कुछ और महीनों के लिए रोक दिया गया है, जिससे समुद्र के नीचे सुरंग की खुदाई शुरू करने में देरी हो रही है।

गेल महाराष्ट्र में 1,736 करोड़ रुपये निवेश करेगी

दिल्ली,एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड महाराष्ट्र में एक पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए 1,736.25 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने वर्ष 2035 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है और यह निवेश उसके नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार की दिशा में एक कदम है।

गेल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि शुक्रवार को हुई निदेशक मंडल की बैठक में 178.2 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

अनुबंध मिलने के 24 महीनों के भीतर पूरी होने वाली यह परियोजना कंपनी के मौजूदा 117.95 मेगावाट के पोर्टफोलियो में इजाफा करेगी। इसके अलावा, कंपनी के पास राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में फैली 27 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं भी हैं। वर्तमान में कंपनी की पवन ऊर्जा परियोजनाएं गुजरात (19.2 मेगावाट), कर्नाटक (38.1 मेगावाट) और तमिलनाडु (60.65 मेगावाट) में स्थित हैं। गेल भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस पारेषण और विपणन कंपनी है।

एनटीपीसी पर लगाया 10.86 लाख का जुर्माना

- एनएसई और बीएसई ने जारी किये अलग-अलग नोटिस

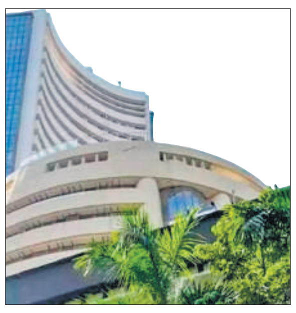

मुंबई, एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों के अनुपात में कमी को लेकर शेयर बाजारों ने उस पर कुल 10 लाख 85 हजार 600 रुपये का जुर्माना लगाया है। एनटीपीसी ने शनिवार को शेयर बाजारों को बताया कि उसे 27 फरवरी को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से अलग-अलग नोटिस मिले हैं।
दोनों ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सेबी के एलओडीआर (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) नियमावली के नियम 17(1) का पालन न करने के लिए 5,42,800 रुपये के एक समान जुर्माने लगाये हैं। जुर्माने की कुल राशि 10,85,600 रुपये है। नियम 17(1) निदेशक मंडल की संरचना से संबंधित है।
यह नियम किसी भी सूचीबद्ध कंपनी के निदेशक मंडल में कम से कम एक महिला निदेशक और 50 प्रतिशत स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति को अनिवार्य बनाता है।
कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया है कि एक सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते उसके निदेशकों की नियुक्ति का अधिकार राष्ट्रपति के पास है।

वह ऊर्जा मंत्रालय के समक्ष पर्याप्त संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का मसला उठाती रही है, ताकि सेबी के नियम 17(1) का अनुपालन किया जा सके। उसने शेयर बाजारों से आग्रह किया है कि इन बातों को ध्यान में रखते हुए उस पर जुर्माना नहीं लगाया जाना चाहिए।

एनटीपीसी की वेबसाइट के अनुसार, वर्तमान में उसके निदेशक मंडल में कुल 13 सदस्य हैं जिनमें पांच स्वतंत्र निदेशक हैं।

जनवरी में 152.49 लाख लोगों ने देश में की हवाई यात्रा

मुंबई, एजेंसी

देश के भीतर हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या जनवरी 2026 में वार्षिक आधार पर 4.36 प्रतिशत बढ़कर 152.49 लाख रही। यह जानकारी नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जारी आंकड़ों में दी गई है। शुक्रवार देर शाम जारी आंकड़ों के अनुसार, इंडिगो, एयर इंडिया समूह, स्पाइसजेट और अकासा एयर सहित प्रमुख घरेलू विमानन कंपनियों ने जनवरी 2025 में कुल 146.11 लाख यात्रियों को सेवाएं दी थीं। दिसंबर में पायलटों के विश्राम और ड्यूटी अवधि के कड़े नियमों के कारण परिचालन संबंधी बाधाओं का सामना करने वाली इंडिगो ने अपनी बाजार हिस्सेदारी फिर से हासिल कर ली है। कंपनी 63.6 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी और 97.04 लाख यात्रियों के साथ शीर्ष पर रही।

इसके विपरीत, एयर इंडिया समूह की बाजार हिस्सेदारी पिछले महीने की तुलना में लगभग तीन प्रतिशत घटकर 26.5 प्रतिशत (40.34 लाख यात्री) रह गई।

विमान में सीटों के भरने की दर (पीएलएफ) के मामले में अकासा एयर 93.2 प्रतिशत के साथ सबसे आगे रही, जबकि इंडिगो 87.7 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रही। पीएलएफ यह मापता है कि विमान की कुल क्षमता का कितना उपयोग किया गया है। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 में घरेलू उड़ानों के रद्द होने की कुल दर 1.44 प्रतिशत रही। वहीं, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे छह प्रमुख महानगरीय हवाई अड्डों से समय पर परिचालन के मामले में इंडिगो 70.9 प्रतिशत के साथ सबसे बेहतर रही।

दुर्लभ पृथ्वी खनन के लिए तटरेखा खोलेगा आंध्र प्रदेश

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश अपनी खनिज समृद्ध तटरेखा को बड़े पैमाने पर दुर्लभ पृथ्वी और टाइटेनियम युक्त तटीय रेत खनन के लिए खोलने की योजना बना रहा है। यह एक रणनीतिक कदम है जिसका उद्देश्य चीन से आयात पर भारत की निर्भरता को कम करना और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए एक घरेलू मूल्य श्रृंखला बनाना है।

सार्वजनिक क्षेत्र के आंध्र प्रदेश खनिज विकास निगम (एपीएमडीसी) ने तटीय जिलों में कई भारी खनिज युक्त भंडारों की पहचान की है, जो राज्य को टाइटेनियम डाइऑक्साइड, टाइटेनियम धातु और दुर्लभ पृथ्वी प्रसंस्करण के लिए एक संभावित केंद्र के रूप में स्थापित करता है।

ईरान की लड़ाई से निर्यातकों को व्यापार लागत बढ़ने की चिंता

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारतीय निर्यातकों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष ने स्थापित वैश्विक व्यापारिक मामलों की राहों को बाधित करना शुरू कर दिया है। निर्यातकों का कहना है कि हवाई मार्गों में बदलाव हो रहे हैं तथा लाल सागर और प्रमुख खाड़ी जलडमरूमध्यों के माध्यम से समुद्री व्यापार में अनिश्चितता बढ़ गई है। भारतीय निर्यात इकाइयों के शीर्ष मंच फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (फियो) के अध्यक्ष राल्हन ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यदि अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स के मार्गों में परिवर्तन लंबे समय तक जारी रहता है, तो माल को केप ऑफ गुड होप (आशा अंतरीप) के रास्ते भेजना पड़ सकता है, जिससे यूरोप और अमेरिका के लिए माल पहुंचाने के समय में अनुमानित 15-20 दिन की वृद्धि होगी। इससे माल ढुलाई लागत में वृद्धि होगी और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ेगा। फियो अध्यक्ष का कहना है कि इसके अलावा, बढ़े हुए भू-राजनीतिक जोखिम के कारण आमतौर पर समुद्री बीमा प्रीमियम बढ़ जाते हैं, जिससे निर्यातकों के लिए लेनदेन लागत और बढ़ जाती है। फियो ने कहा कि लंबे समय तक व्यवधान वैश्विक ऊर्जा कीमतों पर भी दबाव डाल सकता है, जिसका इनपुट लागत और मुद्रा स्थिरता पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिसमें रुपये पर दबाव भी शामिल है।

तेल-तिलहन कीमतों में उछाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद आपूर्ति प्रभावित होने की आशंकाओं के बीच देश के तेल–तिलहन बाजार में शनिवार को सभी तेल–तिलहनों में उछाल आया तथा सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल–तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि आज ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद आपूर्ति चिंता बढ़ने के बीच बाजार में अफरा तफरी फैल गयी। दाम कम होने की वजह से किसानों की ओर से आवक घटाने के बाद कच्ची घानी की बड़ी तेल मिलों ने सरसों के दाम 150–150 रुपये क्विंटल बढ़ाये भी हैं।

आईआईएम के छात्रों का पैकेज 71.4 लाख तक पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

- परामर्श क्षेत्र रहा सबसे बड़ा नियोक्ता, 50 फीसदी को मिले 34.5 लाख सालाना

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) मुंबई ने शनिवार को अपने 2024-2026 बैच के प्लेसमेंट के परिणामों की घोषणा की, जिसमें अधिकतम घरेलू वेतन पैकेज सालाना 71.4 लाख रुपये तक पहुंच गया। संस्थान द्वारा जारी एक बयान के अनुसार बैच के शीर्ष 10 प्रतिशत छात्रों को औसतन 47.5 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिला, जबकि शीर्ष 20 प्रतिशत के लिए यह औसत 41.4 लाख रुपये और शीर्ष 50 प्रतिशत के लिए 34.5 लाख रुपये रहा।

सूचना में कहा गया है कि स्नातकों को बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई), परामर्श, एफएमसीजी, सामान्य प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, परिचालन, लॉजिस्टिक, दवा और स्वास्थ्य सेवा तथा उत्पाद प्रबंधन जैसे विविध क्षेत्रों में नियुक्तियां मिली हैं। परामर्श क्षेत्र सबसे बड़े भर्ती क्षेत्र के रूप में उभरा, जिसमें 123 प्रस्ताव दिए गए। वहीं, बीएफएसआई क्षेत्र में पिछले वर्ष की तुलना में नियुक्तियों में 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो इस सत्र की सबसे अधिक क्षेत्रीय वृद्धि है।

जानकारी

शेयरों में निवेश करने से पहले जानिए कुछ जरूरी बातें

डीमैट अकाउंट खोलना क्यों है जरूरी, किन बातों का रखें ध्यान

प्रकुल सक्सेना, कारोबार डेस्क

अमृत विचार: निवेश को सुरक्षित और पेपरलेस बनाने के लिए सेबी ने 1 अप्रैल 2019 से फिजिकल शेयरों को डिजिटालाइज्ड यानी डीमैट करना अनिवार्य कर दिया है।

स्टेट बैंक समेत कई सरकारी और निजी बैंक अपने बैंकिंग ऐप्स से डीमैट अकाउंट बनाने की सुविधा दे रहे हैं। अगर आप भी शेयर ट्रेडिंग शुरूकरने की सोच रहे हैं या अभी आपने अपने फिजिकल शेयर को डिमैट नहीं किया है तो यहां दी गयी जानकारी आपके काम की है। आईए जानते हैं डिमैट अकाउंट से संबंधित सभी जरूरी बातें-

सीए शरद मिश्रा कहते हैं कि निवेश की शुरुआत के लिए सबसे पहले डीमैट अकाउंट को समझना बेहद जरूरी है। यह है क्या? सरल शब्दों में कहें तो यह आपके शेयरों का खाता या एक डिजिटल लॉकर है। जैसे बैंक खाते में पैसे रहते हैं, वैसे ही यहाँ आपके शेयर सुरक्षित डिजिटल रूप में रखे जाते हैं। **कैसे खोलें?** आप इसे किसी भी डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट या बैंक के माध्यम से खोल सकते हैं। **डीपी की भूमिका :** एक डीपी आपके डिजिटल अकाउंट और डेटा का पूरा रखरखाव करता है, जिससे आपकी ट्रांजेक्शन सुरक्षित रहती हैं। सुरक्षित निवेश की ओर यह आपका पहला कदम है।

आवश्यक मुख्य दस्तावेज

भौतिक शेयरों को डीमैट में बदलने के लिए आपको ये कागजात तैयार रखने होंगे:

- ओरिजिनल शेयर सर्टिफिकेट्स : वे सभी फिजिकल सर्टिफिकेट जिन्हें आप डिजिटल करना चाहते हैं। सुनिश्चित करें कि इन पर कंपनी का नाम, फोलियो नंबर और सर्टिफिकेट नंबर स्पष्ट हो।
- डीआरएफ (डीमैट रिक्वेस्ट फॉर्म) : यह फॉर्म आपको अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) यानी आपके ब्रोकर से मिलेगा। हर कंपनी के शेयरों के लिए अलग डीआरएफ भरना होता है।
- पैन कार्ड : पैन कार्ड अनिवार्य है और यह आपके डीमैट खाते से लिंक होना चाहिए।
- केवाईसी दस्तावेज : आधार कार्ड या पासपोर्ट जैसे पते के प्रमाण।
- बैंक विवरण : एक कैंसल्ड चेक जिसमें आपका नाम और बैंक का आईएफएससी कोड स्पष्ट रूप से अंकित हो।

स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस

- डीमैट खाता खोलें : यदि आपके पास पहले से खाता नहीं है, तो किसी भी सेबी–पंजीकृत ब्रोकर से या ऐप से डीमैट खाता खोलें।
- डीआर फार्म भरें : अपने ब्रोकर से ' 'डीमैट रिक्वेस्ट फॉर्म' ' प्राप्त करें। इस फॉर्म पर वैसे ही हस्ताक्षर करें जैसे आपने पुराने शेयर सर्टिफिकेट पर किए थे।
- सर्टिफिकेट सरेंडर करें : हर शेयर सर्टिफिकेट पर 'सरेंडर्ड फॉर डीमटेरियलाइजेशन' लिखें। इससे सर्टिफिकेट की भौतिक वैधता समाप्त हो जाती है और सुरक्षा बढ़ती है।
- ब्रोकर को जमा करें : डीआर फॉर्म और मूल सर्टिफिकेट अपने ब्रोकर (डीपी) को सौंप दें। आगे की करवाई डीपी करेगा।
- डिजिटल क्रेडिट : एक बार जब कंपनी और आरटीए आपके हस्ताक्षरों और सर्टिफिकेट की पुष्टि कर देते हैं, तो भौतिक शेयर नष्ट कर दिए जाते हैं और उतने ही शेयर इलेक्ट्रॉनिक रूप में आपके डीमैट खाते में जमा कर दिए जाते हैं।

महत्वपूर्ण बातें ध्यान रखें

- नाम में अंतर : यदि आपके पुराने सर्टिफिकेट और वर्तमान पैन कार्ड के नाम में मामूली अंतर है तो आपको एक एफ़िडेविट या नाम सुधार फॉर्म देना पड़ सकता है।
- नामांकन : सेबी के नए नियमों के अनुसार, डीमैट खाते में नॉमिनी का होना अब अनिवार्य है।
- संयुक्त धारक : यदि भौतिक शेयर संयुक्त नाम में हैं, तो डीमैट खाता भी उसी क्रम में उन्हीं व्यक्तियों के नाम पर होना चाहिए।
- यह प्रक्रिया आमतौर पर 15 से 30 दिनों में पूरी हो जाती है। चूंकि सेबी ने 2026 तक की समयसीमा और विशेष खिड़की की बात की है, इसलिए यही सही समय है।कि आप अपनी पुरानी कागजी संपत्तियों को सुरक्षित डिजिटल रूप में बदल लें।

महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा टीकाकरण

● प्रधानमंत्री मोदी ने की एचपीवी टीका अभियान की शुरुआत

जयपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय 'ह्यूमन पैपिलोमावायरस' (एचपीवी) टीकाकरण अभियान की शुरुआत शनिवार को राजस्थान के अजमेर से की। उन्होंने इस अभियान को देश की नारीशक्ति को सशक्त करने की दिशा में अहम कदम करार दिया।

इसके साथ ही मोदी ने राजस्थान के लिए 16,686 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले कार्यों एवं परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री ने कायड़ विश्रामस्थली में बने टीकाकरण स्थल से राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की। उन्होंने नौ से 14 वर्ष की पांच बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाए जाने के बाद उनसे संवाद भी किया। बाद में जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, आज वीरांगनाओं की इस धरती से मुझे देशभर की बेटियों के लिए एक अहम अभियान शुरू करने का अवसर मिला है। अजमेर से एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू हुआ है। ये अभियान देश की नारीशक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम है। प्रधानमंत्री ने राजस्थान की जिन परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया उसमें 8,554 करोड़ की 34 परियोजनाएं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से तथा करीब 8,132 करोड़ की नौ प्रमुख परियोजनाएं केन्द्र के राष्ट्रीय राजमार्ग और ऊर्जा विभाग की हैं।

आखिर क्यों बिगड़ी बात

अमेरिका और ईरान के संबंध कभी दोस्ती तो कभी दुश्मनी के चरम पर रहे हैं, लेकिन फरवरी 2026 की घटनाओं ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए सर्जिकल स्ट्राइक ने उस कूटनीतिक धागे को तोड़ दिया है, जिसे महीनों की मेहनत से मस्कट और जिनेवा में बुना गया था। यह विवाद महज दो देशों की रंजिश नहीं है, बल्कि वर्चस्व, सुरक्षा और परमाणु हथियारों की दौड़ का एक ऐसा जटिल ताना-बाना है जिसने पूरे पश्चिम एशिया को बारूद के ढेर पर बिठा दिया है। विवाद की गहराई को समझने के लिए हमें 2015 के परमाणु समझौते और फिर 2018 में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उससे हटने के फैसले को देखना होगा। ट्रंप का मानना था कि पिछला समझौता ईरान को बम बनाने से नहीं रोकता, बल्कि उसे केवल टालता है।

अमेरिका-ईरान वार्ता

ट्रंप की नाराजगी के कारण

● शून्य संवर्धन की मांग : अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि ईरान को एक ग्राम यूरेनियम भी संवर्धित करने की अनुमति न मिले।

● स्थायी क्लॉज : ट्रंप पुराने समझौते के 'सनसेट क्लॉज' (जिसके तहत कुछ प्रतिबंध समय के साथ खत्म हो जाते) के सख्त खिलाफ हैं। वह एक स्थायी प्रतिबंध चाहते हैं।

● ईरान का आक्रामक रुख : बातचीत के दौरान भी हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में अमेरिकी जहाजों पर हमले जारी रहे, जिससे ट्रंप को लगा कि ईरान केवल बातचीत का नाटक कर रहा है।

विवाद की मुख्य वजह

● परमाणु बम का डर : अमेरिका को संदेह है कि ईरान फतवा (परमाणु हथियारों के खिलाफ धार्मिक आदेश) की आड़ में गुप्त रूप से परमाणु हथियार विकसित कर रहा है।

● मिसाइल प्रोग्राम : ईरान के पास मध्य-पूर्व में सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल शस्त्रागार है। अमेरिका चाहता है कि परमाणु वार्ता में मिसाइलों को भी शामिल किया जाए, जिसे ईरान अपनी संप्रभुता का उल्लंघन मानता है।

● क्षेत्रीय विस्तारवाद : ईरान द्वारा हमास (गाजा), हिजबुल्ला (लेबनान) और हूतियों (यमन) को दिया जाने वाला समर्थन अमेरिका और उसके मित्र देशों (इजरायल, सऊदी अरब) के लिए बड़ा खतरा है।

● आर्थिक प्रतिबंध : अमेरिका ने ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ 'तेल निर्यात' पर कड़े प्रतिबंध लगा रखे हैं, जिसे ईरान 'आर्थिक आतंकवाद' कहता है।

वर्तमान स्थिति दिखाती है कि कूटनीति केवल औपचारिकता रह गई है। ईरान पीछे नहीं हटता और अमेरिका हमले जारी रखता है, तो दुनिया ऊर्जा संकट और क्षेत्रीय अस्थिरता की चपेट में आ जाएगी।

मस्कट से जिनेवा तक

● सहमति के बिंदु : ईरान इस बात पर राजी हो गया था कि वह 60% संवर्धित यूरेनियम के स्टॉक को फ्रीज कर देगा और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षकों को अधिक पहुँच प्रदान करेगा।

● टकराव के बिंदु : ईरान चाहता था कि अमेरिका पहले सभी प्रतिबंध हटाए और भविष्य में किसी भी राष्ट्रपति द्वारा समझौते से दोबारा न हटने की कानूनी गारंटी दे।

वर्ल्ड ब्रीफ

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में हो सकता है विलंब

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने शनिवार को यात्रियों के लिए एक परामर्श जारी कर आगाह किया कि कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देरी हो सकती है या उनके मार्ग में बदलाव किया जा सकता है। हवाई अड्डे ने कहा कि संभावित व्यवधान कई अंतर्राष्ट्रीय हवाई क्षेत्रों के अस्थायी रूप से बंद होने और प्रतिबंधों के कारण हैं। तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने परामर्श में कहा कि यात्रियों को हवाई अड्डे की यात्रा करने से पहले संबंधित एयरलाइनों के साथ उड़ान की नवीनतम स्थिति की जांच करने और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी गई है।

हूती विद्रोही जहाजों पर फिर शुरू करेंगे हमले

काहिरा। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने ईरान के समर्थन में समुद्री मार्गों और इजराइल पर मिसाइल एवं ड्रोन हमले फिर से शुरू करने का फैसला किया है। हूती विद्रोहियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह बात नाम उजागर न करने की शर्त पर कही क्योंकि हूती नेतृत्व की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि विद्रोहियों का पहला हमला आज रात ही हो सकता है। ट्रंप प्रशासन के साथ हुए एक समझौते के तहत विद्रोहियों ने लाल सागर के समुद्री मार्ग पर अपने हमले रोक दिए थे।

सिएरा लियोन के 16 सैनिकों को किया रिहा

कोनाक्री (गिनी)। अफ्रीकी देश गिनी ने शुक्रवार को पड़ोसी देश सिएरा लियोन के उन 16 सैनिकों और पुलिस अधिकारियों को रिहा कर दिया जिन्हें इस सप्ताह की शुरुआत में सीमा विवाद में गिरफ्तार किया गया था। सिएरा लियोन के प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिएरा लियोन के सूचना मंत्रालय ने एक पोस्ट में कहा, गिनी के अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किए गए सभी सुरक्षा अधिकारियों को सिएरा लियोन को सौंप दिया गया है।

एएनटीएफ ने अफीम सहित युवक को पकड़ा

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ में मादक पदार्थ निरोधी कार्यबल (एएनटीएफ) ने एक युवक को गिरफ्तार करके उससे करीब ढाई किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की है। एएनटीएफ के आईजी विकास कुमार ने शनिवार को बताया कि चित्तौड़गढ़ चौकी ने शुक्रवार देर रात चंदेरिया रोलाहेड़ा मार्ग पर नाकेबंदी के दौरान एक मोटर साइकिल पर सवार युवक को रुकने का इशारा किया तो वह बाइक छोड़कर भागने लगा।

कम दृश्यता, रनवे में कमी से क्रैश हुआ था अजीत पवार का विमान

वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो ने जारी की बारामती विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट

● हादसे में अजित पवार सहित पांच लोगों की चली गई थी जान

नई दिल्ली, एजेंसी

वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने बारामती में 28 जनवरी 2026 को हुई विमान दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शनिवार को जारी की, रिपोर्ट में दुर्घटना के समय दृश्यता न्यूनतम सीमा से कम होने और हवाई पट्टी तथा रनवे के रखरखाव में कमी की बात का खुलासा हुआ है। इस हादसे में महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत विमान में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई थी।

जांच में पता चला है कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से ठीक पहले पायलट ने कहा था - उफ, उफ। वीएसआर वेंचर्स का लीयरजेट 45 एक्सआर विमान (पंजीकरण संख्या वीटी-एसएसके) मुंबई से पवार को लेकर बारामती पहुंचा था। वहां उतरते समय रनवे 11 की बाईं तरफ विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उसमें आग लग गई थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि बारामती हवाई पट्टी पर सिर्फ वीएफआर के तहत परिचालन की अनुमति है जिसके लिए न्यूनतम दृश्यता पांच किलोमीटर होनी चाहिए। पायलट और एटीसी के बीच हुए संचार से पता चलता है कि उस समय दृश्यता तीन किमी थी जिसके बारे में एटीसी ने पायलट को सूचना दी थी। उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों के माध्यम से बताया गया है कि बारामती में हल्का कोहरा था। इसके अलावा हवाई पट्टी के रखरखाव और वहां मौजूद इंतजामों में खामियों का भी पता चला है। रिपोर्ट में बताया गया है कि रनवे की आखिरी बार री-कार्पेटिंग करीब 10 साल पहले मार्च 2016 में की गई थी। रनवे पर मौजूद मार्किंग धूमिल हो चुकी थी और सतह से छोटे-छोटे कंकड़ निकल आए थे।

विमान पायलट की आखिरी आवाज उफ, उफ

पहली बार में पायलट ने विमान को उतारने की बजाय एक और चक्कर लगाने का फैसला किया। दूसरे प्रयास में पायलट ने 8.40 बजे रनवे 11 पर उतरने की अनुमति मांगी। लेकिन उतरते समय हादसा हो गया। एटीसी ने आठ बजकर 44 मिनट 13 सेकेंड पर विमान से आखिरी आवाज सुनी - उफ, उफ। हादसे की जांच अभी जारी है और अंतिम रिपोर्ट बाद में आयेगी। इस बीच एएआईबी ने कुछ अनुशंसाएं की हैं। इनमें कहा गया है कि डीजीसीए सभी वीएफआर उड़ानों के ऑपरेटरों से अनियंत्रित हवाई पट्टियों पर परिचालन के दौरान मानक परिचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का सख्ती से पालन करने की हिदायत दे। साथ ही इन हवाई पट्टियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने के लिए कहा गया है कि मौसम संबंधी मानदंडों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करायें।

दुर्घटना से जुड़ीं सभी रिपोर्ट एक साझा मंच पर सार्वजनिक की जाएं : मंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र की मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता अदिति तटकरे ने शनिवार को मांग की कि विमान दुर्घटना से संबंधित सभी रिपोर्ट और निष्कर्षों को संकलित कर किसी साझा मंच पर उपलब्ध कराए जाए, ताकि आम लोग इसे देख सकें। इस हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत हो गई थी। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने पुणे जिले के बारामती में ठीक एक महीने पहले हुए उस विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट शनिवार को जारी की, जिसमें पवार और चार अन्य लोगों की जान चली गई थी। जांच एजेंसी ने 22 पन्नों की अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा कि विमान हादसे के सभी पहलुओं की जांच की जाएगी, ताकि तथ्यों, मूल कारणों और इससे जुड़े कारकों का पता लगाया जा सके। तटकरे ने पत्रकारों से कहा कि चूंकि विमान दुर्घटना की जांच में कई एजेंसी शामिल हैं, इसलिए बेहतर होगा कि सभी रिपोर्ट और निष्कर्षों को एक ही स्थान पर या एक ही मंच पर साझा किया जाए, ताकि आम लोग उन्हें समझ सकें।

शांति बहाली में सहयोग करे सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले की निंदा करते हुए शनिवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष खत्म कराने में मदद करे और क्षेत्र में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करे। मुख्य विपक्षी दल ने यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इजराइल दौर का उपयोग तनाव कम करने के लिए क्यों नहीं किया या फिर वह इस युद्ध का समर्थन करते हैं? अमेरिका और इजराइल ने शनिवार को ईरान के कई शहरों में हवाई हमले किए। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजराइल से जुड़े कई सामरिक स्थलों को निशाना बनाया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती शत्रुता बेहद चिंताजनक है। पूरे पश्चिम एशिया में प्रत्येक भारतीय नागरिक की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं भारत सरकार से हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल और सक्रिय कदम उठाने का आग्रह करता हूं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, हम पूरे पश्चिम एशिया में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के बारे में चिंतित हैं।

अफगान बलों ने गिराया पाकिस्तानी जंगी विमान

● पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के दावे को मनगढ़ंत-झूठा बताया

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों ने शनिवार को पूर्वी नंगरहार प्रांत में एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान को मार गिराया और पायलट को हिरासत में ले लिया। स्थानीय मीडिया में रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। तुलु न्यूज़ के अनुसार, अफगान बलों ने पायलट को हिरासत में ले लिया है।

पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को अफ़गान मीडिया के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें उसने नंगरहार प्रांत में एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान को मार गिराने और उसके पायलट को जिंदा पकड़ने का दावा किया था। इस बीच, समाचार एजेंसी खामा प्रेस ने नंगरहार पुलिस कमान के प्रवक्ता सैयद तैयब हम्माद के हवाले से कहा कि नंगरहार हवाई अड्डे पर वायु रक्षा प्रणाली के चालू होने के तुरंत बाद लडाकू विमान को मार गिराया गया। उन्होंने इस घटना को एक बड़ी कामयाबी बताया। उल्लेखनीय है कि तालिबान के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा था कि पाकिस्तान के हमलों में कई अफगानों की जान जा चुकी है, जबकि अफगानिस्तान आत्म रक्षा में सैन्य कार्रवाई कर रहा है। पाकिस्तान ने सैन्य विमान गिराने को झूठा और मनगढ़ंत वाकया बताया। सूचना मंत्रालय ने इस आरोप को पूरी तरह से नकारते हुए कहा कि पाकिस्तान सैन्य बलों का कोई भी लड़ाकू विमान नहीं गिराया गया है और कोई भी पायलट लापता या पकड़ा नहीं गया है। बयान में कहा गया, पाकिस्तान सैन्य बलों ने किसी भी पाकिस्तानी लड़ाकू विमान के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं दी है। मंत्रालय ने कहा कि आरोप को साबित करने के लिए क्रैश का मलबा, मलबा या पकड़े गए पायलट का कोई भी विजुअल सबूत पेश नहीं किया गया है।

संरा प्रमुख ने हिंसा पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हिंसा बढ़ने पर चिंता व्यक्त की और दोनों देशों से शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शुक्रवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हिंसा बढ़ने और नागरिक आबादी पर इसके प्रभाव को लेकर बेहद चिंतित हैं। उन्होंने शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया।

एसआईआर के बाद बंगाल में 7.04 करोड़ से अधिक वोटर

● राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दी जानकारी

कोलकाता, एजेंसी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान हटाए गए और जोड़े गए नामों के बाद पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 7.04 करोड़ से अधिक है।

अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया के परिणामस्वरूप फॉर्म-7 के माध्यम से 5.46 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए और फॉर्म-6 एवं फॉर्म-6ए के माध्यम से 1.82 लाख से अधिक मतदाताओं का नाम शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान 58 लाख से अधिक गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए, जिनमें मृत, स्थानांतरित और दोहराव वाले मतदाताओं के मामले शामिल हैं। अग्रवाल ने यह भी कहा कि 60 लाख से अधिक मतदाता अभी भी विचाराधीन श्रेणी में हैं, लेकिन उन्हें एसआईआर के बाद की मतदाता सूची में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन प्रक्रिया निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार की गई है। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर में नए सिरे से राजनीतिक हलचल पैदा कर दी, जहां 47,000 से अधिक नाम हटाए गए हैं और 14,000 से अधिक नामों को विचाराधीन श्रेणी में रखा गया।

बोलीविया में विमान क्रैश, 15 लोगों की मौत

ला पाज। बोलीविया की राजधानी के पास नकदी ले जा रहा एक मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे राजमार्ग पर लगभग एक दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बोलीविया की वायु सेना से संबंधित हरक्यूलिस विमान देश के 'सेंट्रल बैंक' से अन्य शहरों में नए नोट पहुंचाने जा रहा था। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर जमीन पर बड़ी संख्या में नोट बिखरे हुए थे। दमकल विभाग के प्रमुख पावेल टोवर ने यह स्पष्ट नहीं किया कि घटना में मारे गए लोग विमान में थे या ला पाज हवाई अड्डे के पास राजमार्ग पर खड़ी कारों में सवार थे। उन्होंने बताया कि कुछ लोग घायल भी हुए हैं।

पंजाब में आतंकी गिरोह का भंडाफोड़, आईईडी बरामद

● खुफिया जानकारी पर पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब पुलिस ने शनिवार को कहा कि उसने विदेश स्थित एक आतंकी गिरोह का भंडाफोड़ करके दो लोगों को गिरफ्तार करने के साथ आरडीएक्स से भरा और पूरी तरह से तैयार एक परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया है। इसके साथ ही पुलिस ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करने का दावा किया है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एसएएस नगर पुलिस की राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान चलाया और एक विदेशी आतंकी गिरोह का भंडाफोड़ किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान लगभग 2.5 किलोग्राम वजन का एक पूरी तरह से तैयार किया गया आरडीएक्स से भरा आईईडी, जिसमें दोहरे विस्फोट तंत्र (रिमोट और टाइमर) लगे थे, एक ग्लॉक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया गया। डीजीपी ने बताया कि विदेशी एजेंटों के निर्देशों पर काम कर रहे दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि लक्षित लक्ष्य के संबंध में आगे के निर्देशों के लिए उन्होंने आईईडी को एसबीएस नगर बाईपास के पास छिपा दिया था। यादव ने कहा कि उपकरण पूरी तरह उपयोग के लिए तैयार था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज पहले की गई मेहनत सुखद परिणाम दे सकती है। व्यापार में नई योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों में थोड़ी परेशानी रहेगी।

तुला – आज समय का बेहतरीन सदुपयोग कर पाएंगे। प्रेम-प्रसंग में नजदीकियां बढ़ेंगी। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

वृष – आज आपका दिन बहुत ही शुभ रहने वाला है। सरकारी कार्यों से लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र के लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे।

वृश्चिक – आज उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपमें सकारात्मक ऊर्जा की अधिकता रहेगी। अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस बनाए रखें।

मिथुन – आज नौकरी को बदलने का विचार बना सकते हैं। धर्म के प्रति मन में आस्था कम हो सकती है। आपके व्यवहार की प्रशंसा होगी।

धनु – आज आवश्यक कार्यों को दोपहर से पहले पूर्ण कर लें। संपत्ति के क्रय-विक्रय से धन लाभ होगा। वैवाहिक संबंधों का तनाव दूर होगा।

कर्क – आज रुके निर्माण कार्यों को दोबारा शुरू कर सकते हैं। फालतू में अपना समय बर्बाद न करें। अधिकारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

मकर – आज परोपकार के कार्यों में मन लगाएंगे। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे। जीवनसाथी आपका काफी ध्यान रखेगा।

सिंह – आज अजनबी लोगों से दोस्ती करने से बचें। आपकी दिनचर्या अच्छी नहीं रहेगी। व्यवसाय में धन का नुकसान होगा।

कुंभ – आज किसी समारोह में सम्मिलित होने का विचार बनाएंगे। आपको नए अनुभवों के लिए तैयार रहना चाहिए। त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचें।

कन्या – आज आपको जिम्मेदार व्यक्तियों का मार्गदर्शन मिलेगा। दोपहर बाद शुभ समाचार मिलेंगे। अपना मनोबल व आत्मविश्वास बनाए रखें।

मीन – आज किसी से करियर को लेकर सलाह लेना उचित रहेगा। सभी कार्यों को समय से पूर्ण कर लेंगे। प्रेमी के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

शिक्षक भर्ती घोटाला: कोर्ट ने बंगाल सरकार को फटकारा

● विद्यालय सेवा आयोग के पूर्व सलाहकार सिन्हा को दी बेल

कोलकाता, एजेंसी

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अभियोजन की मंजूरी देने में लंबे समय तक देरी करने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार की आलोचना करते हुए स्कूल शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में विद्यालय सेवा आयोग के पूर्व सलाहकार एस पी सिन्हा को जमानत दे दी है।

न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने शुक्रवार को सशर्त जमानत देते हुए सिन्हा को एक लाख रुपये के मुचलके के साथ इतनी ही राशि के दो जमानतदार पेश करने और विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष अपना पासपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। अदालत ने सरकारी सहायक शिक्षक का पद दिलाने का वादा करके विद्यालयों में नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों से बड़ी रकम वसूले जाने का उल्लेख करते हुए कहा, ये आरोप शायद चिटफंड संचालकों द्वारा किए गए अपराधों से भी कहीं अधिक जघन्य हैं। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा कि अदालत अभियोजन की स्वीकृति से जुड़े आंतरिक रूप से संबद्ध मुद्दे का उल्लेख किए बिना नहीं रह सकती। अदालत ने कहा, न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध होगा यदि सभी आरोपियों को लंबी हिरासत के कारण धीरे-धीरे जमानत मिल जाए, लेकिन राज्य द्वारा मंजूरी नहीं मिलने के कारण मुकदमा रुक जाए।

डीयू दीक्षांत समारोह | उपराष्ट्रपति ने कहा– अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दें विश्वविद्यालय

भारत के विकास में स्नातकों की भूमिका अहम

● वैश्विक रैंकिंग पाने के लिए ऊंचा लक्ष्य रखना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने स्नातकों को 'विकसित भारत' के सपने का वास्तुकार बताते हुए शनिवार को कहा कि विश्वविद्यालयों को ऐसे अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए, जो भारतीय परिस्थितियों से जुड़े हों और साथ ही वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भी हों। वह यहां दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के 102वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने उच्च शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि इस वर्ष 70 प्रतिशत से अधिक स्वर्ण पदक विजेता महिलाएं हैं। समारोह में 1.2 लाख से अधिक छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में राधाकृष्णन मुख्य अतिथि थे, जबकि समारोह की अध्यक्षता डीयू के कुलपति योगेश सिंह ने की। राधाकृष्णन ने कहा कि डीयू की शुरुआत तीन कॉलेज, दो संकाय और आठ विभागों से हुई थी। उन्होंने कहा कि आज विश्वविद्यालय 16 संकायों, 86 विभागों, 90 कॉलेजों, 20 हॉल और छात्रावासों, 30 से अधिक केंद्रों व संस्थानों, 34 पुस्तकालयों और छह लाख से अधिक छात्रों के साथ एक विशाल संस्थान बन चुका है। इस उपलब्धि का श्रेय शिक्षकों, प्रशासकों और छात्रों के सामूहिक प्रयासों का है। विवि में प्रवेश के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि कुलपति योगेश सिंह ने उन्हें बताया कि सीट बिना देरी के भर जाती है और कट-ऑफ 98 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। कहा कि डीयू देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में है, फिर भी वैश्विक रैंकिंग में ऊंचा स्थान पाने को ऊंचा लक्ष्य रखना चाहिए।

डिग्रियां प्रमाणपत्र ही नहीं राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु चुनौतियों और लोकतंत्र पर बढ़ते दबावों के दौर में उन्होंने कहा कि आपकी डिग्री केवल प्रमाण पत्र नहीं बल्कि मानवता और राष्ट्र के प्रति एक प्रतिबद्धता है। उन्होंने छात्रों से आजीवन सीखने की भावना बनाए रखने, नशीले पदार्थों से दूर रहने और अपनी उपलब्धियों से परिवार, विश्वविद्यालय और देश का नाम रोशन करने का आग्रह किया। कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में स्नातक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्वविद्यालयों को अनुसंधान, उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

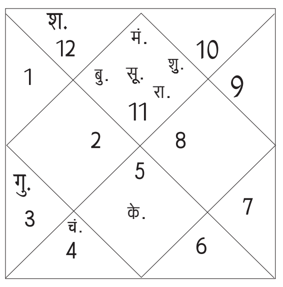

आज की ग्रह स्थिति : 1 मार्च, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 19.09 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 20.34 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

सुडोकू - 75 का हल

2	7	1	8	6	9	4	5	3
4	8	9	2	5	3	7	1	6
5	6	3	4	1	7	9	8	2
9	2	6	5	3	4	1	7	8
7	5	4	1	8	2	6	3	9
1	3	8	9	7	6	2	4	5
6	9	7	3	4	8	5	2	1
3	1	2	7	9	5	8	6	4
8	4	5	6	2	1	3	9	7

सुडोकू -76

	1	7					2	
	3	6			5	8		
9			7		2			6
		4						
	5	1				7	9	
			1			2		8
5			3		7			1
		8				6	5	
	6					3	4	

> कश्मीरी 'विलो' (बल्ला) कई चैंपियनों की किट का हिस्सा रही है। जम्मू-कश्मीर का चैंपियनों को सक्षम बनाने से लेकर खुद चैंपियन बनने तक का सफर देखना बेहद खूबसूरत है। यह सत्र निरंतरता, जुझारूपन और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर आधारित था।
>
> –सचिन तेंदुलकर

सुपर-8 में आज

टीम	समय
जिम्बाब्वे-द. अफ्रीका	दोपहर 3 बजे
भारत-वेस्टइंडीज	शाम 7 बजे

हाईलाइट

अपने अभियान का सकारात्मक अंत चाहेगा जिम्बाब्वे

नई दिल्ली। सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाने के बावजूद जोश से भरी जिम्बाब्वे की टीम को अगर टी20 विश्व कप में अपने अभियान का शानदार अंत करना है तो उसे बेहतरीन फॉर्म में चल रहे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले सुपर आठ के मैच में अपनी गेंदबाजी की कमजोरियों को दूर करना होगा। जिम्बाब्वे ने लीग चरण में अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर सुपर आठ में जगह बनाई थी लेकिन इस चरण में उसे वेस्टइंडीज और भारत के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद सिकंदर रजा की अगुवाई वाली यह टीम दक्षिण अफ्रीका को कड़ी टक्कर देने के लिए प्रतिबद्ध होगी। आईसीसी के इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका को हराना मुश्किल है और अगर जिम्बाब्वे को उसे चुनौती देनी है तो उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा जिन्होंने वेस्टइंडीज और भारत के खिलाफ पिछले दो मैच में 250 से अधिक रन लुटाए।

वरुण अब भी टी-20 के नंबर गेंदबाज हैं : डारेन सैमी

कोलकाता। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डारेन सैमी ने रविवार को यहां ईडन गार्डन्स में टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ अपने 'वर्चुअल क्वार्टरफाइनल' से पहले कहा कि पिछले दो मैच में रन लुटाने के बावजूद वरुण चक्रवर्ती टी20 क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। चक्रवर्ती ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने चार ओवर में 47 रन दिए। भारत के पिछले सुपर आठ मैच में जिम्बाब्वे जैसी कमजोर टीम के खिलाफ भी उन्हें संघर्ष करना पड़ा। लेकिन सैमी ने साफ किया कि कुछ खराब प्रदर्शन से चक्रवर्ती का नंबर एक गेंदबाज होने का रुतबा कम नहीं होता। सैमी ने शनिवार को मैच से पहले मीडिया से बातचीत में कहा पिछली बार जब मैंने देखा था तो मुझे लगता है कि वह टी20 क्रिकेट में नंबर एक गेंदबाज थे। हम हर प्रतिद्वंद्वी टीम का सम्मान करते हैं।

पीवी सिंधू दुबई में फंसी, उड़ानों का संचालन निलंबित

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शनिवार को प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के लिए जाते समय दुबई हवाईअड्डे पर फंस गईं क्योंकि मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण उड़ान संचालन निलंबित कर दिया गया। यह टूर्नामेंट अगले मंगलवार से शुरू होना है। सिंधू ने इंस्टाग्राम पर एक भीड़भाड़ वाले हवाईअड्डे का वीडियो साझा करते हुए लिखा सभी उड़ानें अगली सूचना तक निलंबित। शनिवार को अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया। इन सैन्य हमलों के कारण खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद कर दिया गया जिससे कई उड़ानें प्रभावित हुईं। दुबई हवाईअड्डे ने भी मिसाइल हमलों के बाद हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण अनिश्चितकाल के लिए सभी परिचालन निलंबित कर दिए हैं।

जो जीतेगा, वही खेलेगा सेमीफाइनल

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का मुकाबला आज, गेंदबाजी में करना होगा बेहतर प्रदर्शन

टी-20 विश्व कप

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज अब अपने पुराने रंग में दिख रहे हैं, लेकिन गेंदबाज अब भी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। ऐसी परिस्थितियों में वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले टी-20 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल जैसे सुपर आठ के मैच में उसे इस विभाग में अपना बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वेस्टइंडीज की दक्षिण अफ्रीका से हार और भारत की जिम्बाब्वे पर जीत ने ग्रुप एक के सुपर आठ के इस मैच को दोनों टीम के लिए करो या मरो जैसा बना दिया है। इसलिए अब दोनों टीम कोई कसर नहीं छोड़ेंगी और ऐसे में ईडन गार्डन्स में एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है।

इस मैच के विजेता को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मार्च को दूसरे सेमीफाइनल में खेलने का मौका मिलेगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया। उसके बल्लेबाज सही समय पर लय में लौट आए हैं और अब गेंदबाजों की बारी है। पिछले मैच में शीर्ष क्रम में वापसी करने वाले संजू सैमसन सहित चोटी के सभी छह बल्लेबाजों ने उपयोगी योगदान दिया। संजू ने केवल 24 रन बनाए, लेकिन उन्होंने शुरू में ही रन गति तेज कर दी जिसका बाकी बल्लेबाजों पर सकारात्मक असर पड़ा। उनके आक्रामक रवैये ने अभिषेक शर्मा के हौसले को बुलंद किया, जिनका इस टूर्नामेंट में पिछला सर्वश्रेष्ठ स्कोर 15 था, जो उन्होंने लगातार तीन मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद बनाया था। अभिषेक ने अर्धशतक लगाकर शानदार वापसी की तो तिलक वर्मा ने नंबर छह की अपनी नई भूमिका में नए इरादे के साथ बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंदों में 44 रन बनाए। भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए जो इस टी20 विश्व कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे बिना किसी चिंता के ईडन गार्डन्स पहुंचे हैं। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या ने भी शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती अपने पुराने फॉर्म में नहीं नजर आ रहे हैं। यह रहस्यमयी स्पिनर अपनी लेंथ को सही ढंग से नियंत्रित करने में विफल रहा है और ऐसा लगता है कि वह बहुत ज्यादा प्रयोग कर रहे हैं। चक्रवर्ती के नहीं चल पाने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को नुकसान हुआ। चक्रवर्ती ने उस मैच में चार ओवर में 47 रन लुटा दिए थे। वरुण ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ज्यादातर शॉर्ट पिच गेंदें की और जब उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ फुल लेंथ गेंद करने की कोशिश की तब भी उन्हें खास सफलता नहीं मिली। इस मैच में अनुभवी सिकंदर रजा ने उन्हें निशाने पर रखा। वरुण ने इस मैच में चार ओवरों में 35 रन दिए। यह देखना बाकी है कि टीम प्रबंधन चक्रवर्ती को अंतिम एकादश में बनाए रखता है या बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को टीम में शामिल करता है। कुलदीप ने वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक केवल एक मैच खेला है।

अभ्यास सत्र के दौरान पिच का निरीक्षण करते वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप (दाएं)। एजेंसी

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह।

वेस्टइंडीज : शाई होप (कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, शिमरोन हेटमायर, ब्रैंडन किंग, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्वेंटिन सैम्पसन, रोस्टन चेस, जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्डे, अकील हुसैन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती और जेडन सील्स।

कुलदीप यादव। एजेंसी

सुपर-8 ग्रुप 1

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. साउथ अफ्रीका	2	2	0	0	4	2.890
2. वेस्टइंडीज़	2	1	1	0	2	1.791
3. भारत	2	1	1	0	2	-0.100
4. ज़िम्बाब्वे	2	0	2	0	0	-4.475

सुपर-8 ग्रुप 2

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. इंग्लैंड	3	3	0	0	6	1.096
2. न्यूज़ीलैंड	3	1	1	1	3	1.390
3. पाकिस्तान	3	1	1	1	3	-0.123
4. श्रीलंका	3	0	3	0	0	-1.950

तिलक वर्मा छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आदर्श दिख रहे : सहायक कोच रेयान डोएशे

कोलकाता। भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोएशे का मानना है कि तिलक वर्मा छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आदर्श हैं जिससे मेजबान टीम को पारी के आखिर में जरूरी आक्रामकता मिलेगी। लेकिन रविवार को यहां टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ 'वर्चुअल क्वार्टर-फाइनल में ऐसा जरूरी नहीं है। टूर्नामेंट के पहले पांच मैच में खराब प्रदर्शन के बाद टीम ने मुंबई इंडियंस के इस स्टाइलिश बल्लेबाज को जिम्बाब्वे के खिलाफ छठे नंबर पर भेजने का फैसला किया। उन्होंने अपनी नयी भूमिका में 16 गेंदों में 44 रन बनाए जिसमें चार छक्के और तीन चौके शामिल थे और उनका स्ट्राइक-रेट 275 का था। डोएशे ने कहा नहीं, यह पहले से तय नहीं है कि वह कल पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। मुझे लगा कि उस रात वह छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाला बल्लेबाज दिख रहा था। वह ऐसे लग रहा था कि वह सच में सहज है।

भारतीय महिला टीम को दूर करनी होगी बल्लेबाजी की कमजोरी

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा व अंतिम वनडे आज
- दो मुकाबले हारकर भारत पहले ही गवां चुका है सीरीज

होबार्ट, एजेंसी

पहले दो मैचों में बुरी तरह हारने के बाद बैकफुट पर खड़ी मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अगर जीत हासिल करके अपनी प्रतिष्ठा कुछ हद तक बचानी है तो उसको अपनी बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर करना होगा।

भारतीय टीम पहले दोनों मैच में चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में नाकाम रही और ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी परेशानी के लक्ष्य हासिल करके श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। यह लगातार 12वां अवसर है जबकि भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया से वनडे श्रृंखला गंवाई। असल में भारत अभी तक अपने इस प्रतिद्वंदी से द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीत पाया है।

पहले मैच में भारत ने पावरप्ले के अंदर ही तीन विकेट गंवा दिए थे और फिर वापसी नहीं कर पाया। भारतीय टीम ने दूसरे वनडे में पहले विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी करके अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाज इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे। भारत ने 17वें और 31वें ओवर के बीच सिर्फ 52 रन पर पांच विकेट गंवा दिए। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर उन्हें ध्यान देने की जरूरत है।

पहले वनडे में भारत 214 रन पर आउट हो गया और दूसरे वनडे में नौ विकेट पर 251 रन ही बना पाया। ऑस्ट्रेलिया ने इन दोनों मैच में आसानी से लक्ष्य हासिल किया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को अगर क्लीन स्वीप से बचना है तो उसके बल्लेबाजों को अपने खेल में आमूलचूल सुधार करना होगा। युवा सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने पहले मैच में शून्य पर आउट होने के बाद शानदार वापसी करते हुए अर्धशतक बनाया, वहीं स्मृति मंधाना ने दोनों मैचों में क्रमशः 31 और 58 रन बनाए। हरमनप्रीत ने भी दो अर्धशतक जड़े। लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा जैसी सीनियर बल्लेबाज अभी तक कोई खास योगदान नहीं दे पाए हैं जिससे टीम को नुकसान पहुंचा है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर।

पाकिस्तान टी-20 विश्व कप से बाहर

- श्रीलंका पर जीत के बावजूद वांक्षित नेट रन रेट नहीं पा सका
- साहिबजादा का शतक और फखर जमां की पारियां गईं बेकार

पल्लेकल, एजेंसी

कप्तान दासुन शनाका (नाबाद 76) की शानदार पारी श्रीलंका को पांच रन की करीबी हार से नहीं बचा सकी लेकिन पाकिस्तान को शनिवार को यहां टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया जिससे न्यूजीलैंड ग्रुप दो से शीर्ष पर काबिज इंग्लैंड के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया।

श्रीलंका को लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी ओवर में 24 रन चाहिए थे। श्रीलंकाई कप्तान शनाका ने शाहीन शाह अफरीदी (48 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर लगातार तीन छक्के और एक चौका मारे जिससे आखिरी गेंद पर छह रन की जरूरत थी। लेकिन शनाका ने आखिरी गेंद को यह सोचकर छोड़ दिया कि इसे वाइड कहा जाएगा जिसे मैदानी अंपायर ने वाइड करार नहीं दिया। शनाका ने 31 गेंद की नाबाद पारी में आठ छक्के और दो चौके लगाए पर अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उनके अलावा पवन रत्नायके ने 58 रन की अर्धशतकीय पारी खेलीं। इससे श्रीलंका ने पाकिस्तान के आठ विकेट पर 212 रन के स्कोर के जवाब में सात विकेट पर 206 रन बनाए।

पाकिस्तान को अंतिम चार में जगह बनाने के लिए न्यूजीलैंड (1.390) को नेट रन रेट से पीछे छोड़ने के लिए श्रीलंका को 147 रन के अंदर समेटना था। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (100) और फखर जमां (84 रन) के बीच टी20 विश्व कप इतिहास में किसी भी विकेट के लिए 176 रन की रिकॉर्ड साझेदारी से पाकिस्तान ने आठ विकेट पर 212 रन का विशाल स्कोर बनाया। 16वें ओवर में पाकिस्तान ने बिना विकेट गंवाए 176 रन बना लिए थे लेकिन टीम ने आखिरी चार ओवर में 36 रन पर आठ विकेट गंवा दिए। पाकिस्तान अगले दौर में पहुंचने के लिए श्रीलंका को कम से कम 64 रन या उससे ज्यादा रन से जीत दर्ज करनी थी ताकि वह न्यूजीलैंड से बेहतर रहे। लेकिन अबरार अहमद के चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट के शानदार स्पैल के अलावा कोई अन्य गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। इंग्लैंड सुपर आठ के अपने तीनों मैच जीतकर ग्रुप दो में शीर्ष पर रहा जबकि न्यूजीलैंड ने दूसरी टीम के तौर पर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हालांकि यह पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फरहान के लिए निराशाजनक समापन रहा जिन्होंने टी20 विश्व कप के एक चरण में सबसे ज्यादा रन (319) बनाने का भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने सात मैच में 76.60 के औसत और 160.25 के स्ट्राइक रेट से कुल 383 रन बनाए जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक हैं।

शॉट लगाते श्रीलंका के कप्तान दासुन शानका। एजेंसी

कामयाबी

फाइनल के पहले ही प्रवेश में जीती रणजी ट्रॉफी, 67 साल का लंबा इंतजार खत्म, आठ बार के पूर्व चैंपियन कर्नाटक को हराया

जम्मू-कश्मीर ने 10 दिनों में दूसरी बार रचा इतिहास

खेल डेस्क

अमृत विचार। जम्मू-कश्मीर ने युवा खिलाड़ियों के दृढ़प्रतिज्ञ प्रदर्शन से 10 दिनों के भीतर दूसरी बार इतिहास रचा और राष्ट्रीय क्रिकेट की श्रेष्ठता की प्रतीक रणजी ट्रॉफी प्रतियोगिता में फाइनल के पहले ही प्रयास में आठ बार के पूर्व चैम्पियन कर्नाटक को उसके घर में हराकर ऐतिहासिक खिताबी जीत भी हासिल कर ली।

पूर्व चैम्पियन कर्नाटक पहली पारी की लीड के आधार पर परास्त : गत 18 फरवरी की ही बात है, जब कल्याणी स्थित बंगाल क्रिकेट अकादमी ग्राउंड पर जम्मू-कश्मीर ने इतिहास रचते हुए दूसरे सेमीफाइनल के चौथे दिन मेजबान पश्चिम बंगाल को छह विकेट से हराकर रणजी ट्रॉफी में अपने पदार्पण के बाद 67 वर्षों में पहली बार फाइनल का सफर तय किया था। पारस डोगरा की अगुआई वाली मेहमान टीम ने यहां केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर भी अपना वही जोश व जज्बा कायम रखा और शनिवार को ड्रॉ छूटे मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर चैम्पियन का श्रेय अर्जित कर लिया।

डोगरा एंड कम्पनी ने पूरे पांच दिनों तक अपना दबदबा बनाए रखा : दरअसल, डोगरा एंड कम्पनी ने पूरे पांच दिनों तक मुकाबले में शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा और इस सत्र में अपने अभियान का शानदार अंत किया। जम्मू कश्मीर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 584 रन बनाए थे, जिसके जवाब में कर्नाटक की टीम चौथे दिन पहले ही सत्र में 293 रनों पर सीमित हो गई थी।

विशाल बढ़त के बावजूद मेहमानों ने कर्नाटक को फॉलोऑन नहीं कराया : हालांकि जम्मू-कश्मीर को 291 रनों की मजबूत बढ़त मिली, लेकिन उसने कर्नाटक को फॉलोआन के लिए आमंत्रित करने के बजाय खुद दूसरी पारी में बल्लेबाजी का फैसला किया। मैच के पांचवें और अंतिम दिन जम्मू-कश्मीर ने जब अपनी दूसरी पारी 113 ओवरों में चार विकेट पर 342 रनों तक पहुंचाई थी, तभी दोनों कप्तानों ने मैच ड्रॉ करने पर सहमति जताई। उस वक्त जम्मू-कश्मीर की कुल बढ़त 633 रनों तक जा पहुंची थी।

कर्नाटक के हुबली में ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते जम्मू-कश्मीर टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

जम्मू-कश्मीर	584, 342
कर्नाटक	293

कर्नाटक में केएल राहुल सहित पांच अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी

जम्मू-कश्मीर 2013-14, 2019-20 और 2024-25 के सत्र में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था, पर इससे आगे बढ़ने में नाकाम रहा था। फिलहाल केएससीए स्टेडियम में पिछले पांच दिनों में किसी भी समय ऐसा नहीं लगा कि उसके खिलाड़ी पहली बार रणजी का फाइनल खेल रहे हैं। उसकी यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि प्रतिद्वंद्वी टीम में केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, पडिक्कल, करुण नायर व प्रसिद्ध कृष्णा जैसे अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं।

यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा क्षण : कप्तान डोगरा

हुबली। जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने शनिवार को कहा कि उनकी टीम की रणजी ट्रॉफी में ऐतिहासिक जीत को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं है और यह उनके जीवन का सबसे बड़ा क्षण है। जम्मू कश्मीर ने कर्नाटक के खिलाफ फाइनल मैच ड्रॉ होने के बाद पहली पारी में बढ़त के आधार पर अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीतकर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया।

डोगरा ने मैच के बाद कहा सच कहूं तो मैं इसे शब्दों में बयान नहीं कर सकता, मेरे पास शब्द नहीं हैं। इस समय यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। विदा होने से पहले यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। सच कहूं तो जेकेसीए (जम्मू कश्मीर क्रिकेट संघ) के साथ रहना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

उमर अब्दुल्ला ने दो करोड़ रुपये की घोषणा की

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत पर खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए दो करोड़ रुपये की नकद पुरस्कार राशि की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इसे जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि करार देते हुए कहा कि इस उपलब्धि ने पूरे क्षेत्र को गर्व और प्रेरणा से भर दिया है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को हुबली (कर्नाटक) पहुंचे थे, जहां उन्होंने जम्मू-कश्मीर टीम का उत्साहवर्धन किया।